

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 71 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 07 नवम्बर 2026(शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

# विपक्ष में रहते हुए दहाड़ना और भाजपा में आते ही चुप्पी...!

## अल्पेश ठाकोर ने खुद कहा- भाजपा में न बोलने का इंजेक्शन लग जाता है!

### कांग्रेस में रहते हुए सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने वाले अल्पेश ठाकोर का वायरल वीडियो चर्चा में, बोले- विपक्ष में शेर की तरह दहाड़ते थे, भाजपा में आने के बाद बदल गए हालात

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** राधनपुर के विधायक और ठाकोर सेना के नेता अल्पेश ठाकोर ने एक बार फिर अपने बयान से गुजरात की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस और विपक्ष में रहते हुए सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने वाले अल्पेश ठाकोर भाजपा में शामिल होने के बाद पहले की तरह आक्रामक बयानबाजी क्यों नहीं करते? इस सवाल पर उनका एक बयान अब चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में अल्पेश ठाकोर भाजपा में आने के बाद नेताओं के बोलने के तरीके में बदलाव को लेकर 'इंजेक्शन' वाली टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं।

**वायरल वीडियो में बोले- भाजपा में आते ही लग जाता है न बोलने का इंजेक्शन!**

एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अल्पेश ठाकोर ने अपने पुराने राजनीतिक दिनों और वर्तमान परिस्थितियों के बीच अंतर बताते हुए कहा कि जब वे विपक्ष में थे, तब खुलकर अपनी बात रखते थे और सरकार के खिलाफ आवाज उठाते थे। लेकिन भाजपा में आने के बाद परिस्थितियां बदल जाती हैं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा में ऐसा इंजेक्शन लगा दिया जाता है कि नेता बोलना बंद कर देते हैं। उनका यह बयान सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। विपक्षी दलों को भी भाजपा पर निशाना साधने का एक नया मुद्दा मिल गया है। हालांकि, इस टिप्पणी के पीछे उनका वास्तविक आशय क्या था और उन्होंने यह बात गंभीरता से कही या व्यंग्य के रूप में, इस पर भी चर्चा हो रही है।

**आक्रामक अल्पेश ठाकोर से शांत नेता तक का राजनीतिक सफर**

अल्पेश ठाकोर गुजरात में ठाकोर सेना और नशामुक्ति अभियान के जरिए अपनी पहचान बनाने वाले नेताओं में शामिल रहे हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था। उस दौरान वे सरकार की नीतियों और व्यवस्थाओं के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे। उनकी आक्रामक बयानबाजी और जनसभाओं में सरकार को घेरने के अंदाज ने उन्हें प्रदेश की राजनीति में अलग पहचान दिलाई। हालांकि, वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका और सार्वजनिक बयानबाजी के अंदाज में बदलाव देखने को मिला। पहले की तरह सरकार के खिलाफ मुखर होकर बोलने को लेकर उनकी सक्रियता पर लगातार सवाल उठते रहे। अब उनके 'इंजेक्शन' वाले बयान ने इसी पुरानी बहस को फिर से हवा दे दी है।

**विपक्ष को मिला भाजपा पर निशाना साधने का मौका**

अल्पेश ठाकोर के बयान को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से भाजपा पर निशाना साधे जाने की चर्चाएं हैं। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा में नेताओं को पार्टी की नीतियों और नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बोलने की स्वतंत्रता नहीं मिलती। विपक्षी दल इस बयान को पार्टी के भीतर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़कर देख रहे हैं। दूसरी ओर, राजनीतिक हलकों में इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा में शामिल होने के बाद अल्पेश ठाकोर की राजनीतिक भूमिका पहले जैसी आक्रामक नहीं रही। कुछ लोग उनके बयान को पार्टी के भीतर संभावित असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि इसके पीछे किसी पद या राजनीतिक जिम्मेदारी को लेकर नाराजगी होने की पुष्टि नहीं हुई है।

**क्या फिर पुराने अंदाज में नजर आएंगे अल्पेश ठाकोर?**

अल्पेश ठाकोर का यह बयान गुजरात की राजनीति में एक दिलचस्प सवाल खड़ा कर रहा है। जो नेता कभी विपक्ष में रहते हुए सरकार के खिलाफ बेबाकी से अपनी बात रखते थे, वही अब सत्ताधारी दल में नेताओं की चुप्पी को लेकर टिप्पणी कर रहे हैं। उनके बयान के बाद भाजपा की कार्यशैली और पार्टी अनुशासन को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। अब सवाल यह है कि अल्पेश ठाकोर की यह टिप्पणी केवल व्यंग्य थी या इसके पीछे उनकी कोई राजनीतिक पीड़ा भी छिपी है? क्या वे भविष्य में एक बार फिर अपने पुराने आक्रामक अंदाज में जनता के मुद्दे उठाते नजर आएंगे, या भाजपा की राजनीतिक मर्यादाओं के भीतर ही अपनी भूमिका निभाते रहेंगे? फिलहाल उनका 'न बोलने का इंजेक्शन' वाला बयान गुजरात की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है।

## मध्य प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म, सीएम मोहन यादव से मुलाकात के बाद काम पर लौटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल आखिरकार खत्म हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात के बाद कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही भोपाल के कई इलाकों में सफाई का काम दोबारा शुरू हो गया। नरेला विधानसभा क्षेत्र में भी सफाईकर्मी काम पर लौट आए। सफाई कर्मचारी 10,500 रुपये का वेतन बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने सहित चार मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। हड़ताल के कारण राजधानी में करीब 2,550 टन कचरा सड़कों पर जमा हो गया था। शुक्रवार को कर्मचारियों ने पानी के टैंकरों से आपूर्ति भी बंद कर दी, जिससे कई इलाकों में जल संकट पैदा हो गया। आंदोलन में नगर निगम के करीब छह हजार अन्य कर्मचारी भी शामिल हो गए थे। हड़ताल का असर मंत्रालय, वल्लभ भवन और चार इमली जैसे प्रशासनिक एवं वीआईपी इलाकों में भी दिखाई दिया। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बंगलों के आसपास कचरे के ढेर लग गए। हनुमान मंदिर, साईं मंदिर और अटल पथ पर भी सफाई व्यवस्था प्रभावित रही। कोलार रोड के केंद्र भाग में तीन दिनों से कचरा जमा था, जबकि बुधवारा बाजार में पशुओं के शव पड़े होने की जानकारी भी सामने आई। इस पूरे घटनाक्रम ने राजधानी की सफाई व्यवस्था की संवेदनशीलता उजागर कर दी। कुछ दिनों की हड़ताल ने ही शहर को कचरे के ढेर में बदल दिया। अब कर्मचारियों के काम पर लौटने के बाद नगर निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती जमा कचरे को हटाकर सामान्य व्यवस्था बहाल करने की है।



## ओम बिरला के ओएसडी को धमकी मामले में प्रह्लाद गुंजल को हाईकोर्ट से राहत की उम्मीद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) राजीव दत्ता को कथित तौर पर धमकी देने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस से केस डायरी और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने पूर्व विधायक प्रह्लाद गुंजल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। गुंजल ने याचिका दायर कर उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की है। उनकी ओर से अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा ने अदालत में दलील दी कि जिस वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया, उसका सत्यापन नहीं किया गया। वीडियो किसने बनाया और कहां से प्राप्त हुआ, इसकी भी स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कथित धमकी पाने वाले व्यक्ति ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।



## श्रावस्ती में नकली नोट छापने का कारखाना पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**श्रावस्ती।** उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 74 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। गिरोह की योजना दिवाली के दौरान बाजार में इन नकली नोटों को खपाने की थी। हैरानी की बात यह है कि आरोपियों ने यूट्यूब से नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था। कार्रवाई जिला मुख्यालय से करीब 42 किलोमीटर दूर मल्हीपुर रोड स्थित गिरिराज राइस मिल में की गई। सूचना मिलने के बाद एसटीएफ की टीम ने गुरुवार को मिल पर छापा मारा। देर रात करीब 11 बजे तक तलाशी और जांच की कार्रवाई चलती रही। इसके बाद शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे मामले का खुलासा किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी राइस मिल के भीतर ही नकली नोट छापने का काम कर रहे थे। त्योहार के दौरान बाजारों में नकदी का अधिक लेन-देन होने का फायदा उठाकर इन नोटों को असली बताकर चलाने की तैयारी थी। इस कार्रवाई ने नकली मुद्रा के कारोबार को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सवाल यह भी है कि यदि समय रहते एसटीएफ को सूचना नहीं मिलती तो दिवाली की खरीदारी के बीच कितनी बड़ी मात्रा में नकली नोट बाजार में पहुंच सकते थे। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क, नकली नोटों की छपाई में इस्तेमाल उपकरणों और इनके संभावित खरीदारों का पता लगाने में जुटी है।



## लखनऊ में 1.23 करोड़ की लूट का खुलासा, शिकायतकर्ता कारोबारी ही निकला साजिशकर्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** गुजरात के कारोबारी से लखनऊ में हुई 1 करोड़ 23 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस कारोबारी ने लूट की शिकायत दर्ज कराई थी, पुलिस के मुताबिक वही इस पूरी साजिश में शामिल था। आरोपियों के कब्जे से लूट की पूरी रकम 1 करोड़ 23 लाख रुपये, एक एक्सयूवी कार, दो मोटरसाइकिल, तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गुजरात के मेहसाणा जिले के खेरालू निवासी प्रग्नेश कुमार अमृतलाल रजगोल ने 24 अक्टूबर 2026 को शिकायत दी थी कि वह अपने मालिक के रुपये लेकर क्रेटा कार से लखनऊ आया था। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल सवार बदमाश रुपये लूटकर फरार हो गए। मामले में आशियाना थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस और अपराध शाखा की टीमों ने जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने औरंगाबाद अंडरपास के पास घेराबंदी कर सुमित यादव उर्फ कल्लू और सत्यम को गिरफ्तार किया। इनके पास से 59 लाख रुपये, सोने की मुहर और दो मोबाइल फोन मिले। पुलिस ने गुजरात में दबिश देकर तीन अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया। जांच में शिकायतकर्ता की कथित भूमिका सामने आने से मामला और चौंकाने वाला हो गया है। पुलिस अब साजिश के पूरे घटनाक्रम और रकम के लेन-देन की कड़ियां जोड़ रही है।




## हिमाचल को बड़ी राहत, बीबीएमबी से 11,973 मिलियन यूनिट बिजली का बकाया मिलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से बिजली में हिस्सेदारी के लंबे समय से चले आ रहे विवाद में हिमाचल प्रदेश को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वर्ष 1996 में दायर दीवानी मुकदमे की कानूनी लड़ाई में प्रदेश को सफलता मिली है। अदालत ने हिमाचल को 11,973 मिलियन यूनिट बिजली बकाया देने का आदेश दिया है। यह बिजली अगले 20 वर्षों में बकाया हिस्सेदारी के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश के महाधिवक्ता अनूप रत्न ने बताया कि इस फैसले से हिमाचल को हर साल अक्टूबर से मार्च के बीच करीब 600 मिलियन यूनिट बिजली मिलने का लाभ होगा।

## गुजरात पुलिस पर अल्पेश ठाकोर का विवादित बयान, बोले- 'किश्तें भी लेते हैं और दो पैग भी लगाते हैं'

### शराबबंदी लागू कराने वाले पुलिस तंत्र पर भाजपा विधायक ने उठाए सवाल, कथित वसूली और नशे में ड्यूटी करने के आरोपों से मचा राजनीतिक विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** गुजरात में शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन को लेकर भाजपा विधायक अल्पेश ठाकोर के एक कथित बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। राधनपुर से विधायक और ठाकोर सेना के नेता अल्पेश ठाकोर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें वे गुजरात पुलिस के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कथित तौर पर कहते सुनाई दे रहे हैं कि पुलिस शराब तस्करों से किश्तें वसूलती है और गाड़ियों में दो पैग भी लेकर आती है। वीडियो में अल्पेश ठाकोर ने राज्य में शराबबंदी के बावजूद शराब की बिक्री जारी रहने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब तस्करी के मामलों में पुलिस के कुछ जवानों और अधिकारियों की मिलीभगत है। उनका दावा है कि कुछ पुलिसकर्मी नियमित रूप से अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों से वसूली करते हैं और नशे की हालत में ड्यूटी पर भी पहुंचते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अल्पेश ठाकोर के इस बयान के बाद पुलिस व्यवस्था और शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गुजरात में लंबे समय से शराबबंदी लागू है और सरकार इसके सख्त पालन का दावा करती रही है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल के ही एक विधायक की ओर से पुलिस तंत्र पर इस तरह के आरोप लगाए जाने से मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में आ गया है। अल्पेश ठाकोर पहले भी शराबबंदी और नशे के खिलाफ अभियान चलाते रहे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद भी वे समय-समय पर पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। ताजा बयान ने एक बार फिर शराब की अवैध बिक्री रोकने और पुलिस की जवाबदेही तय करने की जरूरत पर बहस छेड़ दी है। अब निगाहें गृह विभाग और पुलिस प्रशासन की प्रतिक्रिया पर हैं। यह भी देखना महत्वपूर्ण होगा कि लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाती है या नहीं और यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होती है। फिलहाल, अल्पेश ठाकोर के बयान और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को लेकर राजनीतिक तथा प्रशासनिक हलकों में चर्चा जारी है।

## सरकारी जमीनों के फर्जी हस्तांतरण का आरोप, आप विधायक के ठिकानों पर छापे में मिले दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पंजाब।** मोगा से आम आदमी पार्टी की विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा पर सरकारी जमीनों के अभिलेखों में हेराफेरी कर करोड़ों रुपये की संपत्ति हासिल करने का आरोप लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में केंद्र और पंजाब सरकार, नगर निगम तथा एक धार्मिक संस्था की पांच जमीनों के फर्जी हस्तांतरण का मामला सामने आया है। ईडी के अनुसार, राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी और जाली दस्तावेजों के माध्यम से इन जमीनों को विधायक के रिश्तेदारों और अन्य लोगों के नाम कराया गया। एजेंसी ने 4 नवंबर को विधायक से जुड़े सात ठिकानों पर करीब 36 घंटे तक तलाशी ली थी। इस दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है। मामला मोगा के अधरमान गांव की सरकारी जमीन से भी जुड़ा है। आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-754 ए के लिए अधिग्रहित जमीन के बदले 1 करोड़ 65 हजार 724 रुपये का मुआवजा गलत तरीके से प्राप्त किया गया। यह राशि दिलकुश कुमारी के बैंक खाते में जमा हुई थी, जिसे बाद में बैंक ने रोक दिया। ईडी को मोगा में एक आवासीय संपत्ति की खरीद में अघोषित नकदी के इस्तेमाल का भी संदेह है। एजेंसी विधायक, उनके पति और सहयोगियों की भूमिका की जांच कर रही है। यह मामला केवल पांच सरकारी जमीनों के कथित फर्जी हस्तांतरण या मुआवजे की रकम तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और राजस्व व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि सरकारी जमीनों के अभिलेखों में वास्तव में हेराफेरी हुई है, तो सवाल यह है कि इतने महत्वपूर्ण दस्तावेजों में बदलाव आखिर किसकी मिलीभगत से संभव हुआ? जमीनों के हस्तांतरण से लेकर करोड़ों रुपये के मुआवजे के भुगतान तक संबंधित विभागों के अधिकारियों की भूमिका की जांच क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या सरकारी जमीनों के रिकॉर्ड की निगरानी करने वाली व्यवस्था इतनी कमजोर है कि कोई भी प्रभावशाली व्यक्ति उसका दुरुपयोग कर सकता है? अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच में सामने आए आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल होगी या मामला राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सिमटकर रह जाएगा? सरकारी संपत्ति जनता की धरोहर है, इसकी लूट के आरोपों पर जवाबदेही तय होना जरूरी है।



## घरेलू विवाद में कैब चालक ने पत्नी समेत परिवार के 7 लोगों की हत्या की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बेंगलुरु।** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते सामूहिक हत्याकांड का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक कैब चालक ने अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के सात लोगों की कथित तौर पर हत्या कर दी। मृतकों में सात साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने आरोपी शेखर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पत्नी के मायके जाने को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। जांच के मुताबिक, शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। आरोप है कि उसने पहले घर में सिलबट्टे से सुनीता की हत्या की और शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। इसके बाद उसने सुनीता का मोबाइल बंद कर पड़ोसियों को उसके घूमने जाने की बात बताई। अगले दिन आरोपी ने अपने दो सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद उनकी पत्नियों दिव्या और नलिनी, अपनी सास रूपवती तथा शिवकुमार के सात वर्षीय बेटे पुनीत को भी मार डाला। मामला तब उजागर हुआ जब नलिनी की मां ने उसके लापता होने की शिकायत श्रीरामपुरा थाने में दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को हत्याकांड का पता चला। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने घर में खून के निशान मिटाने के लिए रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल किया और शवों को ठिकाने लगाने के लिए कार का सहारा लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल सिलबट्टा और कार जब्त कर ली है। सात वर्षीय पुनीत का शव नंदी हिल्स के पास से बरामद किया गया है, जबकि अन्य शवों की तलाश जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस वारदात में किसी अन्य व्यक्ति या आरोपी की बेटी की कोई भूमिका थी या नहीं। साथ ही यह सवाल भी जांच के दायरे में है कि रिहायशी इलाके में इतनी बड़ी वारदात होने के बावजूद आसपास के लोगों को इसकी भनक कैसे नहीं लगी।



## दीपावली और छठ पर देशवासियों के बीच रहेंगे स्वामी चक्रपाणि, ब्रसेल्स सम्मेलन का आमंत्रण ठुकराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** अखिल भारत हिंदू महासभा एवं संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज ने बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने का आमंत्रण विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने दीपावली और छठ महापर्व के अवसर पर देशवासियों, संत समाज और संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच रहने को अपनी प्राथमिकता बताया है। दरअसल, दुबई स्थित अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्ड टूरिज्म फोरम इंस्टीट्यूट की ओर से स्वामी चक्रपाणि को 9 और 10 नवंबर को ब्रसेल्स में होने वाली ग्लोबल टूरिज्म फोरम एनुअल मीटिंग 2026 में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह सम्मेलन रॉयल म्यूजियम्स ऑफ फाइन आर्ट्स ऑफ बेल्जियम में आयोजित होना है। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय निवेश और सुरक्षा रखा गया है, जिसमें विभिन्न देशों के सरकारी प्रतिनिधि, नीति निर्माता, निवेशक और पर्यटन क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। आयोजकों ने स्वामी चक्रपाणि से पर्यटन के माध्यम से विश्वास और शांति का निर्माण तथा सांस्कृतिक समझ को सुरक्षा का आधार बनाने जैसे विषय पर मुख्य संबोधन देने का अनुरोध किया था। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने आमंत्रण के लिए आयोजकों का आभार जताते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर भारतीय सनातन संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम् के विचार को प्रस्तुत करना गौरव की बात है, लेकिन दीपावली और छठ जैसे पर्व अपनी जड़ों, समाज और अपनों से जुड़ने के विशेष अवसर हैं। ऐसे समय में देशवासियों और संत समाज के बीच उपस्थित रहना उनका नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही देशवासियों को दीपावली और छठ पर्व की बधाई दी।



## धनतेरस पर स्वर्णमयी स्वरूप में मां अन्नपूर्णा के दर्शन, काशी में 2 किलोमीटर लंबी कतार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वाराणसी।** धनतेरस के पावन अवसर पर काशी में मां अन्नपूर्णा मंदिर में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। मां अन्नपूर्णा अपने स्वर्णमयी स्वरूप में भक्तों को दर्शन दे रही हैं। माता के दर्शन के लिए मंदिर के बाहर करीब दो किलोमीटर लंबी कतार लगी हुई है। श्रद्धालु आधी रात से ही दर्शन की प्रतीक्षा में खड़े हैं। अनुमान है कि देर रात तक दो लाख से अधिक भक्त माता के दर्शन करेंगे। शुक्रवार सुबह चार बजे मां का विशेष शृंगार किया गया। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। भक्त प्रथम तल पर विराजमान मां के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में सिक्के और लावा वितरित किए जा रहे हैं। मान्यता है कि मां का यह खजाना घर ले जाने से परिवार में धन-धान्य की कमी नहीं रहती और सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी आस्था के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर में लगातार पांच दिनों तक दर्शन और खजाना प्रसाद वितरण होगा।

## गांधीनगर में 101 नई एसटी बसों का लोकार्पण, कर्मचारियों को दिवाली पर आधा वेतन अग्रिम देने की घोषणा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गुजरात के गृह एवं परिवहन राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने गांधीनगर में 101 नई एसटी बसों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने एसटी निगम के चालक, परिचालक और कार्यशाला कर्मचारियों से संवाद कर उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि नई बसों को नेताओं के बजाय एसटी निगम के चालक और परिचालकों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर्ष संघवी ने कहा कि एसटी निगम की सफलता में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लाखों यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने वाले कर्मचारियों का सम्मान और सहयोग करना सरकार की प्राथमिकता है। दिवाली के अवसर पर कर्मचारियों और उनके परिवारों को राहत देते हुए मंत्री ने एसटी निगम के सभी कर्मचारियों को आधा वेतन अग्रिम देने की घोषणा भी की। इस घोषणा से कार्यक्रम में मौजूद कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने कहा कि एसटी केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि लाखों गुजरातियों के जीवन का भरोसेमंद साथी है। त्योहारों के दौरान भी चालक, परिचालक और अन्य कर्मचारी अपने परिवारों से दूर रहकर यात्रियों की सेवा में जुटे रहते हैं।

## लाखों की लागत से बना सड़क एक महीने में ही उखड़ा, डभोई में निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के पूर्वी क्षेत्र के ओढ़व वार्ड में अवैध निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। रिंग रोड स्थित नेशनल हैंडलूम के पीछे कैलाश एस्टेट के शेड नंबर 9 और 10 में कथित तौर पर बिना आवश्यक मंजूरी के बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कराए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि लंबे समय से निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद अहमदाबाद महानगरपालिका के संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मामले को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से शिकायत दी गई, लेकिन



शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों ने वार्ड निरीक्षक की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि निर्माणकर्ताओं को कथित तौर पर संरक्षण मिल रहा है। हालांकि, अधिकारियों और निर्माणकर्ताओं की मिलीभगत संबंधी आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नागरिकों का कहना है कि महानगरपालिका छोटे निर्माणों और सामान्य नागरिकों के मामलों में तत्काल कार्रवाई करती है, लेकिन कैलाश एस्टेट में कथित रूप से बड़े स्तर पर निर्माण होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होना दोहरे मापदंड की आशंका पैदा करता है। इससे प्रशासन की निष्पक्षता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अब स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने महानगरपालिका आयुक्त सहित उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनकी मांग है कि शेड नंबर 9 और 10 के स्वीकृत नक्शे, निर्माण अनुमति और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई जाए। यदि निर्माण नियमों के विरुद्ध पाया जाता है तो तत्काल नियमानुसार कार्रवाई हो। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि शिकायतों के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की क्या भूमिका रही है।

## अहमदाबाद सेंट्रल जेल से 33 कैदियों को मिली पैरोल, जल्द 80 अन्य कैदियों को भी मिलेगी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** साबरमती स्थित अहमदाबाद केंद्रीय जेल से कैदियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। जेल प्रशासन और सक्षम अधिकारियों ने 33 कैदियों की पैरोल की अर्जियां मंजूर कर ली हैं। इसके साथ ही आगामी दिनों में लगभग 80 अन्य कैदियों को भी पैरोल अथवा फरलो का लाभ मिलने की संभावना है। इस खबर से कैदियों के परिजनों में



खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, विभिन्न अपराधों में सजा काट रहे कैदियों ने कानूनी प्रावधानों के तहत पैरोल और फरलो के लिए आवेदन किया था। जेल प्रशासन, पुलिस सत्यापन और संबंधित अधिकारियों द्वारा आवेदनों की जाँच की गई। आवश्यक कानूनी मापदंड पूरे होने और संतोषजनक रिपोर्ट मिलने के बाद पहले चरण में 33 कैदियों की पैरोल मंजूर की गई। जेल सूत्रों के मुताबिक, लगभग 80 अन्य कैदियों की अर्जियां भी मंजूरी की प्रक्रिया में हैं। उन्हें भी जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। इस व्यवस्था का उद्देश्य कैदियों को परिवार के साथ समय बिताने का अवसर देना, उनके पारिवारिक संबंध बनाए रखना और सामाजिक जीवन से जोड़कर सुधार की दिशा में आगे बढ़ाना है। हालांकि, पैरोल पर रिहा होने वाले कैदियों के लिए निर्धारित शर्तों का पालन अनिवार्य होगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने और कैदियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस तथा जेल प्रशासन द्वारा निगरानी भी रखी जाएगी।

# जैन समाज की आस्था पर गंभीर सवाल, सागरचंद्र सागर विवाद ने साधु परंपरा और धार्मिक ट्रस्टों को कटघरे में खड़ा किया

## कथित चैट, ऑडियो और तस्वीरों की निष्पक्ष फॉरेंसिक जांच की मांग तेज

### करोड़ों के दान का पारदर्शी ऑडिट कराने और दोष साबित होने पर कठोर कार्रवाई की उठी आवाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**अहमदाबाद/मसूर।** भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और सदाचार के पावन सिद्धांतों पर टिकी जैन धर्म की सदियों पुरानी परंपराओं के सामने आज एक ऐसा गंभीर, संवेदनशील और झकझोर देने वाला विवाद खड़ा हो गया है, जिसने देश भर के जैन समाज की नींव हिलाकर रख दी है। साधु जीवन की गरिमा, उच्च मर्यादा और पवित्रता को सीधे कटघरे में खड़ा करने वाली इन घटनाओं के परत-दर-परत सामने आने के बाद मध्य प्रदेश के मसौर से लेकर गुजरात के पालिताणा जैसे महातीर्थों तक, समस्त जैन वर्तुलों में भारी आक्रोश, निराशा और गहरा चिंता का माहौल व्याप्त हो गया है। इस पूरे विवाद के केंद्र बिंदु में रहे 'सागरचंद्र सागर' पर लगे अनैतिकता और आर्थिक गड़बड़ियों के संगीन आरोपों ने धर्म के पवित्र आवरण की आड़ में चल रहे पाखंड पर सीधे और तीखे सवाल दाग दिए हैं।

#### सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री और साधु जीवन की मर्यादा के तार-तार

इस पूरे विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर आतिश की तरह फैली कथित व्हाट्सएप चैट्स, ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग्स और संदिग्ध तस्वीरों से हुई। इन वायरल सामग्रियों ने एक झटके में साधु जीवन के कठोर नियमों, पंच महाव्रतों और उच्च मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। आरोपों का दायरा इतना विकराल और गंभीर है कि कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनैतिक व अवैध संबंधों की चर्चाएं पूरे समाज में जोर पकड़ चुकी हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि ये तमाम संगीन आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद, मनगढ़ंत और केवल चरित्र हनन करने का षड्यंत्र हैं, तो फिर संबंधित पक्ष की ओर से अब तक देश के सामने आकर तुरंत, स्पष्ट और संतोषजनक सफाई क्यों नहीं दी जा रही? और यदि इन वायरल सबूतों में तनिक भी सच्चाई छिपी है, तो आरोपी पक्ष कानूनी जांच के दायरे का सामना करने से कतरा क्यों रहा है? धर्म के पावन वेश और भगवा-श्वेत वस्त्रों की आड़ लेकर किसी भी व्यक्ति को देश के कानून, संविधान और नैतिक मूल्यों से ऊपर उठकर विशेष छूट या संरक्षण बिल्कुल नहीं दिया जा सकता।

#### फॉरेंसिक जांच और सत्य को सामने लाने की अनिवार्यता

किसी भी व्यक्ति के सामाजिक व धार्मिक सम्मान और करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था के बीच न्यायसंगत संतुलन बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक और निष्पक्ष न्यायिक दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी हो गया है। डिजिटल मीडिया के इस दौर में सोशल मीडिया पर तैर रही चैट्स, तस्वीरें और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स वास्तविक हैं या पूरी तरह एडिटेड व फर्जी? उनमें किसी तकनीक के जरिए फेरबदल या डीपफेक का प्रयोग हुआ है या नहीं? इन तमाम पहलुओं का दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए बिना किसी देरी के त्वरित और गहन फॉरेंसिक जांच होना अति-आवश्यक है। यह प्रकरण केवल कुछ लीक हुई तस्वीरों या ऑडियो क्लिप्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे जैन समाज की ऐतिहासिक पवित्रता और करोड़ों-करोड़ श्रद्धालुओं की आस्था की शुद्धता से जुड़ा एक ज्वलंत विषय है।

#### करोड़ों का दान, ट्रस्टियों की संदिग्ध भूमिका और पारदर्शी ऑडिट का बड़ा सवाल

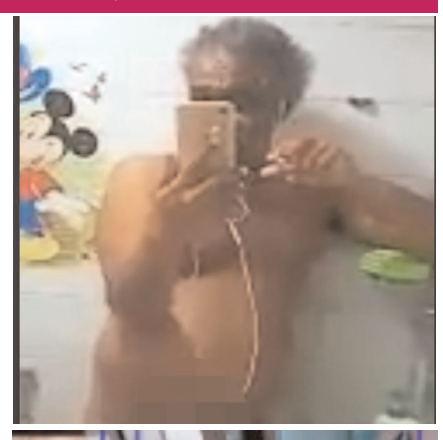
जैन तीर्थ क्षेत्रों, जिनालयों, गुरुद्वारों और धार्मिक ट्रस्टों में देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा अपनी गाढ़ी कमाई से दिया जाने वाला करोड़ों-अरबों का दान केवल जीवदया, शिक्षा, अनुकंपा, धर्म प्रचार और मानव कल्याण के लिए होता है। परंतु इस भूचाल ला देने वाले विवाद के उजागर होते ही संस्थाओं के सर्वेसर्वा ट्रस्टियों, प्रबंधकों, पदाधिकारियों और मीडिया कोऑर्डिनेटर अभय चोपड़ा जैसे मुख्य सहयोगियों की कार्यप्रणाली भी संदेह और कटघरे के सीधे घेरे में आ गई है। श्रद्धालुओं की अगाध आस्था के साथ खिलवाड़ करके क्या दान की इस मोटी रकम का कोई व्यक्तिगत, अनैतिक या अवैध उपयोग किया गया है? क्या संस्थागत आर्थिक लेन-देन में कोई बड़ी वित्तीय अनियमितता छिपी है? और क्या ट्रस्टों के

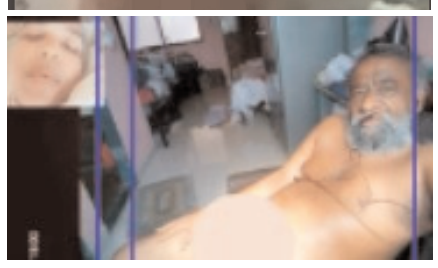


खाते-बही पूरी तरह पारदर्शी हैं? इन तमाम यक्ष प्रश्नों की गहराई से निष्पक्ष पड़ताल के लिए किसी स्वतंत्र ऑडिट अथॉरिटी या कैग जैसी शीर्ष संस्था द्वारा व्यापक ऑडिट कराया जाना समय की सबसे बड़ी मांग है।

#### जैन समाज की स्पष्ट, कटु और कड़ा रुख वाली मांगें:

सागरचंद्र सागर के खिलाफ लगे अनैतिक व्यवहार, चरित्र हनन और आर्थिक गड़बड़ियों के तमाम आरोपों की एक तय समयावधि के भीतर निष्पक्ष न्यायिक जांच की जाए। वायरल हुई सभी व्हाट्सएप चैट्स, तस्वीरों, वीडियोज और कॉल रिकॉर्डिंग्स की शीर्ष विशेषज्ञों द्वारा निष्पक्ष फॉरेंसिक जांच कराकर पूरी रिपोर्ट जनसमक्ष सार्वजनिक की जाए। इस पूरे प्रकरण से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी संबंधित महिलाओं और साध्वियों की गरिमा, मान-सम्मान, सुरक्षा और गोपनीयता का शत-प्रतिशत संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। धार्मिक संस्थाओं, तीर्थ क्षेत्रों और ट्रस्टों के पास एकत्र करोड़ों रुपये के दान तथा समस्त वित्तीय लेन-देन का किसी स्वतंत्र और पारदर्शी एजेंसी द्वारा गहराई से ऑडिट हो। संस्थाओं के ट्रस्टियों, प्रबंधकों, मुख्य संचालकों एवं अभय चोपड़ा सहित तमाम पदाधिकारियों की इस पूरे मामले में संदिग्ध भूमिका और चुप्पी की गहनता से जांच की जाए। यदि निष्पक्ष जांच में किसी भी प्रकार का अनैतिक कार्य, वित्तीय अपराध या अनियमितता साबित होती है, तो व्यक्ति के धार्मिक पद, प्रतिष्ठा या वेशभूषा का लिहाज किए बिना भारतीय कानून के तहत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाए।





महानगर मेट्रो की सिंहगर्जना जैसा सीधा सवाल:

भगवान महावीर स्वामी के शासन और उनकी पावन पाट-परंपरा में पवित्रता, निष्कलंकता और संयम बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल साधु-साध्वियों की ही नहीं, बल्कि ट्रस्टियों, संस्थापकों, प्रबंधकों और पूरे जैन समाज की है। यदि यह सब केवल एक साजिश या झूठा आरोप है, तो इसे ठोस, अचूक और वैज्ञानिक सबूतों के साथ देश के सामने तत्काल साबित किया जाना चाहिए। और यदि धर्म के नाम पर कोई बड़ा पाप, व्यभिचार या आर्थिक अपराध हुआ है, तो किसी भी धार्मिक आवरण, भगवा-श्वेत वेश या वग-पहुंच की आड़ में आरोपी को बचाने का दुस्साहस बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सत्य और न्याय ही अब अंतिम मार्ग बचा है–ऐसे में जैन समाज के शीर्ष कर्ताधर्ताओं, संबंधित ट्रस्टों और जिम्मेदार संस्थाओं को इस विवाद के काले बादलों को चीरकर आखिर कब तक सच देश के सामने लाना ही होगा?

## ओढ़व वार्ड में अवैध निर्माण का मामला गरमाया, कैलाश एस्टेट के शेड नंबर 9 और 10 पर कार्रवाई नहीं होने से महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के पूर्वी क्षेत्र के ओढ़व वार्ड में अवैध निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। रिंग रोड स्थित नेशनल हैंडलूम के पीछे कैलाश एस्टेट के शेड नंबर 9 और 10 में कथित तौर पर बिना आवश्यक मंजूरी के बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कराए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि लंबे समय से निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद अहमदाबाद महानगरपालिका के संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मामले को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से शिकायत दी गई, लेकिन



शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों ने वार्ड निरीक्षक की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि निर्माणकर्ताओं को कथित तौर पर संरक्षण मिल रहा है। हालांकि, अधिकारियों और निर्माणकर्ताओं की मिलीभगत संबंधी आरोपों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नागरिकों का कहना है कि महानगरपालिका छोटे निर्माणों और सामान्य नागरिकों के मामलों में तत्काल कार्रवाई करती है, लेकिन कैलाश एस्टेट में कथित रूप से बड़े स्तर पर निर्माण होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होना दोहरे मापदंड की आशंका पैदा करता है। इससे प्रशासन की निष्पक्षता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अब स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने महानगरपालिका आयुक्त सहित उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनकी मांग है कि शेड नंबर 9 और 10 के स्वीकृत नक्शे, निर्माण अनुमति और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई जाए। यदि निर्माण नियमों के विरुद्ध पाया जाता है तो तत्काल नियमानुसार कार्रवाई हो। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि शिकायतों के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की क्या भूमिका रही है।

## बैंकॉक से पुणे पहुंचे यात्री के पास से 3.72 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पुणे।** पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री के पास से 10.642 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 3.72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हवाई अड्डे पर यात्रियों की जांच के दौरान अधिकारियों को बैंकॉक से आए एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसके बाद उसके सामान की तलाशी ली गई, जिसमें बड़ी मात्रा में हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ। सीमा शुल्क विभाग ने आरोपी भारतीय नागरिक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत कार्रवाई की गई है। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि आरोपी यह नशीला पदार्थ किसे पहुंचाने वाला था और इसके पीछे किसी अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह का हाथ है या नहीं। अधिकारियों की ओर से इस पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई के बाद हवाई मार्ग से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।



## करोड़ों की लागत से बना गुजरात का पहला रबर बाँध खाली, समय पर ब्लैडर नहीं उठाने से बह गया लाखों गैलन पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छोटा उदेपुर/बोडेली।** गुजरात सरकार की करोड़ों रुपये की लागत से तैयार राज्य के पहले रबर बाँध की बदहाल स्थिति सामने आई है। छोटा उदेपुर जिले के बोडेली तालुका के राजवासणा में हेरण नदी पर बना यह बाँध चोमासे के बाद पूरी तरह खाली पड़ा है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते वर्षा ऋतु के दौरान बाँध का रबर ब्लैडर समय पर नहीं उठाया गया, जिससे पानी का विशाल भंडार बहकर निकल गया। जानकारी के अनुसार, बाढ़ नियंत्रण और जल संग्रहण के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक से इस बाँध का निर्माण किया गया था। इसमें विशेष रबर ब्लैडर



लगाए गए हैं, जिन्हें हवा या पानी भरकर ऊपर उठाया जाता है। इससे नदी के पानी को रोककर संग्रहित किया जा सकता है। इस वर्ष नदी में पर्याप्त पानी होने के बावजूद समय पर ब्लैडर नहीं उठाए जाने से लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह गया। इसका खामियाजा आसपास के किसानों और ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों को आगामी रबी और ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई के साथ पेयजल संकट की आशंका सता रही है। मामले को लेकर स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश है। लोगों ने सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जाँच कराने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और अभियंताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद बाँध का खाली रहना सरकारी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

## एसवीपी अस्पताल में चोरी के मामले में रेजिडेंट डॉक्टरों पर कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) संचालित एसवीपी अस्पताल में चोरी के मामले में आखिरकार रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की गई है। इस मामले में अस्पताल के डीन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार, चोरी के मामले में रेजिडेंट डॉक्टरों को छह महीने पहले ही जांच में दोषी पाया गया था, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। इस देरी को लेकर सवाल उठ रहे थे। महानगर मेट्रो की ओर से भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आया। बताया गया है कि दोषी पाए गए रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ कानूनी और विभागीय कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। वहीं, छह महीने तक मामले में कार्रवाई नहीं होने पर एसवीपी अस्पताल के डीन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

**अहमदाबाद की एएमटीएस बीआरटीएस बसों में सक्रिय जेबकतरा गिरोह का पर्दाफाश**

## यात्रियों की भीड़ को बनाते थे हथियार, धक्का-मुक्की कर उड़ाते थे नकदी और कीमती सामान; गिरोह के सदस्य आपस में करते थे गुप्त शब्दों में बातचीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। एएमटीएस और बीआरटीएस बसों में यात्रियों की जेब और सामान पर हाथ साफ करने वाले एक शातिर गिरोह का स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) जोन-5 ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 23 हजार रुपए का सामान बरामद किया है। इस कार्रवाई से अमराईवाड़ी थाने में दर्ज चोरी का एक मामला भी सुलझाया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निकोल निवासी सन्नी उर्फ नारायणभाई दंताणी, कृष्णनगर निवासी करण विजय सिंह कुशवाह और वटवा निवासी आशा उर्फ गुड्डी वाघेला के रूप में हुई है। गिरोह की दो अन्य महिला सदस्य शोभा और रिंकू अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। जांच में गिरोह के चोरी करने का तरीका भी सामने आया है। आरोपी सुबह और शाम के व्यस्त समय में बस स्टैंड और बसों में यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाते थे। गिरोह के पुरुष सदस्य आपस में 'ठेकड़ी' और महिलाएं 'मशीन' जैसे गुप्त शब्दों का इस्तेमाल करती थीं। पुरुष आरोपी जानबूझकर यात्रियों से धक्का-मुक्की करते और उनका ध्यान भटकाते थे। इसी दौरान महिला सदस्य जेब से बटुआ, नकदी और बैग से कीमती सामान निकाल लेती थीं। चोरी का सामान तत्काल दूसरे साथियों को सौंप दिया जाता था, ताकि पकड़े जाने का खतरा कम रहे। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी सन्नी पहले भी नरोडा और बापूनगर थानों में चोरी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। इस घटना



ने शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर सुबह-शाम हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले बस स्टैंडों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं है? क्या बसों और बस स्टैंडों पर निगरानी कैमरे प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं? फरार महिला आरोपियों की गिरफ्तारी कब होगी और इस गिरोह ने अब तक कितने यात्रियों को अपना शिकार बनाया है? पुलिस की जांच से ही इन सवालों के जवाब सामने आ सकेंगे।

## अहमदाबाद में नशे में धुत एक्सिस बैंक मैनेजर ने कार से एक्टिवा को दूर तक घसीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के गुरुकुल चौराहे से दूरदर्शन मेट्रो स्टेशन तक नशे में धुत एक कार चालक एक्टिवा को कार के आगे फंसाकर घसीटता रहा। सड़क पर घर्षण से चिंगारियां निकलती देख राहगीरों और वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पीछा कर कार रुकवाई और चालक को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, वस्त्रापुर क्षेत्र में गुरुकुल चौराहे और दूरदर्शन केंद्र के आसपास एक कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एक्टिवा कार के अगले हिस्से में फंस गया, लेकिन चालक ने कार रोकने के बजाय उसे दौड़ाना जारी रखा। इस दौरान एक्टिवा सड़क पर घिसटता रहा और उससे चिंगारियां निकलने लगीं। राहगीरों और बाइक चालकों ने हिम्मत दिखाते हुए कार का पीछा किया और उसे रुकवा लिया। चालक की पहचान एक्सिस बैंक के मैनेजर मिहिर शर्मा के रूप में हुई है।

## गांधीनगर में अधिकारी को फोन कर बोला 'अमित शाह बोल रहा हूं', दवा लाइसेंस मंजूर कराने का दबाव




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** गुजरात में सरकारी अधिकारियों पर प्रभाव जमाने के लिए नेताओं की पहचान का दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। गांधीनगर स्थित खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन के सहायक आयुक्त एस.एन. गढ़वी को फोन कर एक व्यक्ति ने स्वयं को एलिसब्रिज के विधायक अमित शाह बताकर एक दवा कंपनी का लंबित लाइसेंस जल्द मंजूर करने का दबाव बनाया। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पल्स हेल्थकेयर नामक संस्थान का औषधि निर्माण संबंधी लाइसेंस जल्द जारी करने की मांग की। उसने अधिकारी से देरी का कारण पूछा और बातचीत से संबंधित एक दृश्य भी भेजा। साथ ही दावा किया कि वह पहले भी औषधि निरीक्षक सहित अन्य अधिकारियों से संपर्क कर चुका है। अधिकारी को संदेह होने पर उन्होंने वास्तविक विधायक अमित शाह से संपर्क किया। विधायक ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई फोन नहीं किया और न ही किसी लाइसेंस के लिए सिफारिश की है। इसके बाद पहचान का दुरुपयोग कर अधिकारियों पर दबाव बनाने का मामला सामने आया। इस संबंध में वासणा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। सहायक आयुक्त एस.एन. गढ़वी और अहमदाबाद ग्रामीण क्षेत्र के औषधि निरीक्षक पार्थ सुरेशकुमार पटेल को मामले में गवाह बनाया गया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान और इस तरह की धोखाधड़ी के पीछे सक्रिय अन्य लोगों की भूमिका की जाँच शुरू कर दी है।

## नीलगाय सामने आने से कार नाले की दीवार से टकराई, महिला चिकित्सक की मौत, दूसरा चिकित्सक गंभीर घायल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मेहसाणा/वडनगर।** गुजरात के मेहसाणा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में वडनगर सिविल अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य चिकित्सक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा विसनगर तालुका के लाछड़ी गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, वडनगर सिविल अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ. विश्रुति धानाणी और डॉ. साहिल ओझा गांधीनगर से अपना काम पूरा कर कार से विसनगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लाछड़ी गांव के पास अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कार सड़क किनारे नाले की पक्की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में डॉ. विश्रुति धानाणी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डॉ. साहिल ओझा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल चिकित्सक को तत्काल वडनगर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जाँच शुरू कर दी है।

## वडोदरा में पीआई किरीट लाठिया के खिलाफ अदालत सख्त, कानूनी कार्रवाई और जांच के आदेश से पुलिस महकमे में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वडोदरा।** गुजरात के वडोदरा में पुलिस अधिकारी पीआई किरीट लाठिया से जुड़े एक विवादित मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। मामले में सामने आए आरोपों और कानूनी पहलुओं पर सुनवाई के बाद अदालत ने उनके खिलाफ नियमानुसार जांच और कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इस आदेश के बाद पुलिस महकमे और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पीआई किरीट लाठिया पर पद का दुरुपयोग करने, अधिकारों की सीमाओं का उल्लंघन करने और संबंधित मामले में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामला अदालत पहुंचने के बाद दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार किया गया। इसके बाद अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। अदालत के इस रुख ने एक बार फिर पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही और कानून के पालन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अदालत का स्पष्ट संदेश है कि कानून सभी के लिए समान है और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। अब अदालत के आदेश के बाद पुलिस विभाग और उच्च अधिकारियों की भूमिका पर नजर रहेगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मामले की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और आरोपों के संबंध में क्या तथ्य सामने आते हैं। फिलहाल, पीआई किरीट लाठिया के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।




## वालोद की शुगर फैक्ट्री में भीषण हादसा: गर्म पानी की विशाल टंकी धराशायी, मलबे में दबने से दो कर्मचारियों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**तापी/वालोद।** गुजरात के तापी जिले में वालोद तालुका के पास स्थित दादरिया कोपर शुगर फैक्ट्री में गंभीर औद्योगिक हादसा हो गया। फैक्ट्री में गर्म पानी की विशाल कंडेनसेट टंकी अचानक ढह गई। हादसे में मलबे के नीचे दबने और गर्म पानी की चपेट में आने से दो कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में रोजाना की तरह कामकाज चल रहा था। इसी दौरान प्रसंस्करण कार्य में इस्तेमाल होने वाली गर्म पानी की विशाल टंकी अचानक तेज धमाके के साथ धराशायी हो गई। टंकी में भरा हजारों लीटर गर्म पानी आसपास फैल गया। वहीं, टंकी का भारी लोहे और सीमेंट का मलबा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर पड़ा। इसकी चपेट में आने से दो कर्मचारी मलबे में दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर दोनों कर्मचारियों के शव बाहर निकाले गए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे ने फैक्ट्री में कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था और औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच का विषय है कि टंकी का नियमित रखरखाव और सुरक्षा ऑडिट किया जा रहा था या नहीं। औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग (डीआईएसएच) की जांच में हादसे के वास्तविक कारणों और संभावित लापरवाही का पता चल सकेगा। यदि जांच में किसी की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है।

## युवा संगम फेज-7: तमिलनाडु के 53 विद्यार्थियों ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान

महानगर मेट्रो ब्यूरो





**नई दिल्ली।** युवा संगम फेज-7 कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु से आए 53 विद्यार्थियों और पांच संकाय समन्वयकों के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दिल्ली विश्वविद्यालय के युवा संगम फेज-7 के नोडल अधिकारी प्रो. के.पी. सिंह ने किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने युवा संगम को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने इसके पांच प्रमुख आयामों पर्यटन, परंपरा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनके माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर मिलता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भ्रामक सूचनाओं और दुष्प्रचार से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जिम्मेदार नागरिकता के मूल्यों को अपनाने तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने भारत की गौरवशाली सभ्यतागत विरासत पर गर्व करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा दी। मुलाकात के दौरान उपराष्ट्रपति ने प्रत्येक विद्यार्थी को सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित तमिल भाषा में अनूदित पुस्तक और चॉकलेट भेंट की। उनके इस आत्मीय व्यवहार से विद्यार्थी काफी उत्साहित और अभिभूत नजर आए। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ 'नशे को ना कहें' की शपथ भी ली और युवाओं से नशामुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय की युवा संगम फेज-7 कोर टीम की सदस्य प्रो. चारु कालरा ने किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. बलराम पाणि, एआईसीटीई की सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ, शिक्षा मंत्रालय के उप सचिव श्रेयांश मोहन और एआईसीटीई के निदेशक नरेश कुमार ग्रोवर सहित अनेक शिक्षाविद्, महाविद्यालयों के प्राचार्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## वटवा आवास योजना में गंदगी का अंबार, सफाई के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप; चुनाव में नेताओं को चप्पलों की माला पहनाने की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** गुजरात में स्वच्छ भारत और स्वच्छ गुजरात अभियान के दावों के बीच अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र की आवास योजना में सफाई व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। सद्भावना नगर स्थित ब्लॉक नंबर 19, जोगणी माताजी मंदिर के पास, टंकशाल के सामने और वटवा पुलिस चौकी के पीछे कचरे के ढेर लगे हैं। नालियां जाम होने और गंदा पानी जमा रहने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि गंदगी के कारण बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के अधिकारियों और सफाई ठेकेदारों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सफाई और कचरा निस्तारण को लेकर वटवा वार्ड कार्यालय में कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय पार्षदों और विधायक से भी शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। रहवासियों ने आरोप लगाया कि सफाई कार्य किए बिना ही उनसे जबरन हस्ताक्षर करवाए जाते हैं कि काम पूरा हो चुका है। इससे अधिकारियों के रिकॉर्ड में सफाई कार्य पूरा दिखाकर भुगतान कराने की आशंका है। लोगों का कहना है कि जब वे सफाई के बारे में कर्मचारियों से सवाल करते हैं तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि यह क्षेत्र उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता। बदहाल सफाई व्यवस्था से नाराज लोगों ने नगर निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते गंदगी नहीं हटाई गई और बीमारी फैलने की स्थिति बनी तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों की होगी। रहवासियों ने कहा कि चुनाव के समय वोट मांगने आने वाले नेताओं का भी विरोध किया जाएगा। यदि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो नेताओं को फूलों की माला के बजाय चप्पलों की माला पहनाकर विरोध जताया जाएगा। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से तत्काल सफाई अभियान चलाने, नालियों की सफाई कराने और कथित फर्जी हस्ताक्षरों के आरोपों की जांच कराने की मांग की है।

## कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल डिब्बों में लगी भीषण आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**राजपुरा (पंजाब)।** अमृतसर जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पंजाब के राजपुरा के पास ट्रेन के चार जनरल डिब्बों में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और डिब्बों से धुएं के घने गुबार उठने लगे। घटना के बाद यात्रियों में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। जानकारी के अनुसार, आग लगने के समय जनरल डिब्बे यात्रियों से खचाखच भरे हुए थे। अचानक डिब्बों में धुआं भरने से यात्रियों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। घबराए यात्रियों ने जान बचाने के लिए चलती ट्रेन से नीचे छलांग लगानी शुरू कर दी। इस दौरान पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, इस भीषण हादसे में किसी यात्री की मौत नहीं हुई और न ही किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। सभी यात्रियों के सुरक्षित बच निकलने से रेलवे प्रशासन ने राहत की सांस ली। रेलवे विभाग ने आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के चलते इस मार्ग पर रेल यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। अधिकारियों की ओर से घटना की तकनीकी जांच कराई जा रही है।

## सूरत का 17 करोड़ का एक्वेरियम अढ़ाई साल से बंद, अंदर तैर रही मछलियां लेकिन जनता की एंट्री पर रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** शहर के पाल इलाके में स्थित जगदीशचंद्र बोस एक्वेरियम पिछले करीब ढाई साल से आम लोगों और पर्यटकों के लिए बंद पड़ा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटित इस एक्वेरियम के निर्माण पर करीब 17 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। हैरानी की बात यह है कि एक्वेरियम के भीतर मछलियां मौजूद हैं, लेकिन उन्हें देखने के लिए आम जनता को प्रवेश की अनुमति नहीं है। सूरत महानगरपालिका की इस व्यवस्था पर अब सवाल उठने लगे हैं। एक ओर पर्यटकों के लिए एक्वेरियम के दरवाजे लंबे समय से बंद हैं, वहीं दूसरी ओर इसके रखरखाव और देखभाल के लिए मुंबई की एक निजी कंपनी को हर साल करीब 1.06 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। ऐसे में बंद पड़ी सुविधा पर लगातार हो रहे खर्च को लेकर करदाताओं में नाराजगी है। एक्वेरियम की शुरुआत के समय इसे सूरत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने की योजना बनाई गई थी। यहां देश-विदेश की दुर्लभ मछलियों, शार्क टैंक और समुद्री जीवों को प्रदर्शित किया गया था। इसका उद्देश्य शहरवासियों और पर्यटकों को समुद्री दुनिया से परिचित कराना था। हालांकि, समय के साथ मरम्मत और तकनीकी खामियों के चलते इसे बंद कर दिया गया। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों का कहना है कि वे एक्वेरियम देखने पहुंचते हैं, लेकिन बंद दरवाजों से निराश होकर लौटना पड़ता है। लोगों ने सवाल उठाया है कि जब जनता को सुविधा का लाभ ही नहीं मिल रहा तो हर साल 1.06 करोड़ रुपये का भुगतान किस आधार पर किया जा रहा है? नागरिकों ने महानगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि एक्वेरियम को जल्द से जल्द आम जनता के लिए खोला जाए। यदि इसे खोलना संभव नहीं है तो इसके रखरखाव पर होने वाले खर्च और निजी कंपनी के साथ हुए अनुबंध की समीक्षा की जाए। साथ ही लंबे समय से बंद रहने के कारणों और जिम्मेदारी तय करने के लिए पूरे मामले की जांच कराई जाए।

## ग्रामीणजनों की मुलभुत समस्याओ के शिकायत पर सुश्री राधा मालवीय



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागदा।** पूर्व विधायक दिलीप सिह गुर्जर के नेतृत्व में सुश्री राधा मालवीय जिला पंचायत सदस्य ने अपने जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत निपनिया के ग्राम भीमपुरा में गुरुवार को पहुँचकर ग्रामीणजनों की मुलभुत समस्याओं के निराकरण हेतु खाचरोद से पीसीओ किशन लाल राठौर, सचिव इन्दुबाला सोनगरा, सहायक सचिव किशोर सेन की उपस्थिती सुनिश्चित कर ग्रामीण माताओ बहनों के समस्याओ के निराकरण हेतु चौपाल लगाकर समस्याओ का निराकरण कर स्वयं राधा मालवीय ने समस्याओ को नोटकर सम्बन्धित शाखा व् विभाग से चर्चा कर निराकरण के लिए फॉरवर्ड की गयी जिसमे खास कर पात्र परिवार किसान सम्मान निधि से 2-2 वर्ष से किसानो के खातो में राशी नही मिलने से कई किसानो को योजना का लाभा नही मिल पा रहा है व् आवास योजना के हितग्राही को 1-1 वर्ष तक मजदूरी का भुगतान नही मिलने की बात सामने आई है व स्वच्छ भारत मिशन में निर्माण शौचालय की राशी नही मिली व् कई परिवार शौचालय निर्माण हेतु राशी की मांग की साथ ही पेंशन के पात्र परिवार बी पीएल नही होने से पेंशन योजना का लाभ नही मिला व् आवास हितग्राही को शहर के मुताबिक ग्रामीणों को ढाई लाख रु. आवास राशी नही मिलने से परिवार का क्रोध भी सामने आया व् किसानो को कृषि सिचाई हेतु आवश्यकतानुसार अस्थाई कनेक्शन एक माह, दो माह तीन माह के कनेक्शन नही मिलने से बिजली विभाग के प्रति ग्रामीणजनों ने नाराजगी जताई व कई पात्र परिवार कल्याणी पेंशन, व् खा?द्यान्न योजना, दिव्यांग ऐसे कई परिवार दस्तावेज के अभाव में योजना से वंचित है उपस्थित उपसरपंच रामेश्वर गुर्जर, मंजू गुर्जर, दशरथ बामनिया, बाम बापूसिह गुर्जर, हीरालाल जी जितेन्द्र, संतोष यादव, मदनचन्द्रवंशी. इंदु चंद्रवंशी प्रकाश बामनिया व कई ग्रामीणजन मोजद थे।

## अहमदाबाद में दिवाली से पहले शराब तस्करी का भंडाफोड़, 4.65 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** दिवाली और नए साल के त्योहारों से पहले अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नरोली कैनाल रोड स्थित एक मकान पर छापा मारकर 4.65 लाख रुपए से अधिक का शराब और बीयर का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि शराब की आपूर्ति करने वाले रामोल निवासी एक अन्य व्यक्ति को वांछित घोषित किया है। पुलिस के अनुसार, 5 नवंबर को क्राइम ब्रांच की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नरोली कैनाल रोड स्थित एक मकान में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर टीम ने मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान प्लास्टिक की थैलियों और गत्ते के डिब्बों में छिपाकर रखी गई भारतीय निर्मित विदेशी शराब की 2,145 बोतलें और बीयर के 144 टिन बरामद हुए। पुलिस ने 4.29 लाख रुपए कीमत की शराब, 31,680 रुपए की बीयर और एक मोबाइल फोन सहित कुल 4,65,680 रुपए का सामान जब्त किया है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि शराब का यह जखीरा रामोल निवासी एक व्यक्ति ने उपलब्ध कराया था।

## दिवाली की भीड़ को लेकर अहमदाबाद एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो




**अहमदाबाद।** दीपावली के त्योहार और खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय (एसवीपीआई) एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। त्योहारों के दौरान हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ने और शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव रहने की संभावना को देखते हुए यात्रियों को निर्धारित समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि जल्दबाजी और लंबी कतारों के कारण उनकी उड़ान न छूटे। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार दीपावली के दौरान यात्रियों की आवाजाही में बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में चेक-इन, बोर्डिंग और सुरक्षा जांच जैसी उड़ान से पहले की जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा करने में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम समय पर एयरपोर्ट पहुंचने से बचें और सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए पर्याप्त समय लेकर घर से निकलें। दीपावली के मद्देनजर अहमदाबाद के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग निकल रहे हैं। खासकर व्यस्त समय में प्रमुख सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ने और जाम की स्थिति बनने की आशंका है। इसका असर एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में यात्रियों को घर से निकलने से पहले सड़क यातायात की स्थिति का आकलन करने और यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखने की सलाह दी गई है। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपनी संबंधित एयरलाइन के संपर्क में रहने और उड़ान के समय, कार्यक्रम तथा अन्य जरूरी बदलावों की ताजा जानकारी लेते रहने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि यात्रियों के सहयोग से सुरक्षा जांच और अन्य प्रक्रियाओं को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी। त्योहारों के इस व्यस्त समय में यात्रियों के लिए बेहतर होगा कि वे यात्रा की योजना पहले से बनाएं, समय से एयरपोर्ट पहुंचें और उड़ान से जुड़ी सूचनाओं पर नजर रखें, ताकि दीपावली के दौरान उनकी हवाई यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो सके।

## सिरोही में चार खेतों से 1,548 किलो गांजे के पौधे जब्त, दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सिरोही।** जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पिंडवाड़ा और रोहिड़ा पुलिस ने चार खेतों से गांजे के 1,548.484 किलोग्राम पौधे जब्त किए हैं। पुलिस ने खेतों के दो मालिकों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय सिंह राठौड़ के निर्देश पर ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

## आबूरोड में ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आबूरोड।** क्षेत्र के मोरथला में 28 अक्टूबर की रात ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में गंभीर घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक का गुजरात के पालनपुर में उपचार चल रहा था। हादसे में एक अन्य युवक भी घायल हुआ था। जानकारी के अनुसार, मोरथला के एक मोड़ पर ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो गई थी। हादसे में नरेश कुमार पुत्र जयतीलाल भील और अजय कुमार पुत्र भग्गू भील गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन नरेश कुमार को बेहतर उपचार के लिए पालनपुर ले गए थे, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। नरेश कुमार विवाहित थे और उनके एक बेटा तथा दो बेटियां हैं। वह एक कारखाने में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।



## भीनमाल में बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था बेहाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भीनमाल।** शहर में नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या बढ़ती जा रही है। प्रमुख चौराहों और मार्गों पर वाहन खड़े रहने से यातायात बाधित हो रहा है। इससे वाहन चालकों के साथ राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के माघ चौक पर नगरपालिका की ओर से पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद वाहन चालक निर्धारित स्थान पर वाहन खड़े नहीं कर रहे हैं। नगरपालिका कार्यालय के सामने दुकानदारों द्वारा सड़क के आधे हिस्से पर तंबू लगाकर अतिक्रमण किए जाने की भी शिकायत है। वहीं, खारी रोड पर भारतीय स्टेट बैंक के सामने बेतरतीब पार्किंग से पैदल राहगीरों को परेशानी हो रही है। महावीर चौराहे से उच्च माध्यमिक विद्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर भी प्रतिदिन यातायात बाधित रहता है। शहरवासियों ने व्यवस्था सुधारने की मांग की है। इस संबंध में नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी रवि कुमार खन्ना ने बताया कि पार्किंग की व्यवस्था की गई है। हाथ ठेलों, ठेलों और अन्य अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।



## जालोर में 10 रुपए के नए नोटों की गड्डियां लेने उमड़ी लोगों की भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** दीपावली और धनतेरस के मद्देनजर शहर के कचहरी रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक में शुक्रवार को 10 रुपए के नए नोटों का वितरण किया गया। नए नोट लेने के लिए सुबह 10 बजे से ही बैंक परिसर में शहरवासियों की कतारें लग गईं। बैंक प्रबंधक मुकेश सुन्देशा ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार प्रत्येक व्यक्ति को 10 रुपए के नोटों की एक हजार रुपए की नई गड्डी उपलब्ध करवाई जा रही है। एक व्यक्ति को केवल एक ही गड्डी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि फिलहाल शुक्रवार को एक दिन के लिए यह व्यवस्था की गई है। भविष्य में नए नोटों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने पर दोबारा वितरण किया जाएगा। दीपावली पर पूजा-पाठ और अन्य शुभ कार्यों में नए नोटों के उपयोग की परंपरा के चलते लोगों में इन्हें प्राप्त करने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग बैंक पहुंचकर नए नोटों की गड्डियां लेते नजर आए।



## शिवप्रतापसिंह की पत्नी उमा कुमारी को 189 मतों से मिली हार, शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रही शारदा को मिले 650 वोट




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** जिले की भैंसवाड़ा ग्राम पंचायत में सरपंच पद के चुनाव में शारदा कुमारी राणा ने जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया। उन्होंने करोड़ों की संपत्ति वाली प्रत्याशी उमा कुमारी को 189 मतों से पराजित किया। शारदा को 650, जबकि उमा कुमारी को 461 मत मिले। सरपंच पद के लिए 11 महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबला था। 30 अक्टूबर को हुए मतदान में कुल 4,159 मतों में से 2,671 मत डाले गए। इनमें 107 मत खारिज हुए और 13 मत नोटा को मिले। इस प्रकार 2,564 मत वैध रहे। शारदा कुमारी राणा स्नातक और बीएड डिग्रीधारी हैं। पूर्व में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में चयन की संभावना बनी थी, लेकिन भर्ती निरस्त होने से उनका शिक्षक बनने का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद उन्होंने सिलाई का काम शुरू किया और साथ ही सरकारी नौकरी की तैयारी जारी रखी। वहीं, उमा कुमारी पूर्व मंत्री माधोसिंह के पौत्र शिवप्रतापसिंह की पत्नी हैं। उनके पति वर्ष 2015 में भैंसवाड़ा के सरपंच रह चुके हैं। चुनावी शपथ पत्र के अनुसार उमा कुमारी की कुल संपत्ति 6 करोड़ 56 लाख 34 हजार 596 रुपए है। वह भैंसवाड़ा रावला हेरिटेज की मालकिन भी हैं। उल्लेखनीय है कि माधोसिंह वर्ष 1957 और 1967 में आहोर से विधायक चुने गए थे तथा तत्कालीन सरकार में निर्माण विभाग के मंत्री रहे थे।

# राजस्थान पंचायत चुनाव में नतीजों के बाद बवालः कहीं पथराव आगजनी तो कहीं पुलिस पर हमला, तीन जिलों में तनाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव के तीसरे चरण के तहत शुक्रवार को उपसरपंच पदों के लिए मतदान हो रहा है, लेकिन इससे पहले गुरुवार को 3716 ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच पदों के लिए हुए मतदान की मतगणना के बाद कई इलाकों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। चुनाव परिणाम घोषित होते ही कुछ स्थानों पर हार से नाराज प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। उदयपुर, कोटपूतली-बहरोड़ और झुंझुनूं में विवाद इतना बढ़ा कि कहीं मतगणना स्थल पर पथराव और आगजनी हुई तो कहीं पुलिस तथा मतदान दल को निशाना बनाया गया। कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई और हालात संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा।

### उदयपुर के नवाघरा में पथराव के बाद आगजनी, वाहनों में तोड़फोड़

उदयपुर जिले की नवाघरा ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव का परिणाम घोषित होने के बाद स्थिति बिगड़ गई। हारे हुए प्रत्याशी के समर्थक मतगणना स्थल पर पहुंच गए और विरोध करते हुए पथराव शुरू कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने आगजनी करने के साथ वहां खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलते ही बावलवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया, वहीं आग पर काबू पाने के लिए दमकल को बुलाया गया। पुलिस की कार्रवाई के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका।

### गूगलकोटा में रात दो बजे तक चला विवाद, 12 लोग हिरासत में

कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नीमराना पंचायत समिति की गूगलकोटा ग्राम पंचायत में भी सरपंच चुनाव के परिणाम को लेकर गुरुवार देर रात विवाद हो गया। रात करीब दो बजे हारे हुए प्रत्याशी के समर्थकों ने पोलिंग पार्टी और पुलिस पर पथराव कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 12 लोगों को हिरासत में लिया। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

### रामपुरा में परिणाम पर सवाल उठाकर प्रदर्शन, सुबह बुलाया अतिरिक्त जाब्ता



झुंझुनूं जिले की रामपुरा ग्राम पंचायत में भी सरपंच चुनाव के नतीजे को लेकर विवाद सामने आया। हारे हुए प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने मतगणना परिणाम पर सवाल उठाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। तनाव बढ़ने पर प्रदर्शनकारी वहां से चले गए, लेकिन घटना की गंभीरता को देखते हुए सुबह करीब चार बजे अतिरिक्त पुलिस जाब्ता मौके पर बुलाया गया।

### कई राजनीतिक परिवारों में भी चुनावी नतीजों से बदले समीकरण

पंचायत चुनाव के परिणामों में कई राजनीतिक परिवारों से जुड़े प्रत्याशियों को भी हार और जीत का सामना करना पड़ा। उदयपुर के खेरवाड़ा से कांग्रेस विधायक दयाराम परमार की भाभी कमला परमार सरपंच का चुनाव हार गईं। सलूंबर से भाजपा विधायक शांता मीणा के बेटे को भी चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। वहीं चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की चाची टम्मा कंवर सरपंच का चुनाव जीत गईं। दूसरी ओर टोंक जिले के देवली में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के मीडिया सलाहकार महेंद्र भारद्वाज की पत्नी ने सरपंच पद का चुनाव जीत लिया। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री के भाई की पत्नी को पराजित किया। ग्राम पंचायतों में हुए चुनाव के बाद सामने आई घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी प्रतिस्पर्धा और परिणामों को लेकर उपजे तनाव को उजागर किया है। मतगणना के बाद विवाद, पथराव और आगजनी जैसी घटनाओं ने प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती खड़ी कर दी है। अब तीसरे चरण में उपसरपंचों के चुनाव के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में शांति बनाए रखना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण होगा।

## धनतेरस पर खरीदारी की चमक के बीच सड़कों पर अव्यवस्था, मंदिरों के बाहर लगा लंबा जाम; आमजन परेशान

### मोती डूंगरी गणेश मंदिर के बाहर नई गाड़ियों की पूजा के लिए उमड़ी भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** धनतेरस के साथ छह दिवसीय दीपोत्सव का आगाज हो गया है। त्योहार के पहले दिन बाजारों में खरीदारी की रौनक और नई वस्तुएं खरीदने का उत्साह तो नजर आया, लेकिन इस उत्साह के बीच यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की चुनौतियां भी सामने आईं। जयपुर के प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर के बाहर नई गाड़ियों की पूजा कराने पहुंचे लोगों की भारी भीड़ के चलते करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही मंदिर के बाहर नई गाड़ियों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, वाहनों की संख्या बढ़ती गई और दोपहर तक स्थिति ऐसी हो गई कि आसपास के रास्तों पर यातायात प्रभावित होने लगा। दीपावली पर नई गाड़ी खरीदकर पूजा कराने की परंपरा के चलते बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे, लेकिन इतनी भीड़ के बीच यातायात प्रबंधन की कमी साफ दिखाई दी। प्रदेश के अन्य शहरों में भी धनतेरस पर खरीदारी का उत्साह देखने को मिला। बीकानेर जिले के नोखा में एक ही दिन में 325 मोटरसाइकिलों की बिक्री हुई। जोधपुर में चांदी के हाथी, उल्लू, मछली और छिपकली जैसी विशेष वस्तुओं की खरीदारी को लेकर लोगों में आकर्षण रहा। चित्तौड़गढ़ और पाली सहित कई जिलों में परंपरागत रूप से मिट्टी पूजन किया गया। हालांकि, त्योहार की रौनक के बीच बढ़ती भीड़ ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर यातायात प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था की जरूरत उजागर कर दी है। धार्मिक स्थलों के बाहर वाहनों की कतारें और सड़कों पर जाम आमजन के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। ऐसे में प्रशासन को शेष दीपोत्सव के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था करनी होगी, ताकि श्रद्धालुओं और खरीदारी करने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानियों से न जूझना पड़े।




## जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने रोडवेज चालक से की मारपीट, दो घंटे तक कमरे में बंद रखने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** सिंधी कैंप बस स्टैंड पर शुक्रवार सुबह रोडवेज बस चालक और ट्रैफिक इंस्पेक्टर के बीच विवाद हो गया। चालक ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर लोकेश चौधरी पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने बस के केबिन में घुसकर चालक सतवीर डागुर (57) का गिरेबान पकड़ लिया और धक्का-मुक्की करते हुए थप्पड़ मार दिया। इसके बाद उसे ड्यूटी रूम में ले जाकर करीब दो घंटे तक बंद रखा और मारपीट की। सतवीर डागुर ने बताया कि वह गुरुवार शाम 7 बजे भरतपुर से जयपुर के लिए रवाना हुआ था और रात करीब 11 बजे जयपुर पहुंचा। शुक्रवार सुबह 7:10 बजे उसकी जयपुर से आगरा के लिए ड्यूटी थी। बस का टायर पंचर होने के कारण वह उसे ठीक कराने ले जा रहा था। इसी दौरान ट्रैफिक इंस्पेक्टर आगरा जाने वाली 20 से 30 सवारियों को बस में बैठाने के लिए गाड़ी के सामने खड़ा हो गया। चालक के अनुसार, इंस्पेक्टर ने बस पर मुक्के मारे और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने बताया कि इंस्पेक्टर ने लोअर और टी-शर्ट पहन रखी थी, इसलिए वह उसे पहचान नहीं पाया। चालक का आरोप है कि इसके बाद ट्रैफिक इंस्पेक्टर बस के केबिन में पहुंच गया और उसका गिरेबान पकड़कर धक्का-मुक्की करने लगा। बस से नीचे उतरते समय उसे थप्पड़ भी मारा गया। सतवीर ने बताया कि उसने इंस्पेक्टर को बस का टायर पंचर होने और उसे ठीक कराने ले जाने की बात कही, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद उसे पकड़कर ड्यूटी रूम में ले जाया गया और सुबह करीब 9 बजे तक बंद रखा गया। इस दौरान उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। चालक ने बस कंडक्टर के साथ भी अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद चालक ने बस का टायर ठीक कराया और सुबह करीब 11:30 बजे सवारियों को लेकर भरतपुर के लिए रवाना हुआ। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर लोकेश चौधरी ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 6:10 बजे वह ड्यूटी अधिकारी के साथ बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। प्लेटफॉर्म नंबर एक का निरीक्षण करने के बाद जब वह बाहर आए तो कुछ यात्री बस में बैठने के लिए दौड़ रहे थे। लोकेश चौधरी के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने बस चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने बस नहीं रोकी और उसकी गति बढ़ा दी। उन्हें बस की चपेट में आने से बचने के लिए तत्काल किनारे हटना पड़ा। उन्होंने बताया कि बस रुकवाने के बाद चालक को नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं उतरा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। चालक ने यह भी कहा कि वह कौन होते हैं गाड़ी रुकवाने वाले। इसके बाद वह बस के केबिन में गए और चालक को नीचे उतरने के लिए कहा। इंस्पेक्टर ने कहा कि अचानक पैदा हुई स्थिति और अपनी सुरक्षा को लेकर डर के कारण ऐसा हुआ। घटना को लेकर कर्मचारी फेडरेशन ने विरोध जताया है। फेडरेशन के महामंत्री सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि निगम अधिकारियों द्वारा एक चालक के साथ मारपीट करना गलत है। फेडरेशन इसकी निंदा करता है और निगम प्रबंधन से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करता है।



## वार्ड 17 की बदहाल सुविधाओं को लेकर वार्ड पंच ने उठाई आवाज, विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आबूरोड।** ग्राम पंचायत सांतपुर के वार्ड 17 में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर वार्ड पंच परवीन बानू पठान ने ग्राम विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने वार्ड में आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाने और आमजन को राहत देने की मांग की। ज्ञापन में वार्ड की नालियों की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वार्ड पंच ने बताया कि कई स्थानों पर अब तक नालियों का निर्माण नहीं हुआ है, वहीं पुरानी नालियां भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इसके कारण जल निकासी में परेशानी होती है और स्थानीय निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधूरी नालियों का निर्माण करवाने के साथ क्षतिग्रस्त नालियों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की। इसके अलावा वार्ड की मुख्य सड़क पर वाहनों की तेज आवाजाही और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक बनाने का आग्रह किया गया। वार्ड में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तथा जरूरत के अनुसार नई सड़कों का निर्माण करवाने की मांग भी रखी गई। वार्ड पंच ने सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख रास्तों पर पर्याप्त रोशनी के लिए मार्ग प्रकाश व्यवस्था सुधारने पर भी जोर दिया। साथ ही नालियों के ऊपर आवागमन के लिए उचित क्रॉसिंग बनाने और मजबूत फर्शी आवरण लगाने की मांग की, ताकि लोगों को आने-जाने में परेशानी न हो। उन्होंने ग्राम विकास अधिकारी से सभी समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर विकास कार्य जल्द शुरू करवाने का आग्रह किया, जिससे वार्डवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।



## जालम सिंह हत्याकांडः आरोपी चनणाराम को हाईकोर्ट से नहीं मिली अंतरिम जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सांचौर।** बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी चनणाराम विश्नोई को राजस्थान हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत नहीं मिली। आरोपी ने अपने बेटे की शादी में शामिल होने के लिए एक महीने की अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन परिवादी पक्ष की दलीलों के बाद अदालत ने प्रार्थना-पत्र खारिज कर दिया। आरोपी की ओर से पेश प्रार्थना-पत्र में बताया गया कि उसके पुत्र कुलदीप का विवाह समारोह 14 से 28 जून 2026 तक निर्धारित था। आरोपी के पिता का निधन हो चुका है। ऐसे में विवाह की विभिन्न रस्मों को निभाने के लिए उसकी उपस्थिति आवश्यक बताई गई थी। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। वहीं, परिवादी अनोप सिंह की ओर से अधिवक्ता निखिल भंडारी ने पैरवी करते हुए अदालत को बताया कि विवाह समारोह की निर्धारित तारीखें जून 2026 में ही समाप्त हो चुकी हैं। ऐसे में अब अंतरिम जमानत देने का कोई औचित्य नहीं है। परिवादी पक्ष की दलीलों से सहमत होते हुए न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने आरोपी का अंतरिम जमानत प्रार्थना-पत्र खारिज कर दिया। मामले में जालम सिंह की हत्या के बाद पुलिस ने भागीरथ विश्नोई, चनणाराम विश्नोई सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस आरोप-पत्र पेश कर चुकी है और प्रकरण सांचौर के अपर सेशन न्यायालय में विचाराधीन है।



## आवां सरपंच चुनाव में शोभा भारद्वाज की जीत, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी के भाई की पत्नी हारीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**टोंक।** जिले की चर्चित आवां ग्राम पंचायत के सरपंच चुनाव में शोभा भारद्वाज ने जीत दर्ज की है। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा नेता प्रभुलाल सैनी के छोटे भाई गोवर्धन सैनी की पत्नी मंजू सैनी को 124 मतों से पराजित किया। इस जीत के साथ शोभा भारद्वाज दूसरी बार आवां ग्राम पंचायत की सरपंच बनी हैं। उनकी जीत से भारद्वाज परिवार की इस ग्राम पंचायत में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक पकड़ भी बरकरार रही है। शोभा भारद्वाज पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के मीडिया सलाहकार महेंद्र भारद्वाज की पत्नी हैं। चुनाव में उन्हें कुल 1,440 मत मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी मंजू सैनी को 1,326 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा प्रत्याशी उमेश सोनी को 298 मत मिले, जबकि चौथे प्रत्याशी के खाते में 95 मत आए। आवां ग्राम पंचायत में कुल 4,099 मतदाता हैं। आवां ग्राम पंचायत में भारद्वाज परिवार की राजनीतिक उपस्थिति लंबे समय से रही है। महेंद्र भारद्वाज वर्ष 2000 से 2005 तक सरपंच रहे थे। इसके बाद उनकी पत्नी शोभा भारद्वाज ने वर्ष 2005 से 2010 तक ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2020 में महेंद्र भारद्वाज के बेटे दिव्यांश एम. भारद्वाज भी इसी ग्राम पंचायत के सरपंच चुने गए थे। अब शोभा भारद्वाज ने दोबारा जीत हासिल कर परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया है। इस बार का चुनाव इसलिए भी चर्चा में रहा, क्योंकि मैदान में पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी के छोटे भाई की पत्नी मंजू सैनी भी थीं। राजनीतिक रूप से चर्चित इस मुकाबले में शोभा भारद्वाज ने मतों के अंतर से जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम के बाद आवां ग्राम पंचायत में भारद्वाज परिवार की वापसी और स्थानीय राजनीति में इसके प्रभाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है।



# धनतेरस: शेयर मार्केट में ऐतिहासिक उछाल और सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

दिवाली के दीये जलने से पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था और फाइनेंशियल मार्केट से एक के बाद एक ऐसी सुनहरी खबरें सामने आई हैं, जिससे देश भर के निवेशकों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता, महंगाई का दबाव और मंदी के काले बादलों के बीच भारतीय बाजार ने अपनी आर्थिक मजबूती का ऐसा सबूत दिया है कि दुनिया भर के अर्थशास्त्री भी हैरान हैं। एक तरफ सेंसेक्स 8 महीने के लंबे गैप के बाद 80,000 के ऐतिहासिक लेवल को पार कर गया है, वहीं दूसरी तरफ धनतेरस के शुभ मौके पर सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट ने आम उपभोक्ताओं की दिवाली को बेहतर बना दिया है। यह दोहरी खुशखबरी सिर्फ आंकड़ों की चमक नहीं है, बल्कि भारत के मजबूत आर्थिक फंडामेंटल्स का सबूत है। ग्लोबल मंदी के बीच भारतीय शेयर बाजार में तेज़ी



**पवन माकन**
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ऐसे समय में जब अमेरिका, जापान, यूरोप और साउथ कोरिया जैसे बड़े डेवलप्ड देशों के शेयर बाजार 5 परसेंट से ज़्यादा की तेज़ी से गिर रहे हैं और इन्वेस्टर्स को अरबों का नुकसान हो रहा है, भारतीय शेयर बाजार में इसकी तुलना में तेज़ी का तूफ़ान आया है। पिछले सिर्फ़ 7 दिनों के छोटे से समय में, भारतीय बाजार ने 8 परसेंट से ज़्यादा की शानदार तेज़ी दर्ज करके ग्लोबल इन्वेस्टर्स का ध्यान खींचा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स एक बार फिर 700 से ज़्यादा पॉइंट्स की तेज़ उछाल के साथ 80,000 के साइकोलॉजिकल और बेहद ज़रूरी लेवल को पार कर गया है। यह तेज़ी साबित करती है कि ग्लोबल उतार-चढ़ाव के बावजूद, विदेशी और घरेलू इन्वेस्टर्स का भारतीय अर्थव्यवस्था पर अटूट भरोसा है। मज़बूत कॉर्पोरेट नतीजों, देश में बढ़ती डिमांड और फाइनेंशियल डिसिप्लिन की वजह से भारतीय शेयर बाजार ग्लोबल मंदी के तूफ़ान के सामने एक मज़बूत दीवार की तरह खड़ा है। धनतेरस पर सोने-चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट: मिडिल क्लास के लिए बड़ी राहत

शेयर बाजार में इस तेजी के बीच, त्योहारों के मौसम में खरीदने के लिए उत्सुक आम आदमी के लिए सोने-चांदी के मोर्चे से बहुत सुकून देने वाली और खुशी की खबर है। आमतौर पर धनतेरस और दिवाली जैसे त्योहारों पर सोने-चांदी की डिमांड बढ़ने से इसकी कीमतें आसमान छू जाती हैं, लेकिन इस साल बाजार का ट्रेंड बिल्कुल उल्टा रहा है। धनतेरस के शुभ मौके पर सोने की कीमत 3,106 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 1.41 लाख रुपये पर आ गई है।

चांदी की कीमतों में और भी चौंकाने वाली गिरावट देखी गई है। प्रति किलोग्राम चांदी की कीमत 5,437 रुपये की भारी गिरावट के साथ 1.81 लाख रुपये पर आ गई है। खास बात यह है कि इस साल चांदी की कीमतों में अब तक करीब 49,000 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की गई है। कीमती धातुओं में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब पूरे देश में शादियों का सीजन शुरू हो रहा है और मिडिल क्लास और आम परिवारों के लोग सोना-चांदी खरीदने के लिए बाजारों में आ रहे हैं। कीमतों में गिरावट से कंज्यूमर्स की जेब पर पड़ने वाला फाइनेंशियल बोझ कम हुआ है।

एडिटर का नजरिया: ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि खरीदने की ताकत और आर्थिक खुशहाली का प्रतीक हैं।

हमारा साफ मानना ??है कि इस धनतेरस पर सोने-चांदी की रिकॉर्ड तोड़ कीमत और शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी सिर्फ कोई आम या अंदाजे वाली घटना नहीं है, बल्कि भारतीय कंज्यूमर और इन्वेस्टर की खरीदने की ताकत को मजबूत करने का एक सुनहरा मौका है। जो नागरिक महंगाई की वजह से अपने परिवारों के लिए कीमती धातुएं नहीं खरीद पा रहे थे, उन्हें इन कीमतों में कमी से बड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर, शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले मिडिल क्लास इन्वेस्टर्स की दौलत भी बढ़ रही है, जिससे बाजार में पैसे का फ्लो (लिक्विडिटी) लगातार बना हुआ है और इकोनॉमी का साइकिल तेजी से घूम रहा है। आज जब दुनिया के कई बड़े देश मंदी और आर्थिक मंदी के डर में जी रहे हैं, तब भारत आर्थिक स्थिरता, विकास और नए स्टैंडर्ड बनाने में सबसे आगे है। त्योहारों के इस माहौल में सरकार और बाज़ारों ने आम आदमी को जो तोहफ़े दिए हैं, वे देश के सुनहरे आर्थिक भविष्य की गवाही देते हैं। उम्मीद करते हैं कि तेज़ी और आर्थिक खुशहाली का यह आसमानी माहौल सिर्फ़ त्योहारों तक ही सीमित न रहे, बल्कि आने वाला पूरा नया साल हर नागरिक की ज़िंदगी में सुख, शांति और दौलत के नए दरवाज़े खोलता रहे। धनतेरस, मौकों का खजानाः शेयर बाज़ार में ऐतिहासिक उछाल और सोने-चांदी में बड़ी गिरावट, दिवाली से पहले आम आदमी के लिए खुशियों की सौगात

दिवाली के दीये जलने से पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था और फाइनेंशियल बाज़ारों से एक के बाद एक ऐसी सुनहरी खबरें सामने आई हैं, जिससे देश भर के निवेशकों, व्यापारियों और आम ग्राहकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

# विश्वयुद्ध के मुहाने पर दुनिया, कूटनीति की कसौटी पर भारत: ट्रम्प की ईरान नीति, मोदी की रणनीति और मेलोनी मुलाकात के पीछे की असली कहानी

नई दिल्ली। दुनिया की राजनीति में कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनका प्रभाव केवल दो देशों के बीच सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के भविष्य को प्रभावित करने लगता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष भी ऐसी ही घटनाओं में शामिल है। परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल हमले, सैन्य ठिकानों पर बमबारी, तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। सवाल केवल इतना नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष कब समाप्त होगा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि यदि यह टकराव व्यापक युद्ध में बदलता है तो दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन का क्या होगा? इस पूरे घटनाक्रम में भारत की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, रूस, इजरायल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ अपने संबंधों को अलग-अलग स्तर पर मजबूत किया है। यही वजह है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव भारत के लिए केवल विदेश नीति का विषय नहीं, बल्कि



राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की जड़ें कई दशक पुरानी हैं। वर्ष 1979 की ईरानी क्रांति के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार खराब होते गए। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देशों की चिंताएं बढ़ती रहीं। वर्ष 2015 में परमाणु समझौते के जरिए तनाव कम करने का प्रयास हुआ, लेकिन वर्ष 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया। इसके बाद प्रतिबंधों और जवाबी कदमों का सिलसिला तेज हो गया। जून 2025 में इजरायल और ईरान के बीच सीधा सैन्य संघर्ष शुरू हुआ। इसके बाद 21 जून 2025 की रात अमेरिका ने ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थित तीन परमाणु ठिकानों पर सैन्य हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे ईरान की परमाणु क्षमता को नष्ट करने की कार्रवाई बताया। इस अभियान में बी-2 बमवर्षक विमानों और टॉमहॉक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यह घटनाक्रम अमेरिकी विदेश नीति में एक बड़े सैन्य हस्तक्षेप के रूप में दर्ज हुआ।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। अमेरिका ने परमाणु ठिकानों पर हमला किया था, परमाणु बम का इस्तेमाल नहीं किया था। दोनों घटनाओं के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। हालांकि परमाणु सुविधाओं पर हमले से विकिरण, पर्यावरण और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इसके बाद 23 जून 2025 को ट्रम्प ने इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा की। लेकिन इससे क्षेत्रीय विवादों का स्थायी समाधान नहीं निकला। फरवरी 2026 में अमेरिका और इजरायल ने फिर ईरान पर व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू की। अमेरिकी सैन्य कमान के अनुसार इस अभियान में मिसाइल ठिकानों, सैन्य हवाई अड्डों और ईरान की सैन्य व्यवस्था को निशाना बनाया गया। सितंबर 2026 तक उपलब्ध अमेरिकी कांग्रेस की शोध रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम और समझौते के प्रयासों के बावजूद क्षेत्र में सैन्य टकराव दोबारा बढ़ चुका था। इससे स्पष्ट होता है कि पश्चिम एशिया का संकट किसी एक सैन्य अभियान से समाप्त होने वाला विवाद नहीं है। भारत के सामने इस संघर्ष में सबसे बड़ी चुनौती अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। भारत के इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ ऐतिहासिक, व्यापारिक और रणनीतिक संबंध हैं। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा भी पश्चिम एशिया से जुड़ा है। ऐसे में भारत के लिए किसी एक पक्ष के साथ पूरी तरह खड़ा होना आसान नहीं है। जून 2025 में जब इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ा, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत कर क्षेत्र में शांति बहाल करने की आवश्यकता जताई। इसके बाद 22 जून 2025 को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री ने तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान निकालने पर जोर दिया। यह भारत की उस विदेश नीति का उदाहरण था जिसमें अलग-अलग पक्षों के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास किया जाता है। भारत की इस नीति को समझने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। भारत ने रूस से अपने पुराने संबंध बनाए रखे, वहीं अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ भी रणनीतिक साझेदारी जारी रखी। इसका अर्थ है कि भारत अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपने फैसले स्वतंत्र रूप से लेने की नीति पर जोर देता है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात को लेकर भी सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं हुईं। जून 2025 में कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान 17 जून को दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी चर्चित हुईं और 'मेलोडी' नाम से चर्चाओं का दौर शुरू हुआ।

# काली चौदस का रहस्य : भय नहीं, भक्ति और श्रद्धा का पावन संदेश

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में प्रत्येक त्योहार के पीछे कोई न कोई आध्यात्मिक रहस्य, धार्मिक मान्यता और जीवन को सही दिशा देने वाला संदेश छिपा होता है। दीपावली के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर आने वाला काली चौदस भी ऐसा ही एक विशिष्ट धार्मिक त्योहार है। इस पर्व को नरक चतुर्दशी, रूप चौदस और भूत चतुर्दशी जैसे विभिन्न नामों से भी जाना जाता है। लोकमान्यताओं में इस दिन का विशेष महत्व है। काली चौदस का नाम सुनते ही कुछ लोगों के मन में भय, तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास जैसी बातों के विचार आने लगते हैं, लेकिन इस पर्व का मूल संदेश भय फैलाना नहीं, बल्कि मनुष्य को आंतरिक शक्ति, श्रद्धा और आत्मशुद्धि की ओर प्रेरित करना है। जीवन में मौजूद नकारात्मक विचारों, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और अज्ञान के अंधकार को दूर करके सद्विचारों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा यह दिन देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काली चौदस का संबंध भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध से भी जुड़ा हुआ है। पौराणिक कथा के अनुसार नरकासुर नामक असुर ने अनेक लोगों को प्रताड़ित किया था। भगवान श्रीकृष्ण ने उसका वध करके निर्दोष लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। यह प्रसंग बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। इस दिन प्रातःकाल अभ्यंग स्नान करने की परंपरा भी अनेक परिवारों में प्रचलित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। कुछ क्षेत्रों में यमदीपदान करने की परंपरा है, जिसमें परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए दीपक प्रज्वलित किया जाता है। गुजरात में काली चौदस के दिन हनुमानजी की पूजा करने तथा उन्हें तेल और सिंदूर अर्पित करने की परंपरा भी अनेक स्थानों पर देखने को मिलती है। श्रद्धालु हनुमान चालीसा का पाठ करके बल, बुद्धि और निर्भयता की प्रार्थना करते हैं। हमारी संस्कृति में काली चौदस को केवल धार्मिक विधि-विधानों तक सीमित नहीं रखा गया है। इसके पीछे एक सुंदर जीवनदर्शन भी छिपा हुआ है। मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा अंधकार बाहर नहीं, बल्कि उसके भीतर होता है। क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और स्वार्थ जैसी प्रवृत्तियाँ व्यक्ति के विचारों को अंधकारमय बना देती हैं। वहीं जब मन में करुणा, क्षमा, प्रेम, सहानुभूति और परोपकार जैसे गुणों का प्रवेश होता है, तब जीवन वास्तविक अर्थों में प्रकाशमय बन जाता है। आज के आधुनिक युग में विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अनेक सुविधाओं से समृद्ध बनाया है, लेकिन इसके साथ मानसिक तनाव, असहिष्णुता, ईर्ष्या और रिश्तों में बढ़ती दूरियों जैसी समस्याएँ भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में काली चौदस का पावन अवसर हमें आत्ममंथन करने का अवसर देता है। दूसरों के जीवन से अंधकार दूर करने की बात करने से पहले हमें अपने विचारों और व्यवहार में मौजूद नकारात्मकता को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए। धर्म के नाम पर फैलाए जाने वाले अंधविश्वास और भय से भी सावधान रहना आवश्यक है। सच्ची श्रद्धा कभी भी मनुष्य को मानवता से दूर नहीं ले जाती। सच्ची भक्ति मन में शांति, आत्मविश्वास और सदाचार का संचार करती है। त्योहारों के उत्सव में स्वच्छता, संयम, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का भी उतना ही महत्व है। काली चौदस हमें एक सुंदर संदेश देती है कि अंधकार को कोसने मात्र से प्रकाश उत्पन्न नहीं होता, बल्कि एक छोटा-सा दीपक जलाने से भी अंधकार दूर हो सकता है। इसी प्रकार जीवन में किसी की निंदा करने के बजाय अच्छे विचार अपनाएँ, किसी को दुख पहुँचाने के बजाय सहानुभूति दिखाएँ और द्वेष के स्थान पर प्रेम के बीज बोएँ, तो समाज और भी सुंदर बन सकता है। इस प्रकार काली चौदस केवल एक धार्मिक तिथि या पारंपरिक उत्सव नहीं है, बल्कि अपने भीतर झाँककर दुर्गुणों का त्याग करने और सद्गुणों को अपनाने का पावन अवसर है। भय को नहीं, भक्ति को; अंधविश्वास को नहीं, विवेक को और नकारात्मकता को नहीं, सकारात्मकता को अपने जीवन में स्थान दें। क्योंकि वास्तविक प्रकाश केवल दीपक में नहीं, बल्कि मनुष्य के निर्मल मन और निष्कपट हृदय में प्रज्वलित होता है। सभी को काली चौदस की हार्दिक शुभकामनाएँ!



**लेखक : रूपेश सोलंकी, भचाऊ, कच्छ**

# नागोया में पैरा-खिलाड़ियों ने रचा इतिहास, अब सम्मान और पहचान देने की बारी

नागोया। एशियाई पैरा-गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 स्वर्ण सहित कुल 114 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और उचित अवसर मिलें तो शारीरिक चुनौतियां भी किसी की प्रतिभा और सफलता का रास्ता नहीं रोक सकतीं। हालांकि, इस उपलब्धि के साथ एक बड़ा सवाल भी खड़ा होता है कि क्या देश इन खिलाड़ियों को वह सम्मान, पहचान और स्थान दे पाएगा, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं? वर्ष 2023 में हांगझोउ में आयोजित एशियाई पैरा-गेम्स में भारत ने 303 खिलाड़ियों का दल भेजा था और कुल 108 पदक हासिल किए थे। वहीं, इस बार नागोया में महज 167 खिलाड़ियों ने 114 पदक जीतकर पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। कम खिलाड़ियों के दल के बावजूद पदकों की संख्या में हुई बढ़ोतरी भारतीय पैरा-खेलों की मजबूत होती स्थिति को दर्शाती है। यह प्रदर्शन भविष्य में लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 में भारत के शीर्ष 15 देशों में शामिल होने की उम्मीदों को भी मजबूती देता है। इन पदकों के पीछे केवल खेल प्रतिभा नहीं, बल्कि संघर्ष, हौसले और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की कई प्रेरक कहानियां भी छिपी हैं। व्हीलचेयर रग्बी के खिलाड़ी प्रदीप कुमार इसका उल्लेखनीय उदाहरण हैं। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार का विरोध करने पर उन्हें गोली मार दी गई थी, जिसके बाद उनका जीवन व्हीलचेयर तक सीमित हो गया। इस कठिन दौर में उन्हें कई बार उपहास और सहानुभूति का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपना रास्ता बनाया। अपनी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने एशियाई पैरा-गेम्स में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। इसी तरह निशानेबाज मोना अग्रवाल की सफलता भी असाधारण है। उन्होंने वर्ष 2021 से पहले कभी राइफल तक नहीं उठाई थी। पारिवारिक आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने उधार लेकर खेल के उपकरण जुटाए और लगातार अभ्यास किया। उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने दो स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया। ऐसी उपलब्धियां बताती हैं कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बशर्ते खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। दरअसल, भारत में खेलों की चर्चा होते ही क्रिकेट सबसे आगे आ जाता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की उपलब्धियों को देशभर में जिस तरह उत्साह के साथ मनाया जाता है, वैसा ही सम्मान दूसरे खेलों और उनके खिलाड़ियों को भी मिलना चाहिए। पैरा-खिलाड़ियों की उपलब्धियां किसी भी मायने में कमतर नहीं हैं। इसके बावजूद उन्हें अक्सर पर्याप्त मीडिया कवरेज, प्रायोजन, आर्थिक सहायता और सामाजिक पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ता है। अब समय आ गया है कि पैरा-खिलाड़ियों को केवल सहानुभूति का पात्र मानने के बजाय देश के गौरवशाली खिलाड़ी के रूप में देखा जाए। उनके लिए बेहतर प्रशिक्षण केंद्र, आधुनिक खेल उपकरण, प्रशिक्षित कोच, आर्थिक सहायता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और खेल संस्थानों में पैरा-खेलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। नागोया में मिली ऐतिहासिक सफलता का वास्तविक महत्व तभी होगा, जब पदक जीतने के बाद मिलने वाला सम्मान आयोजन समाप्त होते ही खत्म न हो। क्रिकेट के साथ अन्य खेलों और पैरा-खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी देश की खेल संस्कृति में बराबर की जगह मिले। प्रदीप कुमार और मोना अग्रवाल जैसे खिलाड़ियों की सफलता को भी उतना ही उत्साह और पहचान मिलनी चाहिए, जितनी देश के बड़े क्रिकेट सितारों को मिलती है। आखिरकार, खेल का असली सम्मान पदक से नहीं, बल्कि खिलाड़ी के संघर्ष, समर्पण और उपलब्धि को पहचान देने से होता है।

# आज का राशिफल

**(शनिवार) 07 नवम्बर 2026**

**मेष** — रुके हुए कार्यों में गति आएगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, लेकिन पैसों के मामले में अनावश्यक खर्चों से बचें।

**वृषभ** — जल्दबाजी में बड़े फैसले न लें, धैर्य से काम लें। पुराने निवेशों की समीक्षा का समय है। शाम तक परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी।

**मिथुन** — करियर और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। विदेश या पुराने संपर्कों से धन लाभ के योग बन रहे हैं। मानसिक भ्रम से बचें।

**कर्क** — पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। सेहत का विशेष ध्यान रखें और भावुक होकर आर्थिक फैसले लेने से बचें।

**सिंह** — दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी रह सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद धन लाभ और करियर में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं।

**कन्या** — परिश्रम अधिक रहेगा, लेकिन नतीजे संतोषजनक मिलेंगे। बिजनेस में नए पार्टनर पर तुरंत भरोसा न करें, बजट के हिसाब से काम करें।

**तुला** — मान-सम्मान और आय में वृद्धि के अच्छे योग हैं। कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वित्तीय फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें।

**वृश्चिक** — आर्थिक लाभ और व्यापार विस्तार के संकेत हैं। दोपहर से पहले जरूरी सरकारी या व्यावसायिक काम निपटाना फायदेमंद रहेगा।

**धनु** — प्रबंधन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यक्तिगत खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

**मकर** — कामकाज का दबाव बना रह सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों और कागजी कार्रवाई में थोड़ी तेजी आएगी। जल्दबाजी में सौदे न करें।

**कुंभ** — पुरानी समस्याओं का समाधान मिलेगा और सेहत में सुधार होगा। दोपहर बाद धार्मिक या सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

**मीन** — शुरुआत में सुस्ती या थकान महसूस हो सकती है। दोपहर के बाद बिजनेस और नौकरी में स्थितियां आपके पक्ष में रुख करेंगी।

## रूप चौदस और दीपावली पर घर-आंगन में जगमगाएंगे दीप, मां लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी पूरी

# अभ्यंग स्नान, यम दीपदान, श्रीयंत्र स्थापना और लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व

दीपावली का पांच दिवसीय पर्व अब अपने उल्लास और आध्यात्मिक उल्लास के चरम की ओर बढ़ रहा है। धनतेरस के साथ पर्व की शुरुआत होने के बाद अब 7 नवंबर को नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीपावली और रूप चौदस मनाई जाएगी, जबकि 8 नवंबर को मुख्य दीपावली का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इन दोनों दिनों में धार्मिक परंपराओं के अनुसार स्नान, दीपदान, पूजा-अर्चना और घरों को दीपों से सजाने का विशेष महत्व है। बाजारों से लेकर घरों तक दीपावली की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। लोग अपने घरों को रोशनी, रंगोली और सजावट से सजाकर मां महालक्ष्मी के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। 7 नवंबर, शनिवार को नरक चतुर्दशी, छोटी दीपावली और रूप चौदस मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सूर्योदय से पूर्व अभ्यंग स्नान करने की परंपरा है। इसे

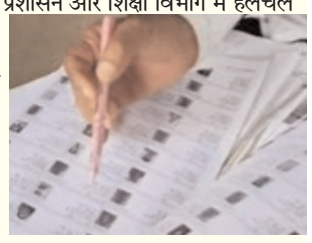


शरीर की शुद्धता, आरोग्य और सौंदर्य से जोड़कर देखा जाता है। इस दिन सुबह 5:25 से 6:40 बजे तक अभ्यंग स्नान का शुभ समय बताया गया है। रूप चौदस पर शाम को यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। इसके लिए दक्षिण दिशा में चौमुखी दीपक प्रज्वलित करने की परंपरा है। मान्यता है कि यम दीपदान करने से परिवार पर आने वाली अकाल मृत्यु की आशंका दूर होती है और परिवार की सुख-समृद्धि बनी रहती है। यम दीपदान एवं संध्या पूजन का समय शाम 5:36 से 6:50 बजे तक रहेगा। इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार और आसपास दीपक जलाकर अंधकार दूर करने की परंपरा निभाई जाएगी। रविवार, 8 नवंबर को मुख्य दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन माता महालक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर देव की विधि-विधान से पूजा की जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार लक्ष्मी पूजन के साथ घर में सुख, शांति, धन-धान्य और समृद्धि की कामना की जाती है। लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोष काल शाम 5:35 से 8:12 बजे तक रहेगा। वहीं विशेष वृषभ लग्न का समय शाम 6:14 से 8:10 बजे तक बताया गया है। इस अवधि को स्थिर लक्ष्मी पूजन के लिए विशेष शुभ माना जाता है। श्रीयंत्र स्थापना और उस पर दीपक प्रज्वलित करने के लिए भी वृषभ लग्न का समय महत्वपूर्ण रहेगा। दीपावली पर पूजा स्थल को स्वच्छ करके चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर श्रीयंत्र स्थापित करने की परंपरा है। पूजा करने वाले व्यक्ति का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। श्रीयंत्र को भी उत्तर अथवा पूर्व दिशा की ओर स्थापित करने का विधान बताया गया है। इसके साथ ही पूजा स्थल या घर की चौखट के सामने 12 अलग-अलग सात्विक रंगों से रंगोली बनाने की परंपरा भी विशेष मानी जाती है। इसे माता लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूपों, द्वादश आदित्य और द्वादश राशियों का प्रतीक माना जाता है। दीपावली पर दिशाओं के अनुसार दीपक जलाने का भी धार्मिक महत्व है। ईशान कोण में घी का मुख्य दीपक, अग्नि कोण में सरसों के तेल का दीपक और उत्तर दिशा में कुबेर देव के निमित्त दीप प्रज्वलित किया जाता है। घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर भी दीपक जलाकर मां लक्ष्मी का स्वागत किया जाता है। दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देने वाला उत्सव है। यह पर्व परिवारों को एकजुट करने, आपसी प्रेम बढ़ाने और जीवन में सकारात्मकता का संचार करने का अवसर भी प्रदान करता है। कुबेर देव की कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि का प्रकाश बना रहे।

## बरेली में मतदाता सूची से 26 नाम हटाने का मामला, बीएलओ नफीस मोहम्मद खान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में मतदाता सूची से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग में हलचल मच गई है। शेरगढ़ थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में 26 हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के आरोप में बीएलओ की जिम्मेदारी निभा रहे सहायक अध्यापक नफीस मोहम्मद खान को निलंबित कर दिया गया है।



प्रारंभिक जांच में शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने यह कार्रवाई की है। मामले में पूर्व प्रधान से मिलीभगत कर मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया गया है। मोहम्मदपुर गांव के वर्तमान प्रधान राहुल गंगवार ने इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, कंपोजिट विद्यालय मोहम्मदपुर में तैनात सहायक अध्यापक नफीस मोहम्मद खान को मतदाता सूची तैयार करने और उसमें आवश्यक कार्यवाही की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आरोप है कि उन्होंने पूर्व प्रधान के साथ सांठगांठ कर 26 हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवा दिए। वर्तमान प्रधान ने अपनी शिकायत में इसे जानबूझकर की गई कार्रवाई बताते हुए आरोप लगाया कि इसके पीछे सांप्रदायिक दुर्भावना और चुनावी लाभ पहुंचाने की मंशा थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि गांव में प्रधानी चुनाव नजदीक होने के कारण प्रत्येक मतदाता का वोट महत्वपूर्ण है। ऐसे में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जाने की जानकारी सामने आने पर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों को जब कथित गड़बड़ी का पता चला तो इस मामले को प्रशासन तक पहुंचाया गया। इसके बाद वर्तमान प्रधान ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया और जांच के निर्देश दिए।

## नाराज होकर 8 साल के बच्चे ने लगा ली फांसी... जालौन के गांव में मच गया कोहराम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालौन।** उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कुठौंद थाना क्षेत्र के डूंगरपुरवा गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। मोबाइल फोन को लेकर भाई-बहन के बीच हुए विवाद के बाद 8 वर्षीय बच्चे रितिक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चा अपनी बड़ी बहन के साथ मोबाइल पर रील देख रहा था। इसी दौरान बहन ने उससे मोबाइल ले लिया, जिससे वह नाराज हो गया। इसके बाद वह कमरे में चला गया। कुछ देर बाद जब परिजनों को घटना की जानकारी मिली तो घर में चीख-पुकार मच गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, घटना 3 नवंबर की बताई जा रही है। रितिक अपनी बहन के साथ घर पर मोबाइल देख रहा था। इसी दौरान मोबाइल को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बहन की उम्र रितिक से करीब डेढ़ साल अधिक बताई जा रही है। विवाद के बाद बच्चा कमरे में चला गया। उस समय माता-पिता घर पर मौजूद नहीं थे। कुछ समय बाद जब परिजनों को अनहोनी की जानकारी मिली तो परिवार में कोहराम मच गया। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही कुठौंद थाना पुलिस और क्षेत्राधिकारी जालौन अजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों और आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद होने की बात सामने आई है। हालांकि, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल और उनके व्यवहार को लेकर अभिभावकों की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े किए हैं। कम उम्र में बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की सामग्री से काफी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में अभिभावकों के लिए जरूरी है कि वे बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी भावनाओं और परेशानियों को समझें तथा मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर उम्र के अनुरूप नियम बनाएं।



## 'पुष्पा' स्टाइल में नमक के नीचे सीक्रेट तहखाना बनाकर शराब तस्करी! बिजनौर में 30 लाख की 350 पेटी बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बिजनौर।** उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में पुलिस ने शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ट्रक में ऐसा गुप्त तहखाना तैयार कर रखा था, जिसे देखकर पहली नजर में किसी को भी शक नहीं होता। ट्रक के ऊपरी हिस्से में नमक की बोरियां लदी हुई थीं, जबकि नीचे विशेष जालीदार ढांचे के भीतर अवैध शराब की सैकड़ों पेटियां छिपाई गई थीं। चांदपुर पुलिस ने दौलतपुर पुलिस चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा। तलाशी के दौरान करीब 30 लाख रुपये कीमत की 350 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से चालक और परिचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। बीती रात दौलतपुर पुलिस चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच के दौरान संदिग्ध ट्रक संख्या यूपी 35 ईटी 8866 को रुकवाया गया। ट्रक में ऊपर नमक की बोरियां रखी हुई थीं, जिससे पहली नजर में वाहन सामान्य मालवाहक प्रतीत हो रहा था। हालांकि, पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक में नमक की आड़ में शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। इसके बाद पुलिस ने वाहन की गहन तलाशी ली तो निचले हिस्से में विशेष जालीदार ढांचे के पीछे गुप्त स्थान बना मिला। इसमें शराब की पेटियां छिपाकर रखी गई थीं। ट्रक को थाने लाकर जब पेटियों की गिनती की गई तो कुल 350 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने इस मामले में बिहार निवासी ट्रक चालक अनिल कुमार पांडे और कुशीनगर निवासी परिचालक शीशपाल सिंह कुशवाह को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान चालक ने बताया कि कुशीनगर निवासी विकास नाम के व्यक्ति ने उसे शराब की खेप पहुंचाने का काम सौंपा था। इसके बदले उसे 20 हजार रुपये और प्रतिदिन 500 रुपये देने का लालच दिया गया था। चालक के मुताबिक, उसे चंडीगढ़ के सेक्टर फेज-2 से ट्रक उपलब्ध कराया गया था। वहां से शराब की खेप लेकर मेरठ और धामपुर के रास्ते कुशीनगर पहुंचनी थी। जांच में यह भी सामने आया कि बरामद शराब हरियाणा राज्य में बिक्री के लिए अधिकृत थी, लेकिन उसे अवैध रूप से बिहार पहुंचाने की तैयारी की जा रही थी।



# जीएसटी सुपरिटेंडेंट की कार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी, बैग में 54 लाख और ज्वलरी मिली, गुजरात में है पोस्टिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**रतलाम।** मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई आठ लेन एक्सप्रेसवे पर एक सड़क हादसे के बाद उस समय मामला चर्चा में आ गया, जब दुर्घटनाग्रस्त कार से 54 लाख रुपए नकद और बड़ी मात्रा में जेवरात मिले। जावरा के पास गुजरात में तैनात जीएसटी सुपरिटेंडेंट प्रवीण मीणा की कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी। हादसे में अधिकारी, उनकी पत्नी और दोनों बेटे घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कार से नकदी और जेवरात मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी आयकर विभाग को दे दी है। जानकारी के अनुसार प्रवीण मीणा गुजरात के वापी में जीएसटी सुपरिटेंडेंट के पद पर तैनात हैं। वह दिवाली की छुट्टियां मनाने के लिए परिवार के साथ गुजरात से



राजस्थान स्थित अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान रतलाम जिले के जावरा के पास शाम करीब 4:30 बजे उनकी कार अचानक अनियंत्रित हो गई। देखते ही देखते कार आठ लेन एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी। दुर्घटना के समय कार में प्रवीण मीणा के साथ उनकी पत्नी संतोष और दोनों बेटे आदित्य व अथर्व भी मौजूद थे। हादसे में चारों को चोटें आई हैं। हादसे के बाद कार में रखा सामान बाहर बिखर गया। इसी दौरान पुलिस को कार में रखा एक बैग मिला। जब बैग की जांच की गई तो उसमें 54 लाख रुपए नकद और जेवरात रखे हुए मिले। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए नकदी की गिनती कराई। इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई, ताकि बरामद रकम का पूरा रिकॉर्ड रखा जा सके। पुलिस ने नकदी और जेवरात मिलने की सूचना आयकर विभाग को दे दी है। अब जांच का मुख्य बिंदु यह है कि इतनी बड़ी रकम और जेवरात अधिकारी के पास कहां से आए और इन्हें परिवार के साथ ले जाने का क्या कारण था। पुलिस के अनुसार घायल परिवार राजस्थान के गंगापुर सिटी का रहने वाला है। हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दुर्घटना में घायल होने के कारण अभी अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता घायलों की जान बचाना और उन्हें बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद ही उनसे नकदी और जेवरात के संबंध में पूछताछ की जाएगी।कार से मिली 54 लाख रुपए की नकदी और जेवरात को लेकर आयकर विभाग को सूचना दे दी गई है। विभाग की ओर से यह जांच की जाएगी कि रकम का स्रोत क्या है और उसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज या अन्य प्रमाण उपलब्ध हैं या नहीं। अधिकारी के बयान और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इतनी बड़ी नकदी किस उद्देश्य से ले जाई जा रही थी। पुलिस और संबंधित विभागों की जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति साफ हो सकेगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में हाल ही में एक अन्य जीएसटी अधिकारी से जुड़ा मामला भी सामने आया था।

## उन्नाव में बीमार पति को छोड़कर दामाद के साथ फरार हुई सास, घर से पुश्तैनी जेवर गायब होने का भी आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उन्नाव।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में पारिवारिक रिश्तों को लेकर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अजगैन थाना क्षेत्र के ओहरापुर कोडिया गांव निवासी एक युवक ने अपनी मां पर बीमार पति को घर पर छोड़कर दामाद के साथ चले जाने का आरोप लगाया है। युवक का दावा है कि मां अपने साथ घर में रखे पुश्तैनी जेवर भी ले गई है। मामले को लेकर परिवार में विवाद गहरा गया है। पीड़ित बेटे ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर मां और जीजा की भूमिका की जांच कराने, गायब जेवर बरामद करने तथा उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ओहरापुर कोडिया निवासी बिंदालाल पुत्र छोटेलाल ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि करीब 15 वर्ष पहले उसकी बहन राजकुमारी की हत्या उसके पति मिश्रीलाल ने कर दी थी। बिंदालाल का आरोप है कि उस समय बहन के बच्चे छोटे होने के कारण उसकी मां चंद्रावती ने मुकदमा दर्ज नहीं कराया था। इसके बाद से ही मां और उसके जीजा मिश्रीलाल के बीच नजदीकियां बढ़ने



लगी थीं। इस बात को लेकर उसके पिता ने विरोध किया तो परिवार में आए दिन विवाद होने लगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 सितंबर 2026 को उसकी मां चंद्रावती ने परिवार की 10 बिस्वा जमीन अपने नाती अंकित के नाम कर दी थी। इस जमीन के बैनामे से संबंधित दस्तावेज की नकल लेने के लिए 2 नवंबर को बिंदालाल अपने बीमार पिता के साथ हसनगंज स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय गया था। आरोप है कि जब दोनों वहां से वापस लौटे तो घर में मां मौजूद नहीं थी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। बिंदालाल का आरोप है कि घर की कोठरी में जमीन के अंदर गडा खोदकर पुश्तैनी जेवर रखे गए थे। जब उसने वहां जाकर देखा तो जेवर भी गायब मिले। इसके बाद उसे आशंका हुई कि मां घर से जाते समय जेवर भी अपने साथ ले गई है। युवक ने आरोप लगाया कि उसकी मां बीमार पति को छोड़कर जीजा मिश्रीलाल के साथ चली गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। पीड़ित के अनुसार, उसने 2 नवंबर को अजगैन और सोहरामऊ थाने में शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन उसका कहना है कि कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 5 नवंबर को उसने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोबारा शिकायती पत्र सौंपा। उसने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, गायब पुश्तैनी जेवर बरामद कराने और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल मामला पुलिस के समक्ष पहुंच चुका है। अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच और जेवर गायब होने की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाना पुलिस के लिए महत्वपूर्ण होगा। वहीं, परिवार के भीतर जमीन के हस्तांतरण और पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

## भोपाल में दिल दहला देने वाली घटना, 5.5 लाख के कर्ज और लोन फ्रॉड से परेशान बाइक-टैक्सी ड्राइवर ने थाने के बाहर खाया जहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कथित ऋण धोखाधड़ी और कर्ज के दबाव से परेशान एक बाइक टैक्सी चालक की मौत का मामला सामने आया है। अशोक गार्डन थाना परिसर के बाहर बुधवार शाम 40 वर्षीय नरेंद्र सिंह राजपूत ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक मूल रूप से विदिशा के रहने वाले थे और पिछले करीब 10 वर्षों से भोपाल के सेमरा इलाके में पत्नी प्रतीक्षा के साथ रह रहे थे। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह बाइक टैक्सी चलाते थे। परिजनों के अनुसार, नरेंद्र सिंह राजपूत कथित तौर पर ऋण दिलाने के नाम पर की गई धोखाधड़ी का शिकार हुए थे। आरोप है कि कटारा हिल्स निवासी पुलक सक्सेना ने खुद को ऋण एजेंट बताकर उन्हें 10 लाख रुपये का मुद्रा ऋण दिलाने का भरोसा दिया था। आरोपी परिवार का परिचित बताया जा रहा है। ऋण की प्रक्रिया और दस्तावेज तैयार कराने के नाम पर शुरुआत में 10,500 रुपये और बाद में 25 हजार रुपये लिए गए। इसके बाद अलग-अलग बहाने बनाकर कुल 2.85 लाख



रुपये वसूलने का आरोप है। परिवार का कहना है कि काफी समय बीतने के बाद भी ऋण की राशि खाते में नहीं आई। दूसरी तरफ, उधार लिए गए पैसों की वापसी का दबाव बढ़ने लगा। इस पूरे घटनाक्रम के चलते परिवार पर करीब 5.5 लाख रुपये का कर्ज हो गया था। नरेंद्र सिंह लगातार पैसे वापस मिलने और ऋण की व्यवस्था होने का इंतजार कर रहे थे। आरोप है कि जब उन्होंने पुलक सक्सेना से अपने पैसे और ऋण के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्हें बताया गया कि ऋण की व्यवस्था करने वाला व्यक्ति पैसे लेकर फरार हो गया है। घटना से पहले नरेंद्र सिंह ने करीब 13 मिनट का एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था। इसमें उन्होंने कथित ऋण धोखाधड़ी और अपने साथ हुई आर्थिक परेशानी का जिक्र करते हुए पुलक सक्सेना पर आरोप लगाए। यह वीडियो अब मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। पुलिस वीडियो और उसमें लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है। बताया गया कि बुधवार को नरेंद्र सिंह अपनी शिकायत दर्ज कराने अशोक गार्डन थाने पहुंचे थे। थाना प्रभारी अनुराग लाल के अनुसार, वह थाना प्रभारी से मिलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6 बजे उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में अशोक गार्डन पुलिस ने आरोपी पुलक सक्सेना के खिलाफ धोखाधड़ी और आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में आर्थिक लेनदेन और कर्ज के दबाव से जुड़ी बातें सामने आई हैं। अब पुलिस परिजनों के बयान, वीडियो, पैसों के लेनदेन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने ऋण दिलाने के नाम पर होने वाली कथित धोखाधड़ी और आम लोगों की आर्थिक परेशानियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि और पूरे लेनदेन की वास्तविक स्थिति जांच का विषय है।

## 'वो बहुत बड़ा फ्रॉड इंसान है, लोन के नाम पर मुझे फंसाया...' मौत से पहले रैपिडो ड्राइवर ने बनाया वीडियो, बयां की पूरी कहानी

**12.50 लाख रुपये का मुद्रा लोन दिलाने का भरोसा देकर उनसे करीब 5.50 लाख रुपये लिए गए थे**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** के 40 साल के नरेंद्र सिंह राजपूत ने मरने से पहले करीब 13 मिनट का एक वीडियो बनाया. इस वीडियो में उन्होंने एक शख्स का नाम लिया. आरोप लगाया कि उसने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर मुद्रा लोन दिलाने का भरोसा दिया था. कहा था कि 12.50 लाख रुपये का लोन मिल जाएगा. इसी उम्मीद में नरेंद्र ने उसे करीब 5.50 लाख रुपये दे दिए. लेकिन लोन नहीं मिला. पैसे भी वापस नहीं आए. दूसरी तरफ, जिन लोगों से नरेंद्र ने उधार लिया था, वे अपनी रकम मांग रहे थे. परिवार के मुताबिक, धीरे-धीरे यह दबाव बढ़ता गया. नरेंद्र रैपिडो चलाकर घर का खर्च चलाते थे. अब उनके पास न लोन की रकम थी, न उधार चुकाने का कोई रास्ता. फिर 6 नवंबर से पहले की उस घटना ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया. नरेंद्र भोपाल के अशोका गार्डन थाने पहुंचे. वहां उनकी तबीयत बिगड़ी. उन्हें हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. पुलिस ने पुलक सक्सेना नाम के उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर नरेंद्र ने वीडियो में पैसे लेने और धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे. उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने



के आरोप में केस दर्ज किया गया है. नरेंद्र सिंह राजपूत के परिवार के मुताबिक, पुलक सक्सेना ने खुद को सरकारी अधिकारी बताया था. उसने नरेंद्र को 12.50 लाख रुपये का मुद्रा लोन दिलाने का भरोसा दिया. इसके लिए कुछ खर्च होने की बात कही गई. नरेंद्र को लगा कि अगर इतना बड़ा लोन मिल गया तो परेशानियां कम हो जाएंगी. इसी भरोसे में उन्होंने करीब 5.50 लाख रुपये जुटाकर पुलक सक्सेना को दे दिए परिवार का आरोप है कि पैसे लेने के बाद भी लोन नहीं मिला. काफी इंतजार के बाद जब नरेंद्र ने अपनी रकम और लोन के बारे में पूछना शुरू किया, तो पुलक सक्सेना ने फोन उठाना बंद कर दिया. यहां नरेंद्र के सामने दोहरी परेशानी खड़ी हो गई. एक तरफ लोन नहीं आया, दूसरी तरफ जिन लोगों से उन्होंने पैसे उधार लिए थे, उन्हें रकम लौटानी थी. परिवार का कहना है कि कर्जदार लगातार पैसे मांग रहे थे. नरेंद्र की परेशानी बढ़ती जा रही थी. इस पूरे मामले में नरेंद्र का 13 मिनट का वीडियो सबसे अहम कड़ी बन गया है. वीडियो में नरेंद्र ने कहा कि मैं ये वीडियो पूरे होश में बना रहा हूं. इसी के साथ पुलक सक्सेना का नाम लिया और कहा कि वो बहुत बड़ा फ्रॉड इंसान है. नरेंद्र ने लोन के नाम पर पैसे लेने का आरोप लगाया. नरेंद्र ने वीडियो में अपनी आर्थिक परेशानी और इस पूरे मामले के बाद पैदा हुए हालात का जिक्र किया. अब पुलिस इस वीडियो की जांच कर रही है. यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि नरेंद्र और पुलक के बीच कितने पैसों का लेनदेन हुआ था, लोन दिलाने के लिए क्या वादा किया गया था और पैसे किस तरह दिए गए थे.नरेंद्र की पत्नी ने इस मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि पुलक सक्सेना पर धोखाधड़ी का आरोप लगाने के बाद नरेंद्र ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से शिकायत की थी. पत्नी के मुताबिक, उन्हें थाने जाने के लिए कहा गया था. इसी सिलसिले में नरेंद्र अशोका गार्डन थाने पहुंचे थे. परिवार को उम्मीद थी कि शिकायत पर कार्रवाई होगी और उन्हें उनके पैसे वापस दिलाने में मदद मिलेगी. लेकिन नरेंद्र की परेशानी कम नहीं हुई।

## भिंड में चादर बदलते समय अचानक जमीन में समाई महिला

महानगर मेट्रो ब्यूर

**भिंड।** मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक पुराने मकान में बुधवार रात हैरान करने वाली घटना सामने आई। यहां बिस्तर की चादर बदल रही 45 वर्षीय महिला अचानक जमीन में समा गई। कमरे का एक हिस्सा अचानक धंस गया और महिला बिस्तर समेत करीब 15 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जब मकान के नीचे बनी संरचना के बारे में जानकारी सामने आई तो पता चला कि वहां सिंधिया रियासत के समय का पुराना तहखाना मौजूद है। बताया जा रहा है कि इस तहखाने का इस्तेमाल उस दौर में राजस्व के रूप में वसूले गए अनाज को रखने के लिए किया जाता था। घटना रात करीब 9:15 बजे गर्ल्स स्कूल वाली गली स्थित मकान में हुई। महिला अपने कमरे में बिस्तर की चादर बदल रही थी। इसी दौरान अचानक फर्श का एक हिस्सा धंस गया और वह बिस्तर सहित नीचे जा गिरी। उस समय परिवार के ज्यादातर सदस्य किसी निमंत्रण में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। घर लौटने पर परिजनों ने महिला को गड्ढ में फंसा देखा। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से सीढ़ियों के सहारे उसे बाहर निकाला गया। महिला को चोटें आई हैं और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत स्थिर बताई गई है। परिवार के अनुसार यह मकान ऐतिहासिक महत्व रखता है। बताया जाता है कि सिंधिया रियासत के समय इस स्थान का इस्तेमाल स्थानीय प्रशासनिक न्यायालय के रूप में किया जाता था। यहां राजस्व वसूली और प्रशासन से जुड़े काम होते थे। मकान के नीचे बने हिस्से में कर के रूप में वसूले गए अनाज को सुरक्षित रखा जाता था। स्थानीय भाषा में इस स्थान को गल्ला खंती कहा जाता था। माना जा रहा है कि बुधवार रात जिस हिस्से का फर्श धंसा, वह उसी पुराने तहखाने का हिस्सा है। परिवार ने बताया कि उनके परदादा पंडित मदन मोहन मिश्रा सिंधिया रियासत में मानद मजिस्ट्रेट के पद पर थे। उन्हें वनखंडेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। इसी वजह से इस मकान का परिवार के लिए ऐतिहासिक महत्व रहा है। परिवार के सदस्यों के अनुसार मकान के नीचे मौजूद पुरानी संरचना के बारे में उन्हें जानकारी थी, लेकिन लंबे समय से उसे बंद कर दिया गया था। परिजनों के मुताबिक वर्ष 1980 के दशक में मकान का पुनर्निर्माण कराया गया था। उस दौरान जमीन के नीचे बने पुराने गड्ढ को बंद कर उसके ऊपर निर्माण कर दिया गया था। परिवार का अनुमान है कि लंबे समय तक पानी का रिसाव होने से तहखाने के अंदर की मिट्टी धीरे-धीरे बहती रही।



## मलय जैन बने बालाघाट के नए एसपी, आईजी सचिन अतुलकर को भी मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी



महानगर मेट्रो ब्यूर

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में धनतेरस के अवसर पर पुलिस विभाग में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के तहत एक आईपीएस अधिकारी का तबादला किया गया है, जबकि चार अन्य अधिकारियों को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस फेरबदल में 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी मलय जैन को बालाघाट जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, चंबल जोन के पुलिस महानिरीक्षक सचिन अतुलकर को विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर के आईजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, आईपीएस अधिकारी वाहनी सिंह और नगेंद्र सिंह की जिम्मेदारियों में भी विस्तार किया गया है। बालाघाट के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का तबादला देवास कर दिया गया है। उनके स्थान पर पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ मलय जैन को बालाघाट का नया एसपी बनाया गया है। मलय जैन 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी संभालनी होगी। बालाघाट एसपी के साथ उन्हें हॉक फोर्स का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इस नियुक्ति के बाद अब वह पुलिस मुख्यालय की अपनी पिछली जिम्मेदारी के स्थान पर बालाघाट में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करेंगे। 2007 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सचिन अतुलकर वर्तमान में चंबल जोन के पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। सरकार ने उन्हें विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर के पुलिस महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया है। इस आदेश के बाद सचिन अतुलकर चंबल जोन की जिम्मेदारी के साथ ग्वालियर में विशेष सशस्त्र बल से जुड़े प्रशासनिक और विभागीय कार्यों की भी निगरानी करेंगे। पुलिस विभाग में उनकी इस नई जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रदीप शर्मा वर्तमान में उज्जैन जिले के पुलिस अधीक्षक हैं। उन्हें 32वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल के सेनानी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अब वह उज्जैन जिले में पुलिस व्यवस्था संभालने के साथ-साथ विशेष सशस्त्र बल की इस वाहिनी से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। सरकार की ओर से उन्हें यह अतिरिक्त जिम्मेदारी ऐसे समय दी गई है, जब प्रदेश में पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार बदलाव किए जा रहे हैं। 2024 बैच की आईपीएस अधिकारी वाहनी सिंह वर्तमान में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र इंदौर में पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ हैं।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार)
07 नवंबर 2026



## यौन उत्पीड़न मामले में कांग्रेस सांसद अंगोचमा बिमोल अकोइजम को राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व प्रोफेसर और कांग्रेस सांसद अंगोचमा बिमोल अकोइजम को यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली की अदालत से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया है कि यदि जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तार करने या हिरासत में लेकर पूछताछ करने की आवश्यकता पड़ती है तो इससे पहले सात कार्यदिवस का लिखित नोटिस देना अनिवार्य होगा। यह नोटिस व्यक्तिगत रूप से दिया जाएगा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नोटिस भेजने की अनुमति नहीं होगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने मामले की सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी को निर्देश दिया कि सांसद को गिरफ्तारी या हिरासत में पूछताछ से पहले पर्याप्त समय दिया जाए, ताकि वह अपने कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों का इस्तेमाल कर सकें। अदालत ने सात कार्यदिवस पहले लिखित सूचना देने की शर्त रखी है। इस आदेश से फिलहाल सांसद को तत्काल गिरफ्तारी की आशंका से राहत मिली है, हालांकि मामले की जांच जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक मनीष रावत ने अदालत को बताया कि शिकायत की प्रकृति और जांच की मौजूदा स्थिति को देखते हुए पुलिस फिलहाल सांसद को गिरफ्तार करने पर विचार नहीं कर रही है। उन्होंने अदालत को भरोसा दिलाया कि यदि जांच के दौरान कोई नया तथ्य सामने आता है और गिरफ्तारी की आवश्यकता महसूस होती है तो सांसद को पहले सात दिन का नोटिस दिया जाएगा। पुलिस के इस पक्ष को ध्यान में रखते हुए अदालत ने भी स्पष्ट निर्देश जारी किए कि किसी भी तरह की गिरफ्तारी या हिरासत में पूछताछ से पहले निर्धारित अवधि का लिखित नोटिस देना होगा। अदालत ने अपने आदेश में जांच की वर्तमान स्थिति पर भी ध्यान दिया। बताया गया कि पुलिस ने अभी तक मामले की शिकायत करने वाली छात्राओं से पूछताछ नहीं की है। इसकी वजह यह बताई गई कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से शिकायतकर्ताओं की जानकारी पुलिस को उपलब्ध नहीं कराई गई है। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जिन कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, उनमें अधिकतम सजा तीन वर्ष की कैद है।



## दिन तीन जगह अग्निकांड, गफ्फार मार्केट से आजादपुर और शाहदरा तक मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को आग लगने की तीन अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया। करोल बाग की गफ्फार मार्केट, न्यू आजादपुर मार्केट और शाहदरा के कृष्णा नगर इलाके में आग लगने से दमकल विभाग की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं। तीनों घटनाओं में आग पर काबू पाने के लिए बड़ी संख्या में दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजना पड़ा। गफ्फार मार्केट में लगी भीषण आग पर 22 दमकल गाड़ियों की मदद से काबू पाया गया, जबकि न्यू आजादपुर मार्केट में आग बढ़ने के बाद इसे चौथे स्तर का घोषित कर दिया गया। वहीं, शाहदरा के एक कपड़ा गोदाम में लगी आग बुझाने के लिए भी दमकलकर्मियों को तैनात किया गया। जानकारी के अनुसार, सबसे पहले करोल बाग स्थित गफ्फार मार्केट में एक दुकान में भीषण आग लगने की घटना सामने आई। आग पुरी प्लाजा की 13 ब्लॉक स्थित चेन वाली गली में लगी थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 22 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना के बाद पुलिस ने आग लगने के संभावित कारणों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में आशंका जताई गई है कि गफ्फार मार्केट में आग की शुरुआत भूतल पर स्थित मोबाइल बैटरी की एक दुकान से हुई। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, बैटरियों को अधिक समय तक चार्ज करने यानी ओवरचार्जिंग के कारण उनमें आग लग सकती है। हालांकि, पुलिस ने अभी इसे आग लगने का अंतिम कारण नहीं माना है। अधिकारियों के अनुसार, दमकल विभाग का शीतलन अभियान पूरा होने के बाद घटनास्थल की जांच की जाएगी। इसके बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। गफ्फार मार्केट की आग पर काबू पाने के बाद न्यू आजादपुर मार्केट में एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली। यहां शुक्रवार सुबह करीब 8:40 बजे आग लगी। शुरुआत में दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया था, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। सुबह करीब 9:10 बजे तक स्थिति गंभीर होने पर आग को चौथे स्तर का घोषित कर दिया गया। इसके बाद आग बुझाने के लिए दमकल की कुल 11 गाड़ियां तैनात की गईं। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग को फैलने से रोकने और उसे बुझाने का प्रयास किया। बाजार में आग लगने की घटना के बाद आसपास के दुकानदारों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।



## दिल्ली में फिर लॉरेंस बिश्नोई का खौफ, गैंग के नाम पर मांगी 20 करोड़ की रंगदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में एक बार फिर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। निहाल विहार इलाके में रहने वाले हाजी शकील सैफी से कथित तौर पर 20 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। शिकायत के मुताबिक, उन्हें व्हाट्सऐप कॉल और वॉइस नोट के जरिए धमकी दी गई। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए रकम की मांग की। इस मामले में शिकायतकर्ता ने अनिल पंडित नाम के व्यक्ति पर रंगदारी मांगने और धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, हाजी शकील सैफी को 2 नवंबर को एक वॉइस नोट प्राप्त हुआ था। इसके अगले दिन यानी 3 नवंबर को उनके व्हाट्सऐप पर कॉल आई। आरोप है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सदस्य के रूप में बताई और 20 करोड़ रुपए देने की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम नहीं देने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। हाजी शकील सैफी ने पुलिस को दी शिकायत में अनिल पंडित का नाम लेते हुए आरोप लगाया है कि उसी ने गैंग के नाम का इस्तेमाल कर उनसे करोड़ों रुपए की रंगदारी मांगी और धमकाया। शिकायत में व्हाट्सऐप कॉल और वॉइस नोट का भी उल्लेख किया गया है। पुलिस अब इन डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है। हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है या उसने केवल गैंग के नाम का इस्तेमाल कर रंगदारी मांगने की कोशिश की है। शिकायत मिलने के बाद निहाल विहार थाना पुलिस ने प्राथमिकी संख्या 0934/2026 दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान धमकी भरे संदेशों, वॉइस नोट और व्हाट्सऐप कॉल से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। इसके साथ ही कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके संभावित संपर्कों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है।



# शरद पवार के बयान से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल, बोले- 10 नवंबर के बाद बैठकर करेंगे चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित मेल-मिलाप को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस बार इन चर्चाओं की वजह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल के बीच हुई मुलाकात का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में शरद पवार प्रफुल्ल पटेल से 10 नवंबर के बाद एक साथ बैठकर बातचीत करने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। उनके इस बयान के बाद महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच प्रस्तावित बातचीत का वास्तविक उद्देश्य और उसका राजनीतिक एजेंडा अभी सामने नहीं आया है। दरअसल, शरद पवार इन दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका उपचार और चिकित्सकीय जांच चल रही है। इसी दौरान अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय



कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे। इस मुलाकात को शुरुआत में शरद पवार का स्वास्थ्य जानने से जुड़ा बताया गया, लेकिन दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का वीडियो सामने आने के बाद इसे राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बताया गया है कि दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात हुई। इस दौरान प्रफुल्ल पटेल ने शरद पवार का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत सुनाई दे रही है। इसमें शरद पवार कहते हैं कि उन्हें पता है कि वहां रहना पड़ता है, लेकिन कितने समय तक रहना है, यह बताना होगा। इसके बाद वे कहते हैं कि फिर आगे का निर्णय किया जाएगा। इस पर प्रफुल्ल पटेल जवाब देते हैं कि वह 10 तारीख के बाद मुंबई में रहेंगे और शरद पवार जब चाहें, दोनों बैठकर चर्चा कर सकते हैं। पटेल ने बातचीत के लिए अपनी सहमति भी जताई। इसके बाद शरद पवार की ओर से 10 नवंबर के बाद बैठकर बात करने की बात कही गई। वीडियो में सामने आए इस संवाद ने दोनों नेताओं के बीच आगे होने वाली मुलाकात को लेकर राजनीतिक चर्चाओं को नया आधार दे दिया है। महाराष्ट्र की राजनीति में इस बातचीत को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद दोनों गुट अलग-अलग राजनीतिक रास्तों पर आगे बढ़ रहे हैं। एक तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट है, तो दूसरी ओर अजित पवार के नेतृत्व में अलग गुट सक्रिय है। दोनों गुटों के बीच राजनीतिक मतभेद और संगठनात्मक दूरी बनी हुई है। ऐसे में दोनों पक्षों के वरिष्ठ नेताओं की मुलाकात और भविष्य में एक साथ बैठकर चर्चा करने की बात को संभावित सुलह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, केवल इस बातचीत के आधार पर किसी राजनीतिक समझौते, गठबंधन या दोनों गुटों के एक होने का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। प्रफुल्ल पटेल ने भी मुलाकात के बाद शरद पवार से मिलने की बात स्वीकार की थी। उन्होंने बताया था कि वह उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे थे और उनकी तबीयत अच्छी है। पटेल ने शरद पवार के साथ हुई बातचीत के विस्तृत ब्योरे का खुलासा नहीं किया। हालांकि, उन्होंने राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद जब बातचीत का वीडियो सामने आया तो दोनों गुटों के बीच संभावित राजनीतिक संवाद को लेकर अटकलें और तेज हो गईं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि 10 नवंबर के बाद होने वाली चर्चा केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंधों तक सीमित रहेगी या उसमें पार्टी और महाराष्ट्र की राजनीति से जुड़े मुद्दे भी शामिल होंगे। शरद पवार के अस्पताल में भर्ती होने और प्रफुल्ल पटेल की उनसे मुलाकात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भी उनका हालचाल लिया गया था।

## अमेरिका-पाकिस्तान से CJP को मिली फंडिंग क्राइम ब्रांच की पूछताछ के बाद आशुतोष रांका का जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली में 13 अक्टूबर को हुई घटनाओं के सिलसिले में क्राइम ब्रांच ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े सौरभ दास, आशुतोष रांका और अजिक्य शिंदे से पूछताछ की। पूछताछ पूरी होने के बाद तीनों बाहर आए और मीडिया से बातचीत की। इस दौरान सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने जांच में पूरा सहयोग करने की बात दोहराई। साथ ही पाकिस्तान, अमेरिका, नेपाल और बांग्लादेश से कथित विदेशी फंडिंग मिलने के आरोपों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने जितेंद्र सिंह से इन आरोपों पर जवाब देने की मांग करते हुए सरकार पर देश के प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। आशुतोष रांका ने कहा कि 13 अक्टूबर की घटनाओं को लेकर उनसे सामान्य पूछताछ की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी ओर से पहले भी जांच में सहयोग करने की बात कही गई थी और आगे भी किसी जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच चाहे किसी भी एजेंसी की ओर से की जाए, उन्हें अपनी बात रखने में कोई आपत्ति नहीं है। रांका



के मुताबिक, जंतर-मंतर या किसी सार्वजनिक स्थान पर तिरंगा दिखाना अपराध नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरी जांच निष्पक्षता और सही मंशा के साथ की जाएगी पूछताछ के बाद मीडिया से बातचीत में रांका ने विदेशी फंडिंग के आरोपों को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि विदेशी फंडिंग को लेकर इतने गंभीर आरोप लगाए जा रहे थे तो जितेंद्र सिंह उनके साथ हाथ क्यों मिला रहे थे और बातचीत क्यों कर रहे थे? रांका ने दावा किया कि उस समय उनके साथ बैठकर चाय-नाश्ता भी किया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि उन्हें विदेशी फंडिंग से जुड़ा संदिग्ध माना जा रहा था तो उस समय उनके साथ इस तरह का व्यवहार क्यों किया गया। उन्होंने जितेंद्र सिंह से इस पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। आशुतोष रांका ने पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और अमेरिका से फंडिंग मिलने के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि बार-बार पुराने आरोपों को सामने लाकर देश के वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि यदि विदेशी फंडिंग को लेकर कोई ठोस आधार है तो उसे स्पष्ट रूप से सामने क्यों नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोपों पर राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाना चाहिए। सीजेपी नेता ने बातचीत के दौरान वोट चोरी के आरोपों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर सरकार क्या जवाब दे रही है और ज्ञानेश कुमार को सरकार क्यों बचा रही है? इसके साथ ही उन्होंने पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को भी उठाया। रांका ने कहा कि युवाओं के भविष्य और रोजगार से जुड़े सवालों पर चर्चा करने के बजाय 12 साल पुराने एजेंडे को बार-बार सामने लाया जा रहा है।

## अम्मा ये पता बताना, डिलीवरी बॉय बनकर आए शख्स ने लूटी बुजुर्ग महिला की गोल्ड चेन, घटना CCTV में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाली घटना सामने आई है। कांदिवली इलाके की एक हाउसिंग सोसाइटी में डिलीवरी बॉय के कपड़े पहनकर आए युवक ने पता पूछने के बहाने बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गया। वारदात उस समय हुई, जब महिला अपने फ्लैट का दरवाजा खोल रही थीं। आरोपी ने पहले उनसे किसी पते के बारे में जानकारी मांगी और बातचीत के दौरान अचानक उनके गले पर झपट्टा मारकर चेन छीन ली। पूरी घटना सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, यह वारदात मंगलवार 3 नवंबर को कांदिवली पश्चिम स्थित एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर हुई। बुजुर्ग महिला अपने फ्लैट का दरवाजा खोल रही थीं। इसी दौरान डिलीवरी बॉय जैसे कपड़े पहने एक युवक वहां पहुंचा और उनसे एक पते के बारे में पूछने लगा। महिला ने उसके हाथ में



मौजूद पते को पढ़कर बताया कि वह गलत मंजिल पर आ गया है। इसके बाद युवक ने दोबारा पते के बारे में पूछा तो महिला ने उसे तीसरी मंजिल पर जाने की सलाह दी। महिला से बातचीत के दौरान आरोपी ने अचानक उन पर झपट्टा मारा और गले में पहनी सोने की चेन छीन ली। अचानक हुई इस घटना से बुजुर्ग महिला घबरा गईं और उन्होंने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन आरोपी चेन लेकर वहां से भागने में सफल रहा। वारदात के बाद महिला सदमे में आ गईं। आरोपी ने डिलीवरी बॉय जैसी पोशाक पहन रखी थी, जिससे वह आसानी से सोसाइटी में दाखिल हो गया और महिला से बातचीत करने में सफल रहा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस समय यह वारदात हुई, उस समय हाउसिंग सोसाइटी का सुरक्षा गार्ड अपनी निर्धारित जगह पर मौजूद नहीं था। बताया गया कि वह एक अन्य निवासी को पार्किंग की जगह तलाशने में मदद करने के लिए वहां से गया हुआ था। इसी दौरान आरोपी सोसाइटी में पहुंचा और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। घटना के बाद सोसाइटी में रहने वाले लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। मुंबई पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। कांदिवली पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसका पता लगाया जा सके। फुटेज में वारदात कैद होने के कारण पुलिस को जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। कांदिवली की निवासी अदिति दातार ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि दिनदहाड़े इस तरह की वारदात होना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि केवल सीसीटीवी कैमरे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा के लिए सोसाइटी में अतिरिक्त इंतजाम भी जरूरी हैं।

## मुंबई में बम की धमकी से हड़कंप, बॉम्बे हाईकोर्ट-BSE और अमिताभ बच्चन का 'जलसा' निशाने पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बम धमाके की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। इस बार धमकी भरा ईमेल बॉम्बे हाईकोर्ट को भेजा गया है। ईमेल में केवल न्यायालय को ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख कारोबारी संस्थान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को भी बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई है। शहर के चार प्रमुख स्थानों को एक साथ निशाना बनाने की धमकी सामने आने के बाद मुंबई पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ईमेल की जांच शुरू कर दी है। धमकी भरे ईमेल में जिन चार स्थानों का नाम लिया गया है, उनमें बॉम्बे हाईकोर्ट, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, वर्ली रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन का बंगला 'जलसा' शामिल है। इन सभी स्थानों की अपनी अलग पहचान और महत्व है। बॉम्बे हाईकोर्ट देश के महत्वपूर्ण न्यायिक संस्थानों में शामिल है, जबकि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज देश के प्रमुख कारोबारी केंद्रों में से एक है। दूसरी ओर, वर्ली रेसकोर्स मुंबई का चर्चित स्थान है और अमिताभ बच्चन का



बंगला 'जलसा' भी लोगों के बीच जाना-पहचाना है। ऐसे में इन सभी स्थानों का नाम एक ही धमकी भरे संदेश में आने से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने तत्काल मामले को गंभीरता से लिया और जांच की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ईमेल में लिखी गई बातों की पड़ताल कर रही हैं। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि संदेश किसने भेजा, इसे कहां से भेजा गया और इसके पीछे क्या उद्देश्य है। ईमेल से जुड़ी तकनीकी जानकारियां जुटाकर संदेश भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी समझने का प्रयास कर रही हैं कि धमकी के पीछे किसी व्यक्ति की शरारत है, दहशत फैलाने की कोशिश है या कोई गंभीर मंशा छिपी हुई है। इस मामले में पुलिस के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती धमकी की वास्तविकता का पता लगाना है। एक ओर चार प्रमुख स्थानों का नाम लेकर बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई है, वहीं दूसरी ओर अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक के मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद पुलिस किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहती। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल में दी गई जानकारी को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ अमिताभ बच्चन के निजी आवास का नाम भी धमकी में शामिल होने से मामला और संवेदनशील हो गया है। चारों स्थानों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इन सभी स्थानों को निशाना बनाने के पीछे कोई साझा उद्देश्य है या केवल भय का माहौल बनाने के लिए इनके नाम ईमेल में शामिल किए गए हैं। मुंबई में इस तरह की धमकी मिलने के बाद आम लोगों के बीच भी सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा होना स्वाभाविक है। हालांकि, पुलिस की जांच पूरी होने और ईमेल भेजने वाले की पहचान सामने आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी भरे ईमेल की जांच में जुटी हैं। अभी तक किसी विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु की बरामदगी की सूचना नहीं है।

## MSRTC कर्मचारियों को महाराष्ट्र सरकार का दिवाली पर तोहफा, 10 हजार रुपये बोनस मिलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार ने राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ी राहत देते हुए 10 हजार रुपये बोनस देने की घोषणा की है। सरकार के इस फैसले से निगम के करीब 83 हजार कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब कर्मचारियों को 58 प्रतिशत के स्थान पर 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान इन फैसलों की जानकारी दी। त्योहार से पहले बोनस और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा से कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि दिवाली के अवसर पर पात्र कर्मचारियों को 12,500 रुपये की अग्रिम राशि भी दी जाएगी। यह घोषणा बांद्रा स्थित परिवहन आयुक्त कार्यालय में महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में की गई। बैठक के दौरान कर्मचारियों के हितों और त्योहार के अवसर पर उन्हें मिलने वाली आर्थिक सहायता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि राज्य परिवहन निगम के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर लाखों यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करते हैं। त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं। ऐसे में दिवाली के अवसर पर उन्हें बोनस देना उनका अधिकार है। सरकार की ओर से घोषित बोनस, महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी और अग्रिम राशि से कर्मचारियों को त्योहार के दौरान आर्थिक मदद मिलेगी। हालांकि, इस फैसले का असर निगम की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ेगा। परिवहन मंत्री के अनुसार, बोनस और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के कारण निगम पर करीब 160 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ आएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम इस समय आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन सरकार चाहती है कि कर्मचारियों को त्योहार मनाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निगम के बेड़े में करीब 15 हजार बसें हैं, जिनके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 55 लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाता है। शहरों से लेकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक निगम की बसें यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराती हैं। इस व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में चालक, परिचालक, तकनीकी कर्मचारी और अन्य अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार की घोषणा के बाद अब करीब 83 हजार कर्मचारियों को बोनस और बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ मिलने का रास्ता साफ हुआ है। पात्र कर्मचारियों को 12,500 रुपये की अग्रिम राशि भी दी जाएगी।



## एंटीलिया बम कांड में सचिन वाझे को बड़ा झटका, बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द की जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के बाहर विस्फोटक से भरी गाड़ी खड़ी करने और कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या से जुड़े मामले में बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाझे को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अपील स्वीकार करते हुए विशेष अदालत की ओर से 29 सितंबर 2026 को दिए गए जमानत के आदेश को रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद सचिन वाझे को जमानत पर जेल से बाहर आने का रास्ता फिलहाल बंद हो गया है। वह वर्ष 2021 से इस मामले में जेल में बंद है। हाईकोर्ट ने इससे पहले 30 सितंबर को ही उसकी जमानत पर अंतरिम रोक लगा दी थी। न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए विशेष अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि निचली अदालत का जमानत आदेश रद्द किया जाता है और एनआईए की अपील स्वीकार की जाती है। यह मामला एनआईए की प्राथमिकी संख्या आरसी-01/2021/एनआईए/मुंबई से जुड़ा है। एजेंसी ने विशेष अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में आपराधिक अपील संख्या 850/2026 दाखिल की थी। दरअसल, सितंबर में विशेष अदालत ने सचिन वाझे को जमानत दे दी थी। इस आदेश के बाद उसके ठाणे केंद्रीय जेल से बाहर आने की संभावना बनी थी, लेकिन एनआईए ने उसी दिन हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए जमानत के फैसले को चुनौती दे दी। एजेंसी ने अदालत से आदेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को जमानत आदेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इसके बाद मामले में सुनवाई जारी रही और अब हाईकोर्ट ने एनआईए की अपील मंजूर करते हुए विशेष अदालत का जमानत आदेश पूरी तरह रद्द कर दिया है। एनआईए ने अपनी अपील में तर्क दिया था कि विशेष अदालत ने मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और उपलब्ध सामग्री पर उचित विचार किए बिना सचिन वाझे को जमानत दे दी। एजेंसी के अनुसार, यह आदेश तथ्यों और कानून दोनों के लिहाज से गलत था। एनआईए ने यह भी कहा था कि विशेष अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 43डी के तहत जमानत देने के लिए निर्धारित कड़े प्रावधानों को उचित महत्व नहीं दिया। एजेंसी ने वाझे को इस मामले का मुख्य आरोपी बताते हुए आरोप लगाया था कि कथित आतंकी साजिश में उसकी भूमिका केंद्रीय थी। एनआईए का यह भी कहना था कि जमानत पर विचार करते समय विशेष अदालत ने न्यायिक जांच के दायरे और कानूनी कसौटियों को सही तरीके से नहीं समझा।



## नियो ग्रुप ने म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू किया

**नई दिल्ली ।**

नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट (नियो ग्रुप) ने अपनी वित्तीय सेवा पेशकश का विस्तार करने की योजना के तहत नियो म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ म्यूचुअल फंड कारोबार में प्रवेश की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि नियो म्यूचुअल फंड ने करीब 10 अनुभवी फंड प्रबंधकों को अपने साथ जोड़ा है। इन सभी ने अपनी पिछली भूमिकाओं में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन किया है। फंड हाउस की योजना देश में 25 से अधिक स्थानों पर अपनी मौजूदगी बनाने और म्यूचुअल फंड वितरकों, स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों, बैंकों तथा 'वेल्थ मैनेजर' के जरिये देशव्यापी वितरण नेटवर्क विकसित करने की है।नियो ग्रुप के पास 30 सितंबर, 2026 तक कुल करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये की ग्राहक परिसंपत्तियां थीं।

## एक दिन में मस्क-हुआंग ने गंवाई यूपी के बजट जितनी रकम

**मिडटर्म नतीजों के बाद निवेशकों में भगदड़, टेस्ला और एनवीडिया के शेयर धड़ाम**

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को एक बड़ा भूचाल आया, जिसने दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्तियों एलन मस्क और जेन्सेन हुआंग को एक ही दिन में 8.44 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया। यह रकम उत्तर प्रदेश के वार्षिक बजट के लगभग बराबर है। टेस्ला के एलन मस्क ने एक ही दिन में करीब 7.10 लाख करोड़ रुपये (79.7 अरब डॉलर) और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने 1.34 लाख करोड़ रुपये (15.1 अरब डॉलर) गंवा दिए। कुल 8.44 लाख करोड़ रुपये का यह नुकसान उत्तर प्रदेश के सालाना मूल बजट (9.13 लाख करोड़) के लगभग बराबर है। इस दौरान टेस्ला का शेयर 11.5 फीसदी और एनवीडिया का 9.3 फीसदी लुढ़क गया। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के नतीजे रहे, जहां डेमोक्रेट्स ने संसद में मजबूत नियंत्रण हासिल किया। इससे बड़े एआई डेटा सेंटरों पर कड़े नियम लगने की आशंका बढ़ी, जिसने सेमीकंडक्टर चिप सप्लायर एनवीडिया जैसी कंपनियों में ताबड़तोड़ बिकवाली को बढ़ावा दिया। इस झटके से मस्क की संपत्ति 800 अरब डॉलर से नीचे आ गई और हुआंग ब्लूमबर्ग इंडेक्स में टॉप-10 से बाहर हो गए। ओरेकल के लैरी एलिसन को भी 10.1 अरब डॉलर की चपत लगी।

## वॉल स्ट्रीट का भूचाल, दिवाली मुहूर्त पर भारतीय बाजार पर पड़ेगा असर?

**नैस्डैक 5.5 फीसदी टूटा, जापान-कोरिया में भी बिकवाली, एआई निवेश पर चिंता से बढ़ा वैश्विक दबाव**

**मुंबई ।**

अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में आई तेज गिरावट ने भारतीय निवेशकों की नींद उड़ा दी है। दिवाली पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग से ठीक पहले इस वैश्विक उथल-पुथल ने घरेलू बाजारों पर संभावित असर को लेकर चिंता बढ़ा दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली और तकनीकी क्षेत्र में निवेश पर बढ़ती आशंकाओं ने दुनियाभर के बाजारों को हिला दिया है, जिससे भारतीय निवेशक सावधानी बरतने को मजबूर हैं। इस वैश्विक माहौल का असर भारतीय शेयर बाजार की धारणा पर भी पड़ सकता है। निवेशक अब घरेलू बाजार की चाल के साथ विदेशी बाजारों के संकेतों पर नजर रखेंगे। हालांकि, रविवार, 8 नवंबर को दिवाली के अवसर पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का रुख हमेशा की तरह उत्साहजनक रहने की उम्मीद होती है, लेकिन इस बार निवेशक विदेशी बाजारों के संकेतों पर विशेष नजर रखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इक्विटी बाजार में सामान्य कारोबार दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक होगा। ऐसे में मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय निवेशक मुहूर्त ट्रेडिंग में सावधानी के साथ कदम रख सकते हैं। वहीं गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक 5.52 प्रतिशत टूट गया, जबकि एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत और डाउ जोंस में 3.44 प्रतिशत की गिरावट आई। खासकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव देखा गया। एनवीडिया के शेयर लगभग 9.26 प्रतिशत और एएमडी के शेयर 17 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जिससे तकनीकी क्षेत्र में बिकवाली का माहौल बना।

अमेरिकी बाजारों की इस गिरावट का असर शुक्रवार को एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया, वहीं दक्षिण कोरिया के कोस्पी में शुरुआती कारोबार में 8 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जिसके चलते बाजार को 20 मिनट के लिए रोकना पड़ा।

# घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी

**सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 79,300, निफ्टी 24,400 के स्तर पर**

**मुंबई ।**




वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे शुरुआती कारोबार के बाद बढ़त के साथ कारोबार करने लगे। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत सीमित रहने से शेयर बाजार में आशावाद बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। बाद में दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेजी लौटी। सेंसेक्स 443.87 अंक की बढ़त के साथ 79,760.10 अंक पर और निफ्टी 81 अंक चढ़कर 24,612.85 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 4,587.88 करोड़ रुपये रहा जिससे उसके शेयर में तेजी आई है। टाइटन, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर में भी तेजी रही। वहीं, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 प्रतिशत लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 प्रतिशत नीचे रहा।

## रुपया नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला

**रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।**




रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात आई तेजी और अमेरिकी डॉलर में सुधार से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.50 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 94.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.71 पर आ गया।

## रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 जल्द होगी लॉन्च

**नई दिल्ली ।**

शक्तिशाली और महंगी बाइक निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई हिमालयन 750 से पर्दा उठा दिया है। इसे नवंबर 2026 के आखिरी सप्ताह में आयोजित होने वाले मोटोवर्स कार्यक्रम के दौरान भारतीय बाजार में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

यह मोटरसाइकिल मौजूदा हिमालयन 450 से अधिक शक्तिशाली होगी, जिसमें नया 750 सीसी इंजन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन व खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 में कंपनी ने अपनी एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला की मजबूत बनावट को बरकरार रखा है। इसमें बड़ा ईंधन टैंक, ऊंची सीट और चौड़ा ढांचा इसे पहले से अधिक दमदार रूप देता है। इसका अगला हिस्सा हिमालयन श्रृंखला की दूसरी मोटरसाइकिलों से मिलता-जुलता है, जबकि पिछले हिस्से में हिमालयन 450 जैसी डिजाइन देखने को मिलती है। इसे दोहरे रंगों के विकल्पों में पेश किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 750 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन है। कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम शक्ति और टॉर्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन जानकारों के अनुसार, यह इंजन 55 हॉर्सपावर से अधिक की शक्ति और 60 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा कर सकता है। इसके साथ छह गियर वाला गियरबॉक्स मिलने की उम्मीद है, जो राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने और पहाड़ी रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।

# धनतेरस पर शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 1718, निफ्टी 493 अंक उछला**

**मुम्बई ।**




भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को धनतेरस पर भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस पूरे सप्ताह बाजार में तेजी रही। इसी कारण आज भी दिन भर कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1,718.01 अंक बढ़कर 81,028.02 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां सत्र था, जब बाजार बढ़कर बंद हुआ है। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 30 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 503 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है1 वहीं ये 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था। आज बाजार में सबसे अधिक तेजी निजी बैंकों के शेयरों में रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक 3.22 के शेयर भी लाभ में रहे।

इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी फार्मा , निफ्टी कमोडिटीज , के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मीडिया , निफ्टी इंडिया डिफेंसऔर निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.40 अंक गिरकर 18,975.05 और निफ्टी मिडकैप 14.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 60,606.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में केवल एक शेयर में ही गिरावट रही।

एमएंडएम, आईसीआईआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे केवल पावरग्रिड के शेयर ही नीचे आये।

बाजार में उछाल का एक मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की वापसी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 फीसदी लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 फीसदी की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 फीसदी नीचे रहा।

# धनतेरस पर घर बैठे खरीदें सोना-चांदी, 78 फीसदी तक की बंपर छूट के साथ

**स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट के धमाकेदार ऑफर्स, नामी ब्रांड्स के सिक्कों पर मिल रही बंपर बचत**

**नई दिल्ली ।**

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। लेकिन इस बार आपको भीड़ भरे बाजारों में धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट जैसे क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों के लिए एक शानदार अवसर पेश किया है, जहां आप घर बैठे ही तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, मालाबार जैसे नामी ब्रांड्स के सोने-चांदी के सिक्कों पर 78 फीसदी तक की बंपर छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह त्योहारी सीजन में ग्राहकों को सस्ती और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव दे रहा है। स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी की आकर्षक डील्स स्विगी इंस्टामार्ट ने धनतेरस को खास बनाने के लिए सोने-चांदी के सिक्कों पर जबरदस्त डील्स पेश की हैं। यहां 1 ग्राम 24 कैरेट सोने का कल्याण ज्वेलर्स फलावर डिजाइन सिक्का, जिसकी एमआरपी 26,000 रुपए है, 43 रुपए छूट के बाद सिर्फ 14,599 रुपए में उपलब्ध है। यह एक ग्राम सोने के लिए सबसे कम कीमतों में से एक है। इसके अलावा, मिया बाय तनिष्क का एक ग्राम लोटस गोल्ड कॉइन 24 रुपए की छूट पर 16,639 रुपए में और मालाबार का एक ग्राम लक्ष्मी गोल्ड कॉइन 27 फीसदी डिस्काउंट के साथ 15,879 रुपए में मिल रहा है। चांदी के सिक्कों में, कल्याण ज्वेलर्स का 10 ग्राम लक्ष्मी सिल्वर कॉइन 78 फीसदी की बंपर छूट के बाद मात्र 2,169 रुपए में खरीदा जा सकता है, जबकि जीवा और मालाबार के चांदी के सिक्कों पर भी शानदार ऑफर्स हैं।

ब्लिंकइट पर भी भारी छूट का मौका इसी तरह, ब्लिंकइट पर भी जोयालुक्कास, मुथूट एक्विजम और एमएमटीसी-पीएमएमपीएस जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 24 कैरेट सोने और 999 शुद्धता वाले चांदी के सिक्कों पर 77 रुपए तक की छूट मिल रही है।

## बीते एक साल में सोने की कीमतों में 13 हजार से अधिक का उछाल

**नई दिल्ली ।**

धनतेरस के पावन अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी की परंपरा के बीच इस साल उन निवेशकों के चेहरे खिले हैं जिन्होंने पिछले वर्ष इस शुभ दिन पर सोना खरीदा था। बीते एक साल में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों को अच्छा-खासा मुनाफा हुआ है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष धनतेरस के आसपास 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 1,45,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जो पिछले साल के 1,32,278 रुपये प्रति 10 ग्राम से करीब 13,372 रुपये अधिक है। यह बढ़ोतरी निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, हालांकि स्थानीय बाजारों में दरों में थोड़ा अंतर हो सकता है। हालांकि, वर्ष 2026 की शुरुआत में सोने ने 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर भी देखा था, जिसके बाद कीमतों में 18-20 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके बावजूद, मौजूदा दरें पिछले साल की तुलना में काफी ऊपर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है, पर इसकी कीमतों में निरंतर वृद्धि की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

# मप्र में दिवाली पर 14,000 करोड़ तक के कारोबार का अनुमान-कैट

**स्वदेशी उत्पादों की मांग और स्थानीय खरीदारी से मिलेगी अर्थव्यवस्था को गति**

**भोपाल ।**

मध्य प्रदेश में इस साल दिवाली का त्योहार राज्य के व्यापार जगत के लिए खुशियां लेकर आने वाला है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने अनुमान जताया है कि इस दिवाली पर प्रदेश में 12,000 करोड़ रुपये से 14,000 करोड़ रुपये तक का रिकॉर्ड कारोबार हो सकता है। सीएआईटी के अनुसार उपभोक्ताओं की बढ़ती क्रय शक्ति, स्वदेशी उत्पादों में रुचि और स्थानीय खरीदारी को प्रोत्साहन मिलने से दिवाली से 7-10 दिन पहले बाजारों में जबरदस्त तेजी आएगी। भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक, हर जगह शानदार बिक्री की उम्मीद है। क्षेत्रवार आकलन में कपड़ा (2,200 करोड़ रुपये), सोना-चांदी (2,000 करोड़ रुपये) और वाहन (1,700 करोड़ रुपये) प्रमुख हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स (1,300 करोड़ रुपये) और किराना (1,100 करोड़ रुपये) में भी अच्छा व्यवसाय अपेक्षित है। पटाखों का कारोबार हालांकि पर्यावरण जागरूकता के चलते अपेक्षाकृत कम (600 करोड़ रुपये) रह सकता है। उन्होंने जनता से देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने और स्थानीय कारोबारियों से खरीदारी की अपील की, जिससे छोटे-मध्यम उद्यमों को मजबूती मिलेगी, रोजगार बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

# वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 फीसदी घटकर 31.72 लाख इकाई रही-फाडा

**त्योहारों के कैलेंडर ने बिगाड़ी अक्टूबर की वाहन बिक्री, पर जमीनी मांग मजबूत**

**नई दिल्ली ।**

देश में अक्टूबर महीने में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, कुल 31.72 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं। हालांकि, फाडा ने इस गिरावट को त्योहारों के कैलेंडर का परिणाम बताया है, जहां पिछले साल की तुलना में इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ने के कारण बिक्री प्रभावित हुई, जबकि असल में मांग मजबूत बनी हुई है। फाडा के एक अ धिकारी ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे, साथ ही जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी सामने आई थी, जिससे वह महीना असाधारण रहा। इस साल नवरात्र अक्टूबर में रहे, जबकि धनतेरस और दिवाली नवंबर में शिफ्ट हो गए, जिससे आंकड़ों में गिरावट दिख रही है। अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रह गई, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री भी 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 33.97 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके विपरीत, कई सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2.29 प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख इकाई, तिपहिया वाहनों की बिक्री 3.97 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख इकाई और ट्रैक्टरों की बिक्री 3.10 प्रतिशत बढ़कर 79,285 इकाई रही। फाडा के अनुसार, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर तीनों ही सेगमेंट ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है।

# अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट से आम आदमी का रिटायरमेंट फंड भी संकट में

**डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट**

**वाशिंगटन ।**

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल ही में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसने न केवल एलन मस्क जैसे अरबपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया, बल्कि लाखों आम अमेरिकियों की रिटायरमेंट सेविंग्स पर भी सीधा असर डाला। डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट ने 401(के) नामक अमेरिकी रिटायरमेंट फंड की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने इस क्रैश का ठीकरा डेमोक्रेट्स पर फोड़ते हुए 401(के) फंड पर इसके प्रभाव को उजागर किया, जिससे आम नौकरीपेशा अमेरिकियों के बुढ़ापे के सहारे पर सवाल खड़े हो गए हैं।

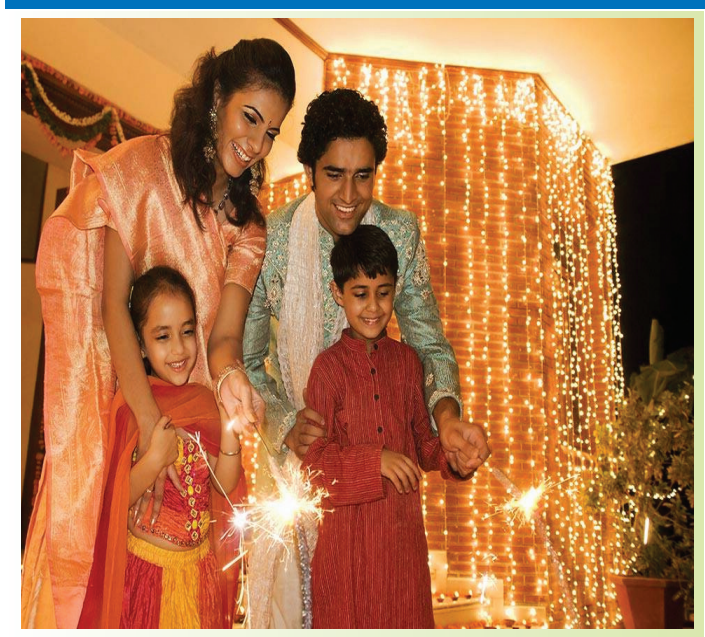
बाजार में भूचाल और ट्रंप का वार- अमेरिकी शेयर बाजार का तकनीकी सूचकांक नैस्डैक अपने ऊपरी स्तरों से 10 फीसदी से अधिक और एक ही दिन में 6 फीसदी लुढ़क गया, जो मार्च 2020 के बाद की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट है। इस झटके से अरबपतियों की संपत्ति स्वाहा हुई, लेकिन इसका असर अमेरिका के लाखों आम नौकरीपेशा लोगों की बुढ़ापे के लिए जोड़ी गई बचत पर भी पड़ा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गिरावट को डेमोक्रेट्स और चुनाव नतीजों से जोड़ते हुए खास तौर पर 401(के) का जिक्र किया, जिससे यह सवाल उठा कि आम आदमी की पेंशन कैसे प्रभावित हुई। क्या है 401(द्य) और क्यों जुड़ा है बाजार से? 401(के) अमेरिका में नौकरीपेशा लोगों के लिए एक रिटायरमेंट बचत योजना है, जिसे भारत के ईपीएफ या एनपीएस के समान समझा जा सकता है। इसमें कर्मचारी अपनी मासिक सैलरी का एक हिस्सा जमा करते हैं और कई कंपनियां भी इसमें योगदान करती हैं। इस फंड की खास बात यह है कि कर्मचारी को यह पैसा शेयर बाजार से जुड़े फंड्स, बॉन्ड्स या अन्य विकल्पों में निवेश करने का विकल्प मिलता है।

# धनतेरस पर गाड़ियों की बंपर बिक्री का अनुमान

**नए और पुराने वाहनों की मांग जोरदार, लेकिन ई-वाहनों की आपूर्ति में आ सकती है बाधा**

**नई दिल्ली ।**

धनतेरस पर देश का वाहन बाजार जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का अनुमान जताया है, जिससे उत्सव के इस माहौल में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। फाडा के अनुसार, समग्र बाजार धारणा सकारात्मक बनी हुई है और ग्राहकों का रुझान काफी उत्साहजनक है। हालांकि, उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में संभावित बाधाओं का जिक्र किया, जिससे कुछ श्रेणियों में डिलीवरी प्रभावित हो सकती है। छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने के कारण, यह महीना खुदरा बिक्री के लिए एक बड़ा अवसर है। फाडा के एक सर्वेक्षण में 51 फीसदी से अधिक डीलरों ने इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। पुरानी कारों का बाजार भी पीछे नहीं है, जहां मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। कार्स24 के एक अ धिकारी ने बताया कि नवरात्र में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़ी और धनतेरस पर यह सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना होने का अनुमान है। हालांकि, फाडा ने पिछले साल की धनतेरस बिक्री से तुलना करने के प्रति आगाह किया है, जब जीएसटी दरों में कटौती और दबी हुई मांग के कारण असाधारण वृद्धि देखी गई थी। इस बार, उद्योग स्वाभाविक मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना के दम पर बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहा है।



# आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

बच्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

पटाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

घर में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

# धूमधाम से मनाएं दिवाली,
## आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

यद्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

**खुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें :** कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

**आंखों को पहुंच सकता है नुकसान :** आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

**पटाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में :** अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

**कान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान :** कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

**आपात स्थिति में क्या करें :** आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।





# चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई।

तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

### ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है।

हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

> पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

# ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

**बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए हैं तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है**

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

### पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

### क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

### नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

### ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

### ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

### महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

# तकनीक के साथ बदलते पटाखे

**तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदल नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे, आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे.कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्हीं पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है**

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

### रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो



बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''



## माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस



**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था। हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे। इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, 'मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है। हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीमों के हेड बेन ओलिवर ने कहा, 'माइक के पास टी20 का बहुत ज्यादा अनुभव है और हम 2028 में एलए ओलंपिक और टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान टीम पर उनके असर का इंतजार कर रहे हैं।' मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर माइकल हसी की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन मध्यक्रम बल्लेबाजों में होती है। 51 साल के हसी ने 2004 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट में 19 शतक और 29 अर्धशतक की मदद से 6,235 रन, 185 वनडे में 3 शतक और 39 अर्धशतक की मदद से 5,442 रन और 38 टी20 में 4 अर्धशतक लगाते हुए 721 रन बनाए। 37 साल की उम्र में 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद से वह लंबे समय तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं।

## ऋषभ पंत इंडिया ए के मैच से बाहर, टेस्ट सीरीज में भी खेलना तय नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बुरी खबर है. विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में खेलना अब मुश्किल है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं. पंत अबतक साइड स्ट्रेन से ठीक नहीं हुए हैं. पंत अभी भी बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब में हैं. माना जा रहा है कि पंत अब 19 नवंबर को होने वाले वेलिंगटन टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे. अगर ऐसा हुआ तो ध्रुव जुरेल का प्लेइंग इलेवन में खेलने का रास्ता साफ हो जाएगा. टेस्ट स्पेशलिस्ट जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा दोनों टेस्ट की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलेंगे. तिलक वर्मा भी शनिवार से लिंकन में शुरू हो रहे इस मैच में खेलते दिखेंगे. बुमराह ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद से दो दिनों तक स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग की है, जबकि जडेजा सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद इस सीरीज़ में आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने कुल सात विकेट लिए और एक सेंचुरी बनाई.
ध्रुव जुरेल ही इंडिया ए की कप्तानी करेंगे. इस मैच में नीतीश कुमार रेड्डी भी खेलेंगे. इस बीच प्रसिद्ध कृष्णा के भी खेलने की संभावना है क्योंकि वो पिछले तीन हफ्ते तक हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद मैच फिटनेस हासिल करना चाहते हैं.

# सिराज इन, आकिब आऊट

### वेलिंगटन वनडे में बदलेगी टीम इंडिया की प्लेइंग-11

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार (7 नवंबर) को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाना है. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरू होगा, पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है. अब शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की कोशिश जीत का सिलसिला बरकरार रखने की होगी. इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव देखने को मिल सकता है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिल सकता है, जबकि आकिब नबी को बाहर बैठना पड़ सकता है. सिराज पहले मुकाबले में सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे.

अब वो टीम के साथ जुड़ चुके हैं. सिराज की वापसी से भारतीय पेस अटैक को और मजबूती मिलेगी. ओपनिंग में रोहित शर्मा और शुभमन गिल पर बड़ी जिम्मेदारी रहेगी. पहले वनडे में रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट

उन्हें एक और मौका दे सकता है. गिल भी कप्तानी पारी खेलकर शीर्ष क्रम को मजबूती देना चाहेंगे. तीसरे नंबर पर विराट कोहली उतरेंगे. उन्होंने पहले मुकाबले में 51 गेंदों पर 74 रन बनाकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था. चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर को मौका मिल सकता है. वह पिछले मैच में



अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे. मध्यक्रम में अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है. इससे केएल राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे. नमन धीर निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती दे सकते हैं.

वेलिंगटन की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है. पहले वनडे में अर्शदीप सिंह, अंशुल कम्बोज और गुरनूर बरार ने अच्छा प्रदर्शन किया था. इन तीनों को फिर मौका मिल सकता है. उधर आकिब नबी छह ओवर में 33 रन देने के बावजूद कोई विकेट हासिल नहीं कर सके थे. ऐसे में उनकी प्लेइंग-11 से छुट्टी तय दिख रही है. मोहम्मद सिराज नई गेंद से विकेट निकालने के साथ अपने अनुभव का फायदा भी दे सकते हैं.

### हेनरी की वापसी से न्यूजीलैंड को मिला बूस्ट

उधर, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे कन्कशन के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं. उनकी जगह निक केली को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के लिए अच्छी बात यह है कि स्टार तेज गेंदबाज मैट हेनरी फिट है और उनकी प्लेइंग-11 में वापसी होनी तय है. ऐसे में ब्लेयर टिकनर को बाहर बैठना पड़ सकता है.

**दूसरे वनडे में भारत की संभावित प्लेइंग-11:** रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

**दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11:** टिम सीफर्ट, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन, मैट हेनरी और जैकब डफी.

## भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे वनडे पर मंडराया खतरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार (7 नवंबर 2026) को वेलिंगटन में खेला जाने वाला दूसरा वनडे मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ऑकलैंड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में भी बारिश ने खलल डाला था और अब वेलिंगटन में भी मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने का अनुमान है। शुक्रवार पांच नवंबर 2026 को लगातार बारिश के कारण दोनों टीमों को अपना अभ्यास सत्र बदलना पड़ा। शनिवार को भी बारिश की आशंका जताई गई है, जिससे मुकाबले पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों टीमों को मैच के वेन्यू एचएनआरवाई स्टेडियम के बजाय बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। वेलिंगटन में 6 नवंबर की सुबह लगातार हल्की बारिश होने के कारण न्यूजीलैंड की टीम ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज के इनडोर स्टेडियम में किया, जबकि भारतीय टीम ने अभ्यास रद्द कर दिया। एक्यूवेदर के अनुसार, शनिवार छह नवंबर को और बारिश होने का अनुमान है। दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60% और दूसरे हिस्से में 55% संभावना है। ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच भी खराब मौसम से प्रभावित रहा था। मैच की शुरुआत 10 मिनट की देरी से हुई। बाद में भारत के लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा था।

## चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं लुईस हैमिल्टन



**साओ पाउलो, एजेंसी।** फेरारी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन साओ पाउलो ग्रैंड प्रिक्स से पहले टीम के साथी चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं। मेक्सिको में टीम के अंदर हुई लड़ाई के कारण फेरारी को पक्की 1-2 जीत से हाथ धोना पड़ा था। हैमिल्टन ने मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। लेकिन पहले ही लैप में लेक्लर्क के साथ हुई टक्कर में उन्होंने अपनी जगह खो दी। लेक्लर्क को ट्रैक काटने के लिए टाइम पेनल्टी मिली, जबकि हैमिल्टन ग्रिड पर मैक्स वर्स्टैपेन से भी पिछड़ गए।

नतीजा यह हुआ कि फेरारी को जीत मिलने के बजाय हार का सामना करना पड़ा। ब्राजीलियन जीपी से पहले हैमिल्टन ने कहा, 'लेक्लर्क के साथ टीम की बातचीत अभी नहीं हो पाई है। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण घर वापस चले गए थे। अब वह साओ पाउलो में उनसे सीधे बात करना चाहते हैं।' हैमिल्टन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एक मीटिंग में सब कुछ खत्म हो जाएगा और सुलझ जाएगा, लेकिन यह जरूरी है। हम अभी जो बनाएंगे, वह हमें अगले साल के लिए सही स्थिति में रखेगा। कुछ मायनों में मुझे खुशी है कि हमें वह अनुभव मिला। बेशक, मैं चाहूंगा कि हम जीतें और 1-2 का स्कोर करें, लेकिन इससे आप सीख सकते हैं और हम और भी मजबूत हो सकते हैं।' मेक्सिको की घटना के बाद हैमिल्टन ने फेरारी के साथ गंभीर बातचीत की मांग की थी। उन्होंने कहा था, 'चार्ल्स के साथ जो हुआ, उसके बारे में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप देख सकते हैं कि क्या हुआ और हम क्यों हार गए। ड्राइवर्स ब्रीफिंग में हमने चर्चा की थी कि टर्न 1 पर उतरते ही आपको अपनी पोजीशन वापस देनी होगी। पिछले साल मुझे उसी मूव के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली थी जो उसने किया था। आखिरकार, आज हम इसी वजह से जीत हार गए। हमें पर्दे के पीछे जरूर कुछ गंभीर बातचीत करनी होगी।' हैमिल्टन ने कहा, 'टीम में ऊर्जा सच में बहुत अच्छी है। मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमने पिछली कुछ रेस में बहुत अच्छा काम किया है, किसी से भी ज्यादा पॉइंट बनाए हैं। हमने सच में अपना स्तर बढ़ाया है। कुछ बदलावों के साथ हमारा एग्जिक्यूशन बेहतर रहा है। इसके लिए हम काम कर रहे थे। मैं यह देखकर बहुत खुश हूं। हमें पिछली रेस में 1-2 से हारना नहीं चाहिए था। हमें यह पक्का करने के लिए काम करना होगा कि ऐसा फिर कभी न हो। उन्होंने कहा, 'मैं टीम के लिए अपनी जिम्मेदारी 100 प्रतिशत जानता हूं। यह कभी कम नहीं हुई है और न ही कभी होगी। हैमिल्टन ब्राजील में अपना 400वां ग्रैंड प्रिक्स शुरू करेंगे। इसके साथ ही वह फर्नांडो अलोंसो के बाद 400 रेस में हिस्सा लेने वाले दूसरे ड्राइवर बन जाएंगे।

### ओलंपिक मार्सिले ने

# बायर लेवरकुसेन को 1-0 से हराया

**बर्लिन, एजेंसी।** अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से ओलंपिक मार्सिले ने गुरुवार को यूईएफए यूरोपा लीग में बायर लेवरकुसेन पर 1-0 से जीत हासिल की। मेहमान टीम ने बेएरिना में बेहतर शुरुआत की।

गौरी ने पेनल्टी एरिया के अंदर एक लंबे पास को नियंत्रित करने और अपने मार्कर से बचने के बाद शुरुआती मौका गंवा दिया, लेकिन गोलकीपर मार्क फ्लेकेन ने उसे रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों में से किसी ने भी लगातार आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं किया। मेजबान टीम 42वें मिनट में गोल करने के सबसे



करीब पहुंची जब मिगुएल गुटिरेज का डिफ्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके बाद हाफटाइम से पहले जेरेल क्वांसाह का शॉट थोड़ा वाइड चला गया। लेवरकुसेन ने और ज्यादा आक्रामक खेलना शुरू किया, लेकिन पैट्रिक शिक ने 54वें मिनट में एक शॉट बार के ऊपर से मार दिया। मार्सिले ने इगोर पैक्साओ के जरिए जवाब दिया, जिनका लॉन्ग-रेंज शॉट टारगेट से थोड़ा चूक गया। इसके बाद जेफ्री कोंडोगबिया ने दूर से शॉट मारा, जो थोड़ा बाहर चला गया।

77वें मिनट में अहम पल आया जब लेवरकुसेन ने हाफवे लाइन के पास बॉल पर नियंत्रण खो दिया। गौरी ने जगह बनाई, एडमंड टैप्सोबा के अंदर कट किया और फ्लेकेन के पार दूर कोने में एक सटीक शॉट मारा। मेजबान टीम ने कई सेट पीस के जरिए दबाव बनाना जारी रखा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाई।

## रोहित शर्मा और विराट कोहली की गेम को समझने की क्षमता शानदार: फील्डिंग कोच



**वेलिंगटन, एजेंसी।** भारत के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने सीनियर बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की अंदाजा लगाने और खेल को समझने की काबिलियत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खास जगहों पर फील्डिंग करने का उनका अनुभव उन्हें दूसरों से बेहतर बनाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले घोष ने बताया कि कैसे कोहली को कवर और पॉइंट जैसी जगहों की अच्छी जानकारी होने से उन्हें गेंद की दिशा पहले समझने में मदद मिलती है, जबकि रोहित के अंदाजे ने सीरीज के पहले मैच में डेरिल मिशेल के रन-आउट होने में अहम भूमिका निभाई। घोष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'विराट ने कवर और पॉइंट पर कई बार फील्डिंग की है, इसलिए उन्हें गेंद की दिशा और रास्ता पता है, साथ ही यह भी पता है कि गेंद टकराने के बाद कैसे जाएगी। वह दूसरों की तुलना में स्थिति को थोड़ा पहले समझ लेते हैं, और आप उनके काम करने के तरीके में यह देख सकते हैं।'

शुभदीप ने पहले वनडे में मिचेल के आउट होने के दौरान रोहित की अवेयरनेस और तेज मूवमेंट पर भी जोर दिया। रोहित ने मिचेल को रन आउट किया था। उन्होंने कहा, 'जहां तक रोहित की बात है, मुझे लगता है कि उन्होंने उस रन-आउट के दौरान अंदाजा लगा लिया था कि गेंद स्क्वायर लेग की तरफ जाएगी। वह सीधे नहीं चल रहे थे। वह पहले से ही थोड़ा स्क्वायर लेग की तरफ जा रहे थे। उस शुरुआती अंदाजे ने उन्हें स्किल को पूरी तरह से करने में मदद की। अंदाजा लगाना फील्डिंग के सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है।' शुभदीप ने कहा, 'हमने पहले वनडे में अच्छा किया। हमने कुछ अच्छे कैच लिए, विकेट लिए और बेहतरीन ग्राउंड फील्डिंग से इसे सपोर्ट किया। इंटेंसिटी बहुत अच्छी थी। जब आप विरोधी टीम को लगभग 180 रन पर रोकते हैं, तो यह न केवल अच्छी गेंदबाजी बल्कि क्वालिटी फील्डिंग को भी दिखाता है।

### अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौती

फील्डिंग कोच ने विदेशी दौरों के दौरान अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौतियों के बारे में भी बात की, और बताया कि मैदान के आकार, मौसम और बाउंड्री की जगह के लिए खिलाड़ियों को अलर्ट रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'जब आप अलग-अलग देशों में जाते हैं, तो नई कंडीशन में ढलना हमेशा एक चुनौती होती है। ग्राउंड के आकार अलग-अलग होते हैं, और मौसम ठंडा हो सकता है, और ये ऐसी बातें हैं जिन पर हम ड्रेसिंग रूम में नियमित बात करते हैं।'

### इंडिया-नेपाल: एशिया कप:

# सहवाग के बेटे आर्यवीर का तूफान

### भारतीय टीम की धमाकेदार शुरुआत, नेपाल को 10 विकेट से रौंदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2026 में शुक्रवार (6 नवंबर) को भारत और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया. अल अमेरात के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 1) में आयोजित मुकाबले में भारतीय टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की. भारतीय टीम को जीत के लिए 129 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 19.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया. अब भारत का सामना 8 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा. रनचेज में भारतीय टीम के लिए वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने तूफानी बैटिंग की. आर्यवीर ने 52 बॉल पर नाबाद 70 रन बनाए, जिसमें सात चौके और 4 छक्के शामिल रहे. आर्यवीर ने पहले तो नजरें जमाईं. फिर बड़े शॉट्स खेले. देखते ही देखते ही आर्यवीर सहवाग ने 34 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली. आर्यवीर ने अभय यादव की गेंद पर छक्का लगाकर ये उपलब्धि हासिल की. आर्यवीर सहवाग का साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने बखूबी दिया. लक्ष्य ने 63 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे. आर्यवीर और लक्ष्य के सामने नेपाली गेंदबाज बेबस नजर आए.




### ईशान ने गेंद से काटा गदर

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवरों में 128 रनों पर ढेर हो गई. नेपाल के लिए सबसे ज्यादा रन दर्श सोनार ने बनाए. दर्श ने 1 चौके और 1 सिक्स की मदद से 93 बॉल पर 43 रनों का योगदान दिया. वहीं आशीष लुहार ने 45 बॉल पर 29 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके शामिल रहे. दर्श और आशीष के बीच पांचवें विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई. इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज नीरज कुमार यादव (20 रन) ही दोहरे अंकों तक पहुंच सके. भारतीय टीम के लिए ईशान सूद ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके. वहीं स्पिनर अर्जुन राजपूत ने भी तीन सफलताएं हासिल कीं. उधर यशवीर गौड़ को दो विकेट हासिल हुए. जबकि काव्या चौहान और मनाल पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया.



# आनंद सर को मुझ पर भरोसा था, उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी

**आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' से डेब्यू करने वाले अंश दुग्गल अब आनंद एल राय की फिल्म में सोलो लीड हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग तक के सफर, छोड़े गए प्रोजेक्ट्स और 'नखरेवाली' के मैसेज पर हुई खास बातचीत...**

### सोलो लीड फिल्म मिलने में 7-8 साल लगे। इस दौरान कितने प्रोजेक्ट्स छूटे?

'नखरेवाली' मुझे 2023-24 के दौरान ऑफर हुई थी। इस सफर में हर साल कम से कम एक अच्छा प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा, क्योंकि मैं सोलो लीड के तौर पर पहचान बनाना चाहता था। फैसला जोखिम भरा था, लेकिन भरोसा था कि कुछ अच्छा होगा। प्रोजेक्ट्स के नाम अभी नहीं बता सकता।

### आपका किरदार मजनू से लैला की स्थिति में पहुंचता है। क्या वजह रही?

मेरा किरदार मानता है कि लड़कियों के लिए कुछ चीजें आसान हैं। हीरोइन उसे चुनौती देती है कि अगर ऐसा लगता है तो दिल्ली जैसे शहर में लड़की बनकर रहकर दिखाए। इसके बाद उसे लैला की स्थिति में आना पड़ता है। हम कॉमेडी के जरिए दिखाना चाहते हैं कि पितृसत्तात्मक सोच वाले परिवार से आने वाले लड़के को लड़की की चुनौतियों का कुछ अंदाजा कैसे होता है।

### आनंद एल राय के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

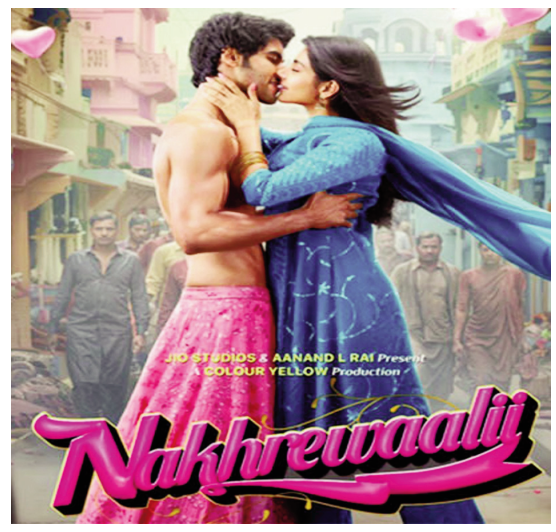
आनंद सर ने कहा कि उन्होंने मुझे फिल्म में लिया है क्योंकि उन्हें मुझ पर भरोसा है। उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी। कॉमेडी में यह बहुत जरूरी है। पता हो कि पीछे आनंद एल राय जैसे फिल्ममेकर हैं, तो कलाकार अपने काम को लेकर सहज रहता है। हमने सेट पर खूब मस्ती की और प्यार से फिल्म बनाई।

### आलिया भट्ट के प्रोडक्शन में काम करने का अनुभव कैसा रहा था?

आलिया फिल्म के लगभग हर पहलू से जुड़ी थीं। कास्टिंग, स्क्रिप्टिंग, पोस्टर और प्रमोशन तक उनकी भागीदारी रही। उन्होंने कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह प्रोड्यूसर हैं और हम नए कलाकार। उन्होंने हम पर भरोसा किया और पूरी टीम का उद्देश्य फिल्म को अच्छा बनाना था। आगे उनके प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का मौका मिला तो खुशी होगी।

### दिल्ली से मुंबई आने और एक्टिंग में करियर बनाने की शुरुआत कैसे हुई?

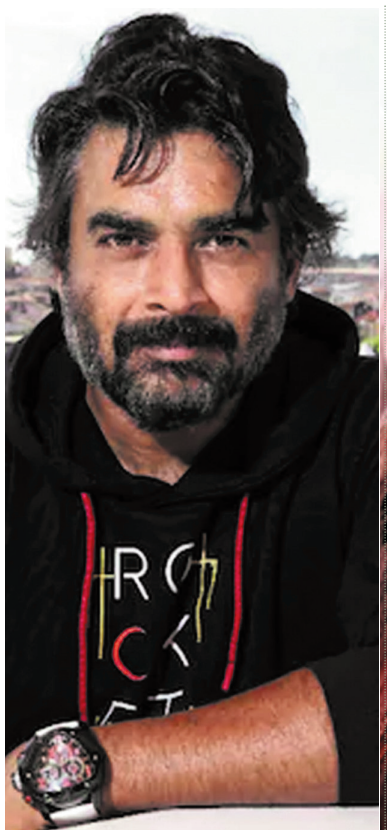
मैं दिल्ली के पश्चिम विहार से हूं। परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं है। बचपन में शर्मीला था और एक्टिंग का सपना भी नहीं था। कॉलेज में कुछ अलग करने की इच्छा हुई तो जिम और मॉडलिंग शुरू की। दोस्तों के साथ ऑडिशन देने गया, एक पेजेंट में हिस्सा लिया और जीतने के बाद मुंबई आने का मौका मिला। दादाजी मुझे हमेशा हीरो कहते थे और चाहते थे कि मैं कुछ बड़ा करूं।




उनका सपोर्ट भी मेरे लिए अहम रहा।

### मॉडलिंग में कामयाबी मिलने के बाद एक्टिंग की ओर क्यों आए थे?

मुंबई में शुरुआती दो-तीन साल अच्छे रहे। बड़े शोज और कमर्शियल्स किए, लेकिन धीरे-धीरे लगा कि मुझे कुछ और करना है। एक्टिंग क्लासेज और वर्कशॉप शुरू कीं। किरदारों के साथ काम करने का अनुभव पसंद आया और समझ आया कि यही करना है। मैं अच्छा एक्टर भी बनना चाहता था और हीरो भी।



# विशाल फुरिया के साथ हॉरर फिल्म करेंगे आर माधवन

आर माधवन ऐसे अभिनेता हैं जो हर तरह के किरदार निभाते हैं। खास बात यह है कि वह हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते हैं। उन्होंने फिल्म 'शैतान' में अपने अभिनय से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। अब वह विशाल फुरिया की अपकमिंग फिल्म के साथ हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। माधवन के साथ काम करने पर विशाल ने कहा, 'माधवन सर हमेशा से मेरी पहली और इकलौती पसंद थे। मैं बहुत खुश हूं कि वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए हैं। उन्होंने अभी से फिल्म की दुनिया में ढलना शुरू कर दिया है। वह कल्ट क्लासिक भारतीय हॉरर फिल्म '13बी' के असली हॉरर स्टार हैं। यह मेरी अब तक की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उनका अनुभव और गंभीर हॉरर की उनकी समझ बहुत ही खास है। इस फिल्म के लिए मुझे उनसे बेहतर कोई और नहीं सूझा।'

### खास फिल्म बनाना चाहते हैं विशाल

उन्होंने आगे कहा, 'माधवन सर के पास एक लेखक, निर्देशक और निर्माता के रूप में वर्षों का अनुभव है, इसलिए इस फिल्म में उनका हमारे साथ होना वाकई बहुत खास है। हम मिलकर कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो दर्शकों ने भारतीय हॉरर फिल्मों में पहले कभी न देखा हो। एक ऐसा डर जो सीधे उनके रोंगटे खड़े कर दे!' अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म के बारे में बाकी जानकारी का इंतजार है। इस प्रोजेक्ट को रोहित रंजन के 'फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड' के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म शैतान 8 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका थीं। आर माधवन ने इसमें खलनायक वनराज का किरदार निभाया था।

### विशाल फुरिया की फिल्में

विशाल फुरिया मुख्य रूप से काजोल अभिनीत फिल्म 'मां' को निर्देशित करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें काजोल, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा शर्मा थे। 65 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने भारत में सिर्फ 36.27 करोड़ रुपये कमाए थे। विशाल फुरिया ने नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी' का भी निर्देशन किया था।



# सत्यवान सावित्री में वकील बनीं कीर्ति, माइस्किन के किरदार से होगी टक्कर

कीर्ति सुरेश की आने वाली फिल्म 'सत्यवान सावित्री' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में कीर्ति के साथ एक्टर और निर्देशक माइस्किन भी लीड रोल में नजर आएंगे। टीजर में कीर्ति एक ऐसी युवा वकील की भूमिका में दिखाई दे रही हैं, जो अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस दौरान उनका सामना एक अनुभवी और वरिष्ठ वकील से होता है। दोनों के बीच विचारों का टकराव कहानी का अहम हिस्सा नजर आ रहा है। फिल्म के करीब एक मिनट 19 सेकंड के टीजर में कीर्ति के किरदार सावित्री की झलक दिखाई गई है। वह एक युवा और महत्वाकांक्षी वकील हैं, जो अपने काम में आगे बढ़ना चाहती हैं। उनका सपना एक सफल वकील बनने का है, लेकिन इस रास्ते में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में उनका सामना मार्कंडेय नाम के वरिष्ठ वकील से होता है, जिसका किरदार माइस्किन ने निभाया है। फिल्म में माइस्किन एक वरिष्ठ वकील मार्कंडेय की भूमिका निभा रहे हैं। 'सत्यवान सावित्री' का लेखन और निर्देशन प्रवीण एस. विजय ने किया है। यह फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होगी।

# फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव पर श्रद्धा कपूर ने दिया बयान

**बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने फिल्मों खुलासा किया कि क्यों उन्होंने इस फिल्म के लिए हां किया साथ ही बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर अपनी राय रखी।**

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की जरूरत है। इस तरह की फिल्में बननी चाहिए। मुझे लगता है कि ये बहुत छोटी सोच होती है। हमें इंडस्ट्री के बारे में सोचना चाहिए कि हम इंडस्ट्री को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। जब हम सब ऐसा सोचेंगे ना, तब हमारी इंडस्ट्री बहुत आगे बड़ी हो जाएगी।' श्रद्धा ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें 'ईठा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने 'छावा' के बाद एक अलग विषय चुनने के लिए निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। 'छावा' के बाद लक्ष्मण सर के लिए सबसे आसान होता कि वह एक और योद्धा पर आधारित फिल्म बनाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने उनसे इस बारे में पूछा भी था। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं एक अलग दुनिया दिखाना चाहता हूं।' मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत शानदार फैसला लिया है।'

फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा रणदीप फिल्म में अन्ना सावंत मर्चेंट का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर भी इस फिल्म में नजर आएंगे।





# माइथो क्रिएचर 'कालिया' में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस अब बड़े पैमाने की पौराणिक क्रिएचर फिल्म 'कालिया' पर दांव लगाने की तैयारी में है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि 'द नाइट मैनेजर' फेम संदीप मोदी निर्देशन की कमान संभालेंगे। इसकी शूटिंग दिसंबर 2026 में शुरू हो सकती है। चर्चा यह भी है कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान दिवाली पर 'रामायण' के प्रिंट्स के साथ एक विशेष वीडियो के जरिए किया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है। 'कालिया' के जरिए कार्तिक, करण और संदीप पहली बार एक साथ काम कर सकते हैं। बता दें कि 2019 में धर्मा प्रोडक्शंस ने कार्तिक के साथ 'दोस्ताना 2' की घोषणा की थी। बाद में फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई और दोनों के बीच मतभेद की खबरें सामने आईं। इसके बाद 2023 में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साथ दोनों की साझेदारी आगे बढ़ी थी।

### माइथो स्टोरी में दिखेगा क्रिएचर का संसार

'कालिया' पारंपरिक माइथोलॉजी फिल्मों से अलग एक क्रिएचर फिल्म होगी। ऐसे जॉनर में माइथो रेफरेंस के साथ काल्पनिक जीवों की डिजाइनिंग, विजुअल इफेक्ट्स और बड़े स्तर पर विश्व-निर्माण अहम होते हैं। वहीं फिल्म के ऐलान को 'रामायण' के सिनेमाघरों में प्रदर्शन से जोड़ने की चर्चा इसके प्रमोशनल प्लान को और भी खास बनाती है। कार्तिक के खाते में आगे भी इस बैनर के साथ फैंटेसी फिल्म 'नागजिला' है, जो अगले साल रिलीज होगी।

# राघवजुयाल ने शुरू की 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग

## रेमो डिसूज़ा हैं निर्देशक



राघव जुयाल ने अपनी नई फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूज़ा कर रहे हैं। राघव ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे अहम फिल्म बताया। उनके मुताबिक... 'यह फिल्म उनके लिए इसलिए खास नहीं है कि यह कितनी बड़ी है, बल्कि इसलिए है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले इसके बारे में सोचा था और इसे अपने सपने का हिस्सा बनाया था। अब उस सपने को हकीकत में बदलते देखना उनके लिए बहुत भावुक पल है।' राघव ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा देंगे। उनकी कोशिश है कि वह ऐसा अभिनय और नृत्य पेश करें, जैसा दर्शकों ने पहले किसी नृत्य पर आधारित फिल्म में नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सपनों को पूरा होने में कई साल लग जाते हैं लेकिन जब वे पूरे होते हैं तो एहसास होता है कि वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे। हालांकि, फिल्म की कहानी और इसमें शामिल दूसरे कलाकारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

# अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी, बीएसई और बॉम्बे हाईकोर्ट भी निशाने पर; मुंबई में सुरक्षा अलर्ट

## पहले भी अमिताभ और दिलजीत दोसांझ को मिल चुकी है जान से मारने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बार फिर धमकी भरे ईमेल ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हैरानी की बात यह है कि धमकी देने वालों ने केवल फिल्मी सितारे के घर को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), वर्ली रेसकोर्स और बॉम्बे हाईकोर्ट को भी उड़ाने की चेतावनी दी है। ईमेल सामने आने के बाद मुंबई पुलिस सहित तमाम सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। इस धमकी ने इसलिए भी गंभीर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि पिछले दिनों भी इसी तरह का संदेश सामने आया था। 23 अक्टूबर को मुंबई की महापौर रितु तावड़े को मिले ईमेल में अमिताभ बच्चन और गायक दिलजीत दोसांझ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। उसमें 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच हमले की आशंका जताई गई थी। धमकी देने वाले ने 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने की बात लिखने के साथ खालिस्तान समर्थक नारे भी दिए थे। ईमेल में दिलजीत पर हमला करने की धमकी का भी उल्लेख था। उस समय पुलिस, श्वान दल और बम निरोधक दस्ते ने बीएमसी मुख्यालय पहुंचकर महापौर और उपमहापौर कार्यालय सहित विभिन्न कक्षों की तलाशी ली थी। मुंबई में सुरक्षा को लेकर चिंता के बीच 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर जुहू इलाके में गोलीबारी की घटना भी सामने आई थी। इसमें उनका चालक और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे। इस मामले में अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लगातार मिल रही धमकियों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या कोई संगठित गिरोह मुंबई में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है? क्या अलग-अलग धमकियों के पीछे एक ही नेटवर्क है? पुलिस के सामने अब ईमेल भेजने वालों की पहचान करने और संभावित खतरे का पता लगाने की बड़ी चुनौती है। लगातार मिल रही धमकियों ने मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र की सतर्कता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर कौन है, जो देश की आर्थिक राजधानी में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है? क्या अमिताभ बच्चन के बंगले से लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट और बीएसई तक को निशाना बनाने की धमकियां महज डराने की साजिश हैं या किसी बड़े हमले की तैयारी का संकेत? पहले भी इसी तरह की धमकियां मिलने के बावजूद ऐसे तत्वों तक पहुंचना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती क्यों बना हुआ है? क्या किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही व्यवस्था जागेगी? फिलहाल मुंबई इन सवालों के जवाब का इंतजार कर रही है।



## हिमाचल के कांगड़ा और चंबा में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 3.2 रही तीव्रता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कांगड़ा।** हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और चंबा जिलों में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 6 बजकर 59 मिनट 46 सेकेंड पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से 15 किलोमीटर नीचे था। राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के झटके महसूस होते ही कई लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। कांगड़ा और चंबा जिले भूकंप की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्र-5 में आते हैं। इस क्षेत्र में समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस किए जाते रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता के साथ उसके संभावित प्रभाव का आकलन करना जरूरी है। कम तीव्रता वाले भूकंप में सामान्यतः बड़े नुकसान की आशंका कम रहती है, लेकिन जमीन की बनावट, भूकंप की गहराई और इमारतों की मजबूती के आधार पर नुकसान हो सकता है। वहीं, अधिक तीव्रता वाले भूकंप जान-माल के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। रिक्टर पैमाने पर प्रत्येक अगला स्तर भूकंपीय तरंगों के आयाम में पिछले स्तर की तुलना में लगभग 10 गुना वृद्धि दर्शाता है। ऐसे में हिमाचल के संवेदनशील क्षेत्रों में भूकंपरोधी निर्माण और सुरक्षा उपायों को लेकर सतर्कता बेहद जरूरी है।



## दीवाली पर फूलों की खेती से चमकी पप्पू कुमार की किस्मत, सालाना 10-12 लाख रुपए की कमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कोडरमा।** दीवाली के त्योहार को देखते हुए झारखंड के कोडरमा जिले के किसान पप्पू कुमार फूलों की खेती से अच्छी आमदनी कर रहे हैं। उन्हें इस सीजन में फूलों की बिक्री से एक लाख रुपए से अधिक कमाई की उम्मीद है। उनकी सफलता से स्थानीय स्तर पर फूलों की खेती को भी बढ़ावा मिल रहा है। डोमचांच प्रखंड के फुलवरिया गांव निवासी पप्पू कुमार ने परंपरागत और सब्जियों की खेती छोड़कर फूलों की खेती शुरू की थी। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान काम बंद होने के बाद वे गांव लौट आए। इससे पहले वे वर्ष 2006 से एक नेटवर्किंग कंपनी में काम कर रहे थे और करीब पांच लाख लोगों का नेटवर्क बना चुके थे। गांव लौटने के बाद उन्होंने एक कट्ठा जमीन से फूलों की खेती शुरू की। आज वे अपनी और पट्टे पर ली गई जमीन मिलाकर करीब तीन एकड़ में खेती कर रहे हैं। उनके खेतों में लाल और पीले गेंदे के साथ चेरी और जाफरी फूलों की खेती होती है। पप्पू कुमार 20 फूलों की एक माला 35 रुपए में बेचते हैं। उनके फूल कोडरमा के अलावा रांची, हजारीबाग, रामगढ़, गिरिडीह, चतरा और बिहार के कई शहरों में भेजे जाते हैं। वे फूलों की खेती से सालाना 10 से 12 लाख रुपए तक की आमदनी कर रहे हैं। इस खेती से उन्होंने गांव के करीब एक दर्जन महिला-पुरुषों को रोजगार भी दिया है।



## दो करोड़ के नोटों और 40 देशों की विदेशी मुद्रा से सजा रतलाम का महालक्ष्मी मंदिर, पांच दिन खुलेगा मंदिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**रतलाम।** मध्यप्रदेश के रतलाम स्थित महालक्ष्मी मंदिर दीपावली पर अनूठी सजावट के कारण आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर को करीब दो करोड़ रुपए के नोटों, 40 देशों की विदेशी मुद्रा और सोने-चांदी के आभूषणों से सजाया गया है। नोटों की गड्डियों से मंदिर की दीवारें, वंदनवार, गमले और पेड़ बनाए गए हैं। मां लक्ष्मी का श्रृंगार भी भक्तों की ओर से अर्पित किए गए नोटों और आभूषणों से किया गया है। धनतेरस से भाईदूज तक पांच दिनों के लिए मंदिर को इस विशेष रूप में सजाया जाता है। इस परंपरा के तहत देशभर से श्रद्धालु मंदिर में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और तिजोरियां जमा कराते हैं। खास बात यह है कि पांच दिन बाद सभी श्रद्धालुओं को उनकी जमा कराई गई नकदी और आभूषण सुरक्षित वापस लौटा दिए जाते हैं। मान्यता है कि मां लक्ष्मी के दरबार में धन और आभूषण रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है। मंदिर के पुजारी अश्विनी पुजारी के अनुसार, सजावट के लिए नोट जमा कराने का सिलसिला शरद पूर्णिमा से शुरू हो जाता है। इसके बाद नोटों की लड़ियां और सजावट की अन्य सामग्री तैयार की जाती है। इस बार करीब दो हजार श्रद्धालुओं ने सजावट के लिए धनराशि जमा कराई है। मंदिर को एक रुपए से लेकर 500 रुपए तक के नोटों से सजाया गया है। 100 और 200 रुपए के नोटों से मोरपंख बनाए गए हैं। पहली बार नोटों का विशेष पेड़ भी तैयार किया गया है। मंदिर की छत और दीवारों पर नोटों के वंदनवार और गमले लगाए गए हैं। विदेशी मुद्रा और डॉलर को भी सजावट में शामिल किया गया है। इन्हें सुरक्षित रखने के लिए परत चढ़ाकर सजाया गया है। गर्भगृह में ढाई-ढाई किलो चांदी के पांच हाथियों के साथ चांदी के 52 छोटे हाथी भी रखे गए हैं। इस बार 45 चांदी के सिक्कों से जड़ी साड़ी भी विशेष आकर्षण रहेगी। शरद पूर्णिमा से 35 लोगों की टोली मंदिर की सजावट में जुटी हुई है। कलाकार कपिल श्रोत्रिय पिछले तीन वर्षों से इस सेवा में लगे हैं। उनके अनुसार, नोटों की लड़ियां तैयार करते समय सुई या पिन का इस्तेमाल नहीं किया जाता। प्रत्येक नोट को अलग-अलग पारदर्शी थैली में रखकर सुरक्षित किया जाता है, ताकि वह मुड़े या कटे नहीं। पांच दिन बाद नोटों को थैलियों से निकालकर श्रद्धालुओं को लौटा दिया जाता है। कई भक्त पिछले वर्ष जमा कराई गई नोटों की गड्डियां भी दोबारा सजावट के लिए दे जाते हैं। मंदिर में जमा होने वाली नकदी और आभूषणों का पूरा हिसाब रखा जाता है। इसके लिए पंजिका में श्रद्धालुओं का नाम, पता, छायाचित्र, दूरभाष नंबर और जमा कराई गई सामग्री का विवरण दर्ज किया जाता है। इस बार पहली बार घर बैठे नाम दर्ज कराने की सुविधा भी शुरू की गई है। श्रद्धालु पहले नाम दर्ज कराते हैं और बाद में मंदिर पहुंचकर नकदी या आभूषण जमा करते हैं। दोनों व्यवस्थाओं में जमा करने वाले को पर्ची दी जाती है, जिस पर मंदिर की मुहर लगाई जाती है। मंदिर की सजावट और जमा धनराशि की व्यवस्था प्रशासन की निगरानी में होती है। प्रतिदिन नकदी और आभूषणों का हिसाब रखा जाता है। सुरक्षा के लिए हथियारबंद सुरक्षाकर्मी तैनात हैं तथा गर्भगृह से लेकर पूरे मंदिर परिसर तक 24 से अधिक निगरानी कैमरों से नजर रखी जा रही है। मंदिर के गर्भगृह में महालक्ष्मी के साथ भगवान गणेश और माता सरस्वती की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। महालक्ष्मी के हाथ में धन की थैली है, जिसे वैभव का प्रतीक माना जाता है। मान्यता के अनुसार, यहां माता लक्ष्मी आठ स्वरूपों में विराजमान हैं। इनमें आदि लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, लक्ष्मीनारायण, धन लक्ष्मी, विजय लक्ष्मी, वीर लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी और ऐश्वर्य लक्ष्मी शामिल हैं।





## भारत के आव्रजन नियमों में 5 बड़े बदलाव, छह समुदायों के लोगों को लेना होगा वीजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने आव्रजन नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी प्रावधान बदल दिए हैं। गृह मंत्रालय की नई अधिसूचना के अनुसार हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के वे लोग, जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे, अब निर्धारित प्रावधानों के तहत वीजा लेने के दायरे में होंगे। नए नियमों में पांच प्रमुख बदलाव किए गए हैं। पहला, 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत आए कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को पासपोर्ट नवीनीकरण से राहत दी गई है। हालांकि, उन्हें दोबारा पाकिस्तान नहीं लौटने का लिखित आश्वासन देना होगा। दूसरा, मलेशिया और सिंगापुर में रहने वाले कुछ भारतीय मूल के लोगों को भी पासपोर्ट नवीनीकरण से छूट मिलेगी। तीसरा, भारत, नेपाल और भूटान के नागरिकों के बीच आवागमन के लिए पहचान पत्र संबंधी नियम स्पष्ट किए गए हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट और वीजा अनिवार्य होंगे। चौथा, भारत में शरण लेने वाले पात्र श्रीलंकाई तमिलों और कुछ तिब्बती नागरिकों को पहले से मिली छूट जारी रहेगी। पांचवां, छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए वीजा संबंधी नियमों में बदलाव किया गया है। इन संशोधनों का उद्देश्य विदेशी नागरिकों, भारतीय मूल के लोगों और पड़ोसी देशों के नागरिकों के आवागमन तथा भारत में रहने से जुड़े नियमों को स्पष्ट करना है।



## उज्जैन में 189 करोड़ की रेलवे बायपास परियोजना का किसानों ने किया विरोध, सर्वे टीम को लौटाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**उज्जैन।** सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत प्रस्तावित 189 करोड़ रुपए की रेलवे बायपास परियोजना को लेकर किसानों ने विरोध शुरू कर दिया है। शुक्रवार को नईखेड़ी से चिंतामन तक 8.60 किलोमीटर लंबी रेल लाइन का सर्वे करने पहुंची टीम को किसानों ने घेर लिया। विरोध के चलते तहसीलदार, पटवारी और रेलवे अधिकारियों को बिना सर्वे लौटना पड़ा। किसानों का आरोप है कि रेलवे ने चार-पांच बार रेल लाइन का मार्ग बदला है। अब दाउदखेड़ी, चिंतामन, मोहनपुरा, मंगरोला और उज्जैन कस्बा के 85 सर्वे नंबरों की जमीन अधिग्रहण के लिए चिह्नित की जा रही है। किसानों ने पहले मार्ग और मुआवजे का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। किसानों के अनुसार, क्षेत्र में जमीन की बाजार कीमत 3 से 4 करोड़ रुपए प्रति बीघा है, जबकि 15 लाख रुपए की सरकारी गाइडलाइन के आधार पर करीब 60 लाख रुपए मुआवजा देने की बात कही जा रही है। किसानों ने इस पर आपत्ति जताते हुए न्यायालय में भी मार्ग निर्धारण को लेकर विरोध दर्ज कराया है। नायब तहसीलदार दीप्ति मांझी ने बताया कि टीम खेतों में मौजूद ट्यूबवेल और पेड़ों जैसी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन करने पहुंची थी। किसानों को दिवाली के बाद कार्यालय बुलाकर जानकारी देने की बात कही गई थी। रेलवे के अनुसार, बायपास बनने से इंदौर से नागदा जाने वाली ट्रेनों को उज्जैन स्टेशन पर लाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव करीब 30 प्रतिशत कम होने की उम्मीद है। सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है।



## भोपाल में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या, सोने के गहने लूटे; नकली दांतों से भी उखाड़ ले गए सोना

### गले पर मिले चोट के निशान, घर में संघर्ष के साक्ष्य; मूक-बधिर बेटा घटना के समय ड्यूटी पर था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के शाहजहानाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी में बदमाशों ने 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला कलरी देवी की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी महिला के सोने के गहने और नकली दांतों में लगा सोना तक उखाड़कर ले गए। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे पड़ोसन ने फ्लैट का दरवाजा खुला देखा तो घटना का पता चला। महिला के गले पर चोट के निशान मिले हैं। जानकारी के अनुसार, वारदात के समय महिला का मूक-बधिर बेटा घर पर नहीं था। वह श्यामला हिल्स स्थित सरकारी कार्यालय में नौकरी करता है और रात की ड्यूटी पर गया हुआ था। पड़ोस में रहने वाली वर्षा अक्सर रात में कलरी देवी का हालचाल पूछती थीं। शुक्रवार सुबह आवाज लगाने पर कोई जवाब नहीं मिला तो वह फ्लैट के अंदर पहुंचीं। वहां महिला को अचेत अवस्था में देखकर रिश्तेदारों और पड़ोसियों को बुलाया तथा पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को घर में संघर्ष के निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि वारदात में किसी परिचित का हाथ हो सकता है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली दांतों में सोना लगे होने की जानकारी आरोपियों को कैसे मिली। कलरी देवी की चार बेटियां और एक बेटा है। सभी बेटियों की शादी हो चुकी है। पुलिस बेटे और अन्य परिजनों से पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब दो साल पहले इसी बहुमंजिला इमारत में पांच वर्षीय बच्ची की हत्या के बाद सुरक्षा के लिए निगरानी कैमरे लगाए गए थे, लेकिन फिलहाल वे बंद हैं। पुलिस आसपास के अन्य कैमरों की तस्वीरें खंगाल रही है। शाहजहानाबाद थाना प्रभारी यूपीएस चौहान ने बताया कि फिलहाल मर्ग कायम किया गया है। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। इस वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस बहुमंजिला इमारत में पहले भी एक मासूम की हत्या हो चुकी है, वहां लगाए गए सीसीटीवी कैमरे आखिर बंद क्यों पड़े हैं? बुजुर्ग महिला के नकली दांतों में सोना होने की जानकारी बदमाशों को कैसे मिली? क्या वारदात में किसी परिचित की भूमिका है और रात के समय सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर कैसे रही? पुलिस के सामने अब इन सवालों के जवाब तलाशने की चुनौती है।



कलरी देवी, मृतक

## राजकोट ग्रामीण एलसीबी ने छह साल से फरार राजस्थान के आरोपी को दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजकोट।** गुजरात के राजकोट ग्रामीण जिले की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने शराबबंदी के मामले में पिछले छह वर्षों से फरार चल रहे राजस्थान के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2020 में विदेशी शराब और अन्य सामान से भरे कंटेनर ट्रक से जुड़े 34.32 लाख रुपए के मामले में वांछित था। उसके खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के सेड़वा तहसील के जोरापुरा निवासी हरिराम सताराम चौधरी (30) के रूप में हुई है। वह कोटड़ा-सांगाणी थाना क्षेत्र में दर्ज शराबबंदी के मामले में लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। तकनीकी सूचना के आधार पर एलसीबी की टीम ने उसे पकड़ने में सफलता हासिल की।




## बीएलए के कमांडर-इन-चीफ पद से हटाए गए बशीर जेब, सभी अधिकार वरिष्ठ कमांड परिषद को सौंपे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बलूचिस्तान।** पाकिस्तान में कई बड़े हमलों की साजिश रचने के लिए चर्चा में रहे बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के कमांडर-इन-चीफ बशीर जेब को पद से हटा दिया गया है। संगठन ने 3 नवंबर को जारी बयान में बताया कि उनके प्रशासनिक, सैन्य और नीतिगत अधिकार वरिष्ठ कमांड परिषद को सौंप दिए गए हैं। नए कमांडर की नियुक्ति तक परिषद संगठन के सभी बड़े फैसले लेगी। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ असफल अभियानों और महिला आत्मघाती हमलावरों के इस्तेमाल को लेकर संगठन में नाराजगी थी। हालांकि, बीएलए ने इसे शांतिपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन बताया है।



## जींद के नागरिक अस्पताल में दंपती से मारपीट का मामला, भाई की तेरहवीं पर मामा से हुआ था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जींद।** हरियाणा के जींद स्थित नागरिक अस्पताल की आपातकालीन इकाई में इलाज कराने आए एक दंपती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित सन्नी ने बताया कि गुरुवार को उसके भाई सतीश की तेरहवीं थी। बीमारी के कारण सतीश की मौत हुई थी और वह फोटोग्राफी का काम करता था। तेरहवीं कार्यक्रम में मामा सहित अन्य रिश्तेदार शामिल होने आए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर मामा के साथ विवाद हो गया। सन्नी के अनुसार, विवाद बढ़ने के बाद उसके मामा के बेटों ने घर पहुंचकर उसके और उसकी पत्नी भावना के साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने दोनों पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिसमें उसकी पत्नी भावना को भी चोटें आईं। इसके बाद दंपती उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचे थे। दंपती का आरोप है कि अस्पताल की आपातकालीन इकाई में दर्द की दवा मांगने पर चिकित्सक और कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अस्पताल कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति युवक को थप्पड़ मारने के बाद उसका गला पकड़कर खींचता दिखाई दे रहा है। वहीं, दो अन्य लोग बीच-बचाव करते नजर आ रहे हैं। दंपती ने चिकित्सक पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के समय अस्पताल में पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने उन्हें बचाने का प्रयास नहीं किया। मामले में अस्पताल के पीएमओ डॉ. रघुबीर पूनिया ने बताया कि घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



# पटना में पुलिस मुठभेड़ में तीन कथित शूटर ढेर 20 मिनट तक चली गोलीबारी; एसएचओ भी घायल

## मुठभेड़ में मनेर थाना प्रभारी घायल, पुलिस ने 18 राउंड चलाई गोलियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पटना।** बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार तड़के पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ सुबह करीब 4:30 बजे शेरपुर गंगा घाट के पास हुई। इस दौरान दोनों ओर से करीब 20 मिनट तक गोलीबारी चली। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में पुलिस ने 18 राउंड फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में राजा शर्मा, बबलू कुमार यादव और जेपी यादव घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों को पेशेवर शूटर बताते हुए दावा किया कि वे सुपारी लेकर हत्या की वारदातों को अंजाम देते थे। मुठभेड़ के दौरान मनेर थाना प्रभारी रजनीश कुमार के हाथ में भी गोली लगी। घटनास्थल से एक देसी पिस्तौल और दो देसी कट्टे बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ के बाद मामला उस समय तनावपूर्ण हो गया, जब मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल में करीब पांच घंटे तक हंगामा किया। लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई की, पथराव किया और वाहनों के शीशे तोड़ दिए। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पाया। घटना के करीब 10 घंटे बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए पटना स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया। दानापुर के सहायक पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार के अनुसार, तीन चिकित्सकों का दल पोस्टमार्टम करेगा। प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक मृतक के परिवार से एक सदस्य की मौजूदगी भी सुनिश्चित की जाएगी। परिजन भी शवों के साथ संस्थान पहुंचे हैं। इस मुठभेड़ को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि एक विशेष जाति को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराध का कोई जाति या धर्म नहीं होता और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी आरोपी को पकड़कर मुठभेड़ में मार देना उचित नहीं है। सांसद ने प्रशासनिक कार्रवाई में निष्पक्षता बनाए रखने की मांग की।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.